@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 10 दिसंबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 30 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## कोर्ट कमिश्नर ने सर्वे रिपोर्ट पेश करने को मांगा समय

संभल, 9 दिसंबर। संभल की जामा मस्जिद मामले में सोमवार को कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने अदालत में सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए पंद्रह दिन का समय मांगा है। कोर्ट कमिश्नर का कहना है कि उनकी तबियत खराब होने के कारण वह सर्वे रिपोर्ट पूरी तरह तैयार नहीं कर सके हैं। इस पर विपक्षी अधिवक्ता शकील वारसी ने आपत्ति जताते हुए सर्वे रिपोर्ट पेश करने की बात कही। न्यायालय ने उन्हें लिखित में आपत्ति दाखिल करने को कहा है। 19 नवंबर को सिविल जज सीनियर डिवीजन चंदौसी की अदालत में शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी और हरिशंकर जैन समेत आठ वादकारियों ने वाद दायर किया था। न्यायालय ने उसी दिन अधिवक्ता रमेश सिंह राघव को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर सर्वे करने के आदेश दिए थे। कोर्ट कमिश्नर ने कड़ी सुरक्षा व जिले के आला अधिकारियों की मौजूदगी में सर्वे किया। 24 नवंबर को वह डीएम व एसपी की सुरक्षा में दोबारा सर्वे करने पहुंचे तो बवाल हो गया था। इसमें पांच लोगों की जान चली गई। कई पुलिस कर्मी भी घायल हो गए थे। इसके बाद 29 नवंबर को कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश की जानी थी। जिसमें न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर को सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए दस दिन का समय दे दिया। दस दिन का समय पूरा होने के बाद सोमवार को सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह की अदालत में सर्वे रिपोर्ट पेश की जानी थी। सुबह 11 बजे करीब कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव न्यायालय में पहुंचे। उन्होंने प्रार्थना पत्र देकर पंद्रह दिन का और समय मांगा। जिस पर विपक्ष के अधिवक्ता शकील वारसी ने आपत्ति जताई। इस पर न्यायालय ने लिखित में आपत्ति दाखिल करने को कहा। इस पर शाम चार बजे तक अदालत का निर्णय आने की संभावना है। इस दौरान न्यायालय गेट पर पुलिस तैनात रही।

# प्रधानमंत्री ने की बीमा सखी योजना की शुरुआत

**सिम्मी कौर बब्बर**

पानीपत (हरियाणा), 9 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत के सेक्टर-13-17 मैदान से बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया। पीएम ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में बीमा सखी योजना शुरू की। बीमा सखी योजना कार्यक्रम का थीम भी स्वावलंबी नारी खुशहाली हमारी रखा था। इस दौरान पीएम के साथ केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल समेत तीन केंद्रीय मंत्री भी पहुंचे। वहीं, प्रधानमंत्री मंच से हरियाणा, हिमाचल और त्रिपुरा की महिलाओं को बीमा सखी योजना का पत्र दिए। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज महिला विकास की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। आज 9 तारीख है। शास्त्रों में नौ अंक को बहुत शुभ माना जाता है। नौ अंक नव दुर्गा की नौ शक्तियों से जु ?ा है। हम सब साल में शक्ति की उपासना करते हैं। आज का दिन भी नारी शक्ति की उपासना जैसा ही है। आज नौ दिसंबर को ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। ऐसे समय में जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है। विश्व को नीति और धर्म का ज्ञान देने वाली महान धरती पर आज के दिन आना और भी सुखद है। इस समय कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव भी चल रहा है। मैं गीता की

इस धरती को प्रणाम करता हूं। पीएम ने कहा कि मैं पूरे हरियाणा को यहां के देशभक्त लोगों को राम राम करता हूं। हरियाणा ने एक हैं तो सेफ हैं के मंत्र को जिस तरह अपनाया है, वह देश में उदाहरण बना है। सैनी की सरकार को बने अभी कुछ हफ्ते ही हुए हैं, लेकिन प्रशंसा पूरे देश में हो रही है पीएम ने कहा कि लगातार तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बनाई, इसके लिए मैं हरियाणा के हर परिवारजन का वंदन करता हूं। सैनी की नई सरकार को बने हुए अभी कुछ हफ्ते ही हुए हैं और उनकी प्रशंसा पूरे देश में हो रही है। सरकार बनने के तुरंत बाद जिस तरह यहां बिना पर्ची बिना खर्ची के हजारों युवाओं को पक्की नौकरियां मिली हैं, वह देश ने देखा है। अब यहां डबल इंजन की सरकार डबल रफ्तार से काम कर रही है। चुनाव के दौरान आप सभी माताओं बहनों ने नारा दिया था म्हारा हरियाणा नान स्टॉप हरियाणा। उस नारे को हम सभी ने अपना संकल्प बना दिया है। उसी संकल्प के साथ आज सब के दर्शन के लिए आया हूं। पीएम ने कहा कि कुछ साल पहले मुझे यहां पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी प ?ाओ अभियान शुरू करने का सौभाग्य मिला था। इसका सकारात्मक परिणाम हरियाणा के साथ पूरे देश में हुआ। अकेले हरियाणा में इस योजना के तहत हजारों बेटियों का जीवन बचा है। इसी धरती से बीमा सखी योजना का शुभारंभ हुआ है। यानी पानीपत एक प्रकार से नारी शक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है। आज भारत 2047 तक विकसित होने की दिशा में चल रहा है। हमें इसके लिए ऊर्जा के स्रोत चाहिए। इसके लिए हमारा उत्तर भारत ऊर्जा का स्रोत है। ऐसी ही हमारी ऊर्जा की स्रोत नारी शक्ति भी है। वही हमारी प्रेरणा की स्रोत रहने वाली हैं। ये विकसित भारत का बहुत ब ?ा आधार बनेंगी। उन्होंने कहा कि जब नारी को आगे ब ?ने का अवसर मिलता है तो वह देश के सामने अवसरों के नए द्वार खोल देती है। लंबे समय तक हमारे देश में अनेक ऐसे काम हुए जो महिलाओं के लिए वर्जित हैं। भाजपा ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने का काम किया। इसका परिणाम यही है कि सेना में बेटियों की भर्तियां हो रही हैं। फाइटर बन रही हैं। पुलिस में भी महिलाओं की भर्तियां हो रही हैं। कंपनियों को बेटियां संभाल रही हैं। 1200 ऐसे दुग्ध उत्पादक संघ हैं, जिनका नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। पीएम ने कहा कि आजादी के बाद भी अधिकतर महिलाओं के बैंक खाते नहीं थे, इसलिए हमारी सरकार ने सबसे पहले माताओं-बहनों के जनधन बैंक खाते खुलवाए।

# मल्लिकार्जुन खरगे का प्रधानमंत्री मोदी पर हमला

**तेजिन्दर कौर बब्बर**

नई दिल्ली, 9 दिसंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने सोमवार को कहा कि किसान न्याय की गुहार लगा रहे हैं क्योंकि मोदी सरकार ने उन्हें बार-बार धोखा दिया है। साथ ही जोर देकर यह भी कहा कि किसानों से उनकी आवाज उठाने का अधिकार नहीं छीना जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि किसान को बार-बार क्यों न्याय के लिए दिल्ली की दहलीज पर आना पड़ रहा है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आज जब हरियाणा व राजस्थान के दौरे पर होंगे, तो मुझे उम्मीद है कि आप अन्न उपलब्ध कराने वाले किसान के जद्दोजहद को समझने की कोशिश जरूर करेंगे। किसान न्याय की गुहार इसलिए लगा रहे हैं , क्योंकि बार-बार आपकी सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी न करने का धोखा, स्वामीनाथन रिपोर्ट के अनुसार इनपुट लागत + 50 फीसदी एमएसपी लागू न करने का धोखा और एमएसपी को कानूनी दर्जा देने के लिए एक

समिति बनाने, लेकिन उस पर कार्रवाई न करने का धोखा। उन्होंने आगे कहा कि न पर्याप्त खरीदी, न उचित दाम, न कानूनी गारंटी का इंतजाम, ऊपर से खाद-डीएपी व उर्वरकों की भारी किल्लत से किसान परेशान ! आपने किसानों की राह पर कंटीले तारों का जाल बिछाया, फिर से दिल्ली बॉर्डर को छावनी बनाया, आंसू गैस से उनकी शांतिपूर्ण कूच को रोकने का प्रयास किया। इससे पहले उनपर रबर बुलेट दागे और लाठियां बरसाईं। कांग्रेस नेता ने केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि यही नहीं, संसद में आपने खुद किसानों पर आंदोलनजीवी और परजीवी की अपमानजनक टिप्पणी की और 750 शहीद किसानों की याद में दो मिनट का मौन रखना भी मुनासिब नहीं समझा। इस परिस्थिति में आप और आपके कृषि मंत्री चाहे जितने भी झूठ बोल लें, अन्नदाता किसान समझ गए हैं कि आप उनके घोर विरोधी हैं। एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत कई मांगों को लेकर रविवार दोपहर दिल्ली कूच कर रहे किसानों को पुलिस ने फिर शंभू सीमा पर रोक दिया। पुलिस ने किसानों का पहले फूल बरसाकर स्वागत किया और चाय बिस्किट भी खिलाए, लेकिन कूच पर अड़े किसान जब बैरिकेडिंग पर चढ़ने लगे तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार भी की। इसमें सात किसान घायल हो गए, जिनमें चार की हालत गंभीर है। एक किसान को पीजीआईजी चंडीगढ़ रेफर किया गया है। करीब चार घंटे चले टकराव के बाद शाम करीब चार बजे किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कूच के लिए निकले 101 सदस्यीय मरजीवड़ा जत्थे को वापस बुला लिया। पंधेर ने आरोप लगाया कि पुलिस ने किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ ही मिर्ची स्प्रे किया और रबड़ की गोलियां भी चलाईं, जिससे किसान घायल हुए हैं।

## बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह अल्पसंख्यकों को खत्म करने का दे रहे हैं उपदेश: राधारमण दास

कोलकाता, 9 दिसंबर। बांग्लादेश में हिंदू समूहों पर जारी हिंसा पर इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह खुलेआम इस्कॉन भक्तों और समर्थकों को खत्म करने उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने इस मामले पर बांग्लादेश सरकार पर भी निशाना साधा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा कि देश के इन कट्टरपंथियों का समर्थन करने में बांग्लादेशी सरकार की निष्क्रियता और भी भयावह है। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा, पिछले कुछ दिनों में, बांग्लादेश में कट्टरपंथी निजी जेट विमानों से देश भर में घूम रहे हैं। वे इस्कॉन के भक्तों और समर्थकों को खत्म करने का उपदेश दे रहे हैं। इन कट्टरपंथियों का समर्थन करने में बांग्लादेशी सरकार की निष्क्रियता और भी भयावह है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी हुआ है, जिसमें एक बांग्लादेशी नेता इस्कॉन को कैंसर के रूप में संबोधित कर रहा है। वह अपने समर्थकों से बांग्लादेश से सभी इस्कॉन प्रतिष्ठानों को उखाड़ फेंकने का आग्रह कर रहा है। राधारमण दास ने चेतावनी दी कि ऐसे नफरती भाषणों के कारण अल्पसंख्यकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क सकती है। उन्होंने आग्रह किया कि नफरत फैलाने वाले ऐसे लोगों को गिरफ्तार कर लेना चाहिए। इस्कॉन प्रवक्ता सोमवार को विदेश सचिव स्तरीय बैठक में सकारात्मक परिणाम को लेकर आशांवित हैं। बता दें कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद आठ अगस्त को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यभार संभालने के बाद दोनों देशों के बीच पहली उच्च स्तरीय बैठक होगी।

## दिल्ली की तरफ कूच नहीं करेंगे किसान, रणनीति बनाएंगे: पंधेर

पटियाला (पंजाब), 9 दिसंबर। शंभू बॉर्डर पर बैठे किसान मंगलवार को दिल्ली कूच नहीं करेंगे। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने बताया कि कल आंदोलन को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। किसान शुक्रवार और रविवार को आगे बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन दोनों ही बार हरियाणा पुलिस ने उन्हें रोक दिया। वहीं सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि मामला पहले ही विचाराधीन है। एक ही मुद्दे पर बार-बार याचिकाओं पर विचार नहीं किया जा सकता। याचिका में पंजाब में उन राजमार्गों से अवरोधकों को हटाने के लिए केंद्र और अन्य प्राधिकारों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने याचिकाकर्ता गौरव लूथरा से कहा कि बार-बार याचिकाएं दायर मत कीजिए। अदालत ने याचिका को लंबित मामले के साथ जोड़ने के लूथरा के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। सरवण सिंह पंधेर आज खनौरी बॉर्डर पर जगजीत डल्लेवाल का हालचाल जानने जा रहे हैं। डीआईजी मनदीप सिंह सिद्धू भी खनौरी जा रहे हैं। वहां डल्लेवाल की सेहत को लेकर बात होगी। किसान आंदोलन पर पंजाब में राजनीति भी तेज हो गई है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि किसान बस यही मांग रहे हैं कि एमएसपी पर कानूनी गारंटी दी जाए। लेकिन केंद्र का व्यवहार ठीक नहीं है। किसानों पर लाठीचार्ज हो रहा है और उन्हें दिल्ली नहीं जाने दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने भी एमएसपी पर कानूनी गारंटी का मामला उठाया है। अगर हमें मौका मिला तो हम संसद में शून्यकाल या प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाएंगे।

## नोएडा एयरपोर्ट पर पहली सफल लैंडिंग

ग्रेटर नोएडा, 9 दिसंबर। नोएडा एयरपोर्ट के लिए सोमवार को बड़ा दिन रहा। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर विमान की सफल लैंडिंग हुई। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर सोमवार दोपहर 1.31 बजे पहली बार विमान ने सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। दिल्ली से उड़ान भरकर पहला व्यावसायिक 10 मिनट में नोएडा एयरपोर्ट के फ्लाइंग जोन में पहुंच गया था और उपकरणों सहित अन्य संसाधनों की जांच के लिए डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट के आसपास मंडराता रहा। इस सफल लैंडिंग के साथ ही एयरपोर्ट के इतिहास में ढाई दशक की कवायद के बाद एक और सफलता जुड़ गई। फिलहाल, इस बड़ी उपलब्धि से पहले रनवे को वाटर कैनन से सलामी दी गई। इंडिगो के ए 320 विमान ने रनवे पर सफल लैंडिंग के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के साथ प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे के ट्रायल के लिए डीजीसीए से 15 दिसंबर तक की समयसीमा तय की गई है। पहले 30 नवंबर को ट्रायल रन की तारीख नियत की गई थी। मगर, डीजीसीए टीम के निरीक्षण के चलते यह आगे बढ़ गई।

# जब आप हमारी जमीन कब्जाने आएंगे, तब हम क्या लॉलीपॉप खाएंगे: ममता बनर्जी

**नरेश मल्होत्रा**

कोलकाता, 9 दिसंबर। बांग्लादेशी राजनेताओं के एक वर्ग पर कटाक्ष करते हुए ममता बनर्जी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जब आप हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करेंगे, तब क्या भारतीय लॉलीपॉप खाते रहेंगे। दरअसल बांग्लादेश के कुछ नेताओं ने हैरान करने वाला बयान देते हुए कहा है कि बंगाल, बिहार और ओडिशा पर बांग्लादेश के वैध दावा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में बोलते हुए ममता बनर्जी ने राज्य के लोगों से शांत रहने और बांग्लादेश में दिए जा रहे उत्तेजक बयानों से गुस्सा न होने का आग्रह किया। उन्होंने ये भी कहा कि पश्चिम बंगाल हमेशा केंद्र द्वारा लिए गए किसी भी फैसले के साथ खड़ा रहेगा। ममता बनर्जी ने बांग्लादेशी नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि वे शांत और स्वस्थ रहें और मन को शांत रखें। गौरतलब है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक नेता ने हाल ही में ढाका में एक सार्वजनिक बैठक में कहा कि उनके देश का बंगाल, बिहार और ओडिशा पर वैध दावा है। ममता बनर्जी ने भड़काऊ बयानों से प्रभावित न होने की

अपील करते हुए कहा कि हमारे यहां के इमामों ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा, हिंदुओं और मुसलमानों तथा अन्य सभी समुदायों की रगों में एक ही खून बहता है। हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पश्चिम बंगाल में स्थिति को खराब न होने दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल देश का पहला राज्य है जहां जाति, पंथ या समुदाय से ऊपर उठकर लोगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के खिलाफ सामूहिक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ ही मीडिया से भी पड़ोसी देश की स्थिति पर जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करने की अपील की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार और पार्टी तृणमूल कांग्रेस, विदेश मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करेगी। उन्होंने कहा, हमारे विदेश सचिव बातचीत के लिए बांग्लादेश में हैं। हमें इस मुद्दे पर जरूरत से ज्यादा नहीं बोलना चाहिए। हमें नतीजे का इंतजार करना चाहिए। हम जिम्मेदार नागरिक हैं। हमारा देश एकजुट है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीम उद्दीन के साथ बातचीत की।

# रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने 13 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किये

**एजेंसी**
**मास्को।** रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने रात बेलगोरोद, रोस्तोव और अस्त्राखान क्षेत्रों में 13 यूक्रेनी ड्रोनों को नष्ट कर दिया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा, पिछली रात कीव सरकार की ओर से रूसी संघ के क्षेत्र में आतंकवादी हमला करने का प्रयास विफल कर दिया गया है। वायु रक्षा प्रणालियों ने बेलगोरोड क्षेत्र के क्षेत्र में आठ ड्रोन, रोस्तोव क्षेत्र के क्षेत्र में तीन और अस्त्राखान क्षेत्र में दो ड्रोनों को नष्ट कर दिया है।

# सीरिया के मुद्दे पर रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की मांग की

**संयुक्त राष्ट्र।** रूस ने सीरिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक अपराह्न में बुलाने का अनुरोध किया है। यह अनुरोह संरा में रूस के मिशन ने किया है। संरा के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। संरा सूत्र ने आरआईए नोवोस्ती को बताया, सीरिया में नवीनतम घटनाक्रम और यूएनडीओएफ (विघटन पर्यवेक्षक बल) के लिए उनके निहितार्थों के संबंध में रूस ने कल, 09 दिसंबर को अपराह्न में तत्काल परामर्श आयोजित करने का आह्वान किया है। सूत्र ने कहा कि राजनीतिक और शांति निर्माण मामलों के लिए संरा के अवर महासचिव रोज़मेरी डिकार्लो और शांति अभियानों के लिए संरा के अवर महासचिव जीन-पियरे लैक्रोइक्स को ब्रीफ़र के रूप में काम करने के लिए कहा गया है।

# मिसरी के ढाका दौरे के दौरान बीएनपी के जुलूस पर पुलिस ने लगायी रोक

**ढाका।** बंगलादेश की राजधानी ढाका में पुलिस ने भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी की यात्रा से एक दिन पहले राजधानी के रामपुरा इलाके में बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के तीन संबद्ध संगठनों की ओर से भारतीय उच्चायोग तक निकाली जाने वाली रैली पर रोक लगा दी। बाद में, तीनों संगठनों के प्रतिनिधियों ने भारतीय उच्चायोग को एक ज्ञापन सौंपा। श्री मिसरी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए सोमवार को ढाका पहुंचेंगे। बीएनपी की यह रैली इस सप्ताह की शुरुआत में त्रिपुरा के अगरतला में बंगलादेश के सहायक उच्चायोग पर हुए हमलों और एक हिंदुत्व संगठन द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को जलाने के विरोध में थी।बीएनपी जुलूस का आयोजन पार्टी के तीन संगठनों - जुबो दल, स्वेच्छाचारी दल और छात्र दल द्वारा किया गया था, जिसमें वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ अन्य केंद्रीय नेताओं ने भी भाग लिया। रोके जाने से पहले, जुलूस शांतिनगर, मालीबाग, मौचक मोड़ और रामपुरा से होते हुए बारीधरा में भारतीय उच्चायोग पर समाप्त होने वाला था। सुबह से ही कार्यकर्ता नया पलटन में इकट्ठा होने लगे। सुरक्षा प्रदान करने के लिए भारतीय उच्चायोग में सेना और पुलिस की बड़ी तैनाती की गई थी। साथ ही दंगा पुलिस भी पहरे पर थी। जुलूस से पहले, सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बात करते हुए एक अधिकारी ने कहा, बीएनपी से जुड़े लोगों के आज के कार्यक्रम के मद्देनजर भारतीय दूतावास की सुरक्षा में लगभग 100 अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।

# दमिश्क हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें 18 दिसंबर तक स्थगित

**दमिश्क ।** सीरिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों दमिश्क और अलेप्पो ने सशस्त्र आतंकवादी समूहों के शहरों पर कब्जा कर लेने से रविवार से क्रमशः 18 दिसंबर और 17 दिसंबर तक सभी उड़ानें स्थगित कर दीं। नोटम अलर्ट ने यह जानकारी दी है। हाल ही तक सीरियन एयर और चाम विंग्स

दमिश्क हवाई अड्डे से मॉस्को सहित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित कर रहे थे। पश्चिमी लताकिया हवाई अड्डे पर स्थिति अभी भी स्पष्ट नहीं है। उत्तरपूर्वी सीरियाई शहर क़ामिशली में हवाई अड्डे पर कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फ़ोर्स (एसडीएफ) का नियंत्रण है जहाँ से दमिश्क और बेरूत के लिए उड़ानें संचालित की जाती हैं। इससे पहले रविवार को सीरिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी अल-जलाली ने कहा कि उन्होंने और 18 अन्य मंत्रियों ने दमिश्क में ही रहने का फैसला किया है। श्री अल-जलाली ने यह भी कहा कि उसने हयात तहरीर अल-शाम आतंकवादी समूह (नुसरा फ्रंट , रूस में प्रतिबंधित) के शहर में प्रवेश करने के बाद उसके नेताओं से संपर्क स्थापित किया था।

# बाइडेन ने सीरिया में अमेरिकी समर्थन का खाका पेश करते हुए की हवाई हमले की घोषणा

**एजेंसी**
**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सीरिया में बशर अल-असद शासन के पतन को एक ऐतिहासिक अवसर बताते हुए इस क्षेत्र में अमेरिकी समर्थन के लिए एक खाका पेश किया। यह जानकारी सोमवार को मीडिया रिपोर्टों से प्राप्त हुई। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बशर अल-असद के शासनकाल का तेज विद्रोही हमले के कारण आश्चर्यजनक रूप से पतन होने के बाद व्हाइट हाउस में अपनी पहली टिप्पणी में यह बात की। श्री बाइडेन ने यह भी घोषणा किया कि अमेरिका ने सीरिया में दर्जनों हवाई हमले किए हैं क्योंकि वह आईएसआईएस को फिर से सिर उठाने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएनएन ने श्री बाइडेन के हवाले से कहा यह सीरिया में लंबे समय से पीड़ित लोगों के लिए अपने गौरवशाली देश के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करने का ऐतिहासिक अवसर है।उन्होंने कहा

कि यह जोखिम और अनिश्चितता का भी क्षण है। जैसा कि हम सभी सवाल कर रहे हैं कि आगे क्या होगा, अमेरिका सीरिया में अपने सहयोगियों और हितधारकों के साथ काम करेगा जिससे उन्हें जोखिम का प्रबंधन करने के अवसर का लाभ उठाने में मदद मिल सके। रिपोर्टों के अनुसार श्री बाइडेन ने परिवर्तन के दौरान सीरिया के पड़ोसियों का समर्थन करने और आईएसआईएस के खिलाफ अपने निरंतर मिशन में अमेरिकी कर्मियों की रक्षा करने की कसम खाई। राष्ट्रपति की आने वाले दिनों में क्षेत्र में अपने समकक्षों से मिलने की योजना है और अमेरिकी अधिकारियों को इस क्षेत्र में तैनात किया जाएगा।

यूएस सेंट्रल कमांड के अनुसार अमेरिकी सेना ने दर्जनों हवाई हमले किए जिसमें बी-52 बमवर्षक, एफ-15 लड़ाकू जेट और ए-10 विमान सहित वायु सेना की संपत्तियों का उपयोग करके 75 से अधिक आईएसआईएस ठिकानों पर हमला किया गया।

श्री बाइडेन की टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को संघर्ष के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण का आग्रह किया और कहा कि अमेरिका को इसमें शामिल नहीं होना चाहिए। रविवार तड़के, जब विद्रोही समूहों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया, उन्होंने कहा कि शासन का पतन रूस और ईरान की कमजोर स्थिति को दर्शाता है क्योंकि दोनों असद का समर्थन करते थे।

श्री ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा ÷असद चला गया। वह अपना देश छोड़कर भाग गया, उनके संरक्षक, व्लादिमिर पुतिन के नेतृत्व वाले रूस को अब उनकी रक्षा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है।÷

असद शासन का पतन 14 साल के लंबे युद्ध के बाद सीरियाई तानाशाह की सत्ता में तीव्र गिरावट को दर्शाता है,जो कि पिछले महीने तक अपेक्षाकृत स्थिर था।

# पाकिस्तान: सैन्य ऑपरेशन में मारे गए 6 सुरक्षाकर्मी और 22 आतंकवादी

**एजेंसी**
**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में विभिन्न सैन्य अभियानों में 22 आतंकवादी और 6 सुरक्षा कर्मी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विभिन्न जिलों में अभियान चलाया।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, टैंक जिले में एक खुफिया-ऑपरेशन के दौरान नौ आतंकवादी मारे गए और छह अन्य घायल हो गए।एक अन्य ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वज़ीरिस्तान जिले में आतंकवादियों के ठिकानों पर छापा मारा, जिसमें 10 आतंकवादी मारे गए। वहीं, सुरक्षा बलों ने हंगू जिले में एक सुरक्षा चौकी पर हमला करने के आतंकवादियों के प्रयास को नाकाम कर दिया और तीन आतंकवादियों को मार गिराया।बयान में कहा गया कि हंगू जिले में ऑपरेशन के दौरान छह सैनिक मारे गए।

बता दें कि 21 नवंबर को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के लोउर कुर्रम इलाके में यात्री वाहनों के काफिले पर हुई गोलीबारी में कम से कम 38 लोग मारे गए थे। अहमदी शमा के स्टेशन हाउस ऑफिसर कलीम शाह ने यह जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि मृतकों में तीन महिलाएं भी थीं। गृह मंत्री ने कहा था, केपी हमारे प्रांतों में से एक हैं, हमारे देश का हिस्सा हैं और हम इसे पीछे नहीं छोड़ेंगे। हम हर मुमकिन मदद करेंगे। घटना का ब्यौरा देते हुए केपी सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर डॉ. सैफ ने बताया था कि पहले पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया और फिर दोनों तरफ से यात्रियों के काफिले को निशाना बनाया गया। काफिले में करीब 200 वाहन थे।

# रूस की कोयला खदान में आग लगने के बाद 120 लोगों को निकाला गया: आपात मंत्रालय

**एजेंसी**
**मास्को।** रूस के केमेरोवो क्षेत्र में अलारडिंस्काया कोयला खदान में आग लगने के बाद 120 लोगों को निकाला गया है।यह जानकारी रूसी आपातकालीन मंत्रालय (ईएमईआरकॉम) ने टेलीग्राम पर दी। मंत्रालय ने कहा, कुजबास में अलारडिंस्काया खदान से खनिकों को निकाला गया। केमेरोवो क्षेत्र में एक कोयला खदान में आग लग गई। रूसी आपातकालीन मंत्रालय के कर्मचारियों ने 120 लोगों को बचाया, दो घायल लोगों को डॉक्टरों को सौंप दिया। मंत्रालय ने कहा कि उसके 44 कर्मचारी और नौ उपकरण घटनास्थल पर काम कर रहे हैं।

# जयशंकर ने बहरीन, एस्टोनियाई विदेश मंत्रियों, चेक गणराज्य के एनएसए से की मुलाकात

**एजेंसी**
**मनामा/नयी दिल्ली।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मनामा में बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल ज़ायनी, एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्सखना और चेक गणराज्य के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) टॉमस पोजार से मुलाकात की। श्री जयशंकर ने लाल सागर में यूरोपीय संघ के नौसैनिक अभियान 'यूनावफोरस्पाइड्स' के कमांडर और ब्रिटिश छाया विदेश मंत्री प्रीति पटेल से भी मुलाकात की। श्री जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स लिखा, आज विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल ज़ायनी से मिलकर प्रसन्नता हुई। कल भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की एक उपयोगी बैठक की उम्मीद है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, आज

मनामा में एस्टोनिया के विदेश मंत्री त्सखना के साथ एक उपयोगी बैठक हुई। हमारे द्विपक्षीय सहयोग में निरंतर वृद्धि पर ध्यान दिया। यूक्रेन में विकास पर भी चर्चा की। विदेश मंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा, 'आज मनामा में ब्रिटेन की छाया विदेश मंत्री प्रीति पटेल से मिलकर बहुत अच्छा लगा।हमारे बहुआयामी सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर चर्चा हुई।÷ उन्होंने लाल सागर क्षेत्र में यूरोपीय संघ के नौसैनिक अभियान के कमांडर के साथ भी बातचीत को लेकर लिखा, आज मनामा वार्ता 2024 के दौरान ऑपरेशन यूनावफोरस्पाइड्स के कमांडर रियर एडमिरल वासिलियोस ग्रिपरिस के साथ क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा पर एक व्यावहारिक विचारों का आदान-प्रदान किया। चेक एनएसए के साथ अपनी बैठक के बारे में उन्होंने लिखा. चेक गणराज्य के एनएसए एम्ब टॉमस पोजर से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्री ने बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल ज़ायनी और चेक गणराज्य के एनएसए टॉमस पोजर के साथ 20वें आईआईएसएस मनामा वार्ता को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा, ÷खाड़ी और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों को भारत द्वारा दिए जाने वाले महत्व और क्षेत्र के भीतर, आसपास और उससे परे आर्थिक, राजनीतिक, संपर्क और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता के बारे में बात की।÷ इससे पहले दिन में, विदेश मंत्री ने मनामा में श्रीनाथजी मंदिर गए। उन्होंने कहा, ÷दिन की शुरुआत मनामा में 200 साल पुराने श्रीनाथजी मंदिर के दर्शन करके की। यह भारत-बहरीन के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती का सच्चा प्रतीक है।

# बेटे पर जादू-टोना किए जाने के शक में गैंग लीडर ने 110 लोगों को मौत के घाट उतारा

**एजेंसी**
**पोर्ट-ऑ-प्रिंस ।** हैती के सिटे सोलेइल स्लम में वीकेंड में कम से कम 110 लोगों की हत्या कर दी गई। एक प्रमुख मानवाधिकार समूह ने बताया कि एक गैंग लीडर ने बुजुर्गों को निशाना बनाया क्योंकि उसे शक था कि इन लोगों ने जादू-टोना करके उसके बच्चे को बीमार किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गैंग लीडर मोनेल 'मिकानो' फेलिक्स ने अपने 'विव अंसनम' ग्रुप के साथ मिलकर इस नरसंहार को अंजाम दिया।

नेशनल ह्यूमन राइट डिफेंस नेटवर्क (आरएनडीडीएच) ने कहा कि जब फेलिक्स का बच्चा बीमार हो गया, तो उसने एक वूडू पुजारी से इस संबंध में बात की। पुजारी ने क्षेत्र के बुजुर्ग लोगों पर जादू-टोने के जरिए बच्चे को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया, जिससे भड़क कर फेलिक्स ने नरसंहार का आदेश दे दिया। बयान में कहा गया कि गैंग के सदस्यों ने शुक्रवार को कम से कम 60 लोगों और शनिवार को 50 लोगों की हत्या चाकू और कुल्हाड़ियों से की। मृतकों में से सभी की उम्र 60

वर्ष से अधिक थी।सिटे सोलेइल राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के बंदरगाह के पास एक घनी आबादी वाली बस्ती है। इसे हैती के सबसे गरीब और सबसे हिंसक इलाकों में से एक माना जाता है। मोबाइल फोन इस्तेमाल पर प्रतिबंध समेत गिरोहों पर कड़े नियंत्रण करने प्रयासों की वजह से निवासियों की हत्याओं के बारे में जानकारी साझा करना खासा मुश्किल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया था कि फेलिक्स के गिरोह में लगभग 300 लोग थे और वे फोर्ट डिमांचे और ला सलाइन के आसपास सक्रिय थे।नवंबर 2018 में ला सलाइन में कम से कम 71 नागरिकों की हत्या कर दी गई थी, जबकि सैकड़ों घरों में आग लगा दी गई थी। राजनीतिक अंतर्कलह से त्रस्त सरकार राजधानी और उसके आसपास सशस्त्र गिरोहों की बढ़ती ताकत को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रही है।

# आर्मी कमांड ने कहा, 'राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार गिरी'

**एजेंसी**
**दमिश्क।** सीरियाई आर्मी कमांड ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार गिर गई है क्योंकि हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व वाले सशस्त्र समूह राजधानी दमिश्क में प्रवेश कर गए हैं।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक आर्मी कमांड ने सुबह दमिश्क में विद्रोही सशस्त्र समूहों के घुसने और असद के शहर से चले जाने की रिपोर्ट्स के बाद यह बयान जारी किया। कई मीडिया आउटलेट्स ने विद्रोही ताकतों का हवाला देते हुए बताया कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर चले गए हैं।

आईआरएनए के मुताबिक सीरिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी अल-जलाली ने कहा कि वह अरब देश का प्रशासन एक संक्रमणकालीन सरकार को सौंपने के लिए तैयार हैं। उन्होंने एक वीडियो बयान में कहा, ÷मैं अपने घर में हूं और मैंने इसे नहीं छोड़ा है, और यह इस देश से मेरे जुड़ाव की वजह से है।अल-जलाली ने आगे कहा कि वह सीरियाई लोगों द्वारा चुने गए किसी भी नेतृत्व के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं,

और जब तक 'शांतिपूर्ण परिवर्तन' हासिल नहीं हो जाता, तब तक वह अपना घर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने सभी दलों से 'तर्कसंगत' तरीके से सोचने की अपील की और कहा कि वह विपक्ष के सदस्यों सहित सभी के प्रति सहयोग का हाथ बढ़ाते हैं।रिपोर्ट के अनुसार हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व में सशस्त्र समूहों ने 27 नवंबर को पश्चिमी प्रांत इदलिब में असद सरकार के खिलाफ एक आक्रामक अभियान शुरू किया। उन्होंने शुरू में इदलिब और पड़ोसी अलेप्पो के आसपास के ग्रामीण इलाकों को निशाना बनाया और इसके तुरंत बाद कई सीरियाई शहरों पर कब्जा कर लिया। एचटीएस जिसे पहले नुसरा फ्रंट के नाम से जाना जाता था, को कई देश आतंकवादी संगठन मानते हैं।

# गाजा शहर में इजरायली ड्रोन हमले में 10 फिलिस्तीनियों की मौत !

**एजेंसी**
**गाजा ।** मध्य गाजा सिटी में एक इजरायली ड्रोन हमले में कम से कम 10 फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी गाजा पट्टी के फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस ने दी।समाचार एजेंसी के अनुसार, गाजा पट्टी के फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस के प्रवक्ता महमूद बसाल ने बताया कि मारे गए लोगों में महिला और बच्चे भी शामिल थे।इजरायली सेना ने इस घटना पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उनकी सेना ने हाल ही में उत्तरी गाजा पट्टी के जबालिया क्षेत्र में भूमिगत आतंकवादी ढांचे को खत्म करने के लिए एक विशेष अभियान पूरा किया।

इसी बीच, हमास के सशस्त्र संगठन अल-क़सम ब्रिगेड्स ने कहा कि उनके सदस्यों ने शनिवार

को दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा क्षेत्र में एक इजरायली बख्तरबंद वाहन और एक टैंक को नष्ट कर दिया। 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा दक्षिणी इजरायल में किए गए हमले में लगभग 1,200 लोगों की मौत और करीब 250 लोगों के बंधक बनाए जाने के बाद इजरायल ने हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया है। गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में अब तक 44,708 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। यह आंकड़ा गाजा के स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया। वहीं, न्यूज एजेंसी एनएनए के मुताबिक, इजरायल के हवाई हमले में दक्षिणी लेबनान के मर्ज्योन जिले के डिब्बाइन गांव में भी तीन लोग मारे गए हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने एनएनए के हवाले से बताया कि इजरायली युद्धक विमान ने बेका वैली में स्थित कफर जबाद गांव और अंजार शहर के बीच के पूर्वी पहाड़ी इलाके में घुस आए थे।इजरायली सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उसके सैनिक वर्तमान में दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह को तैनात होने से रोकने और खतरों को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं। पोस्ट में यह भी कहा गया है कि यह कार्रवाई इजरायल और लेबनान के बीच समझौते के अनुसार है।

# सूडान की राजधानी में ईंधन स्टेशन पर बमबारी में 28 की मौत, 37 घायल

**एजेंसी**
**खार्तूम ।** सूडान की राजधानी खार्तूम के दक्षिण में एक ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह जानकारी एक स्वयंसेवी समूह और स्थानीय मीडिया ने दी।

एक स्थानीय स्वयंसेवी समूह साउथ खार्तूम इमरजेंसी रूम ने बताया कि मायो इलाके के पास नए मार्केट 6 में स्थित अमोनिया ईंधन स्टेशन पर बम गिराया गया। यह बशीर हॉस्पिटल के उत्तर में स्थित है और इससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ। समाचार एजेंसी के अनुसार, घायलों में 29 झुलसने के मामले शामिल हैं, जिनमें से 3 गंभीर रूप से झुलसे हैं। इसके अलावा, 8 लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद चिकित्सा सेवाएं प्रभावित लोगों की मदद में जुटी हुई हैं। स्वयंसेवी समूह ने घायलों के इलाज के लिए अतिरिक्त चिकित्सा सहायता की अपील की है। स्थानीय समाचार

पोर्टल अल-रकूबा ने भी अमोनिया ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में 28 लोगों के मारे जाने और 37 के घायल होने की पुष्टि की है। अब तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। मध्य अप्रैल 2023 से सूडान में सूडानी सशस्त्र बलों और रैपिड सपोर्ट फोर्सेस के बीच चल रहे संघर्ष ने देश को विनाशकारी स्थिति में पहुंचा दिया है। इस हिंसा में अब तक 27,120 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और 1.4 करोड़ से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। यह आंकड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने दिए हैं। गौरतलब है कि सूडान में उथल-पुथल की स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने दक्षिण सूडान में बच्चों की मदद करने के लिए 2025 में 278.2 मिलियन डॉलर की तत्काल अपील जारी की।

# सीरियाई गृहमंत्री का दावा, दमिश्क के चारों तरफ सुरक्षा घेरा मजबूत

**दमिश्क, ।** सीरिया के गृह मंत्री ने दावा किया है कि दमिश्क के बाहरी इलाकों में 'बहुत मजबूत सुरक्षा घेराबंदी' है और इसे तोड़ा नहीं जा सकता। मंत्री ने देश में चल रहे संघर्ष के बीच अग्रिम मोर्चे को स्थानांतरित करने के हालिया दावों का खंडन किया है। समाचार एजेंसी के अनुसार, एक अलग बयान में, ग्रामीण दमिश्क प्रांत के उप-गवर्नर जसीम अल-महमूद ने शनिवार शाम एफएम रेडियो को बताया कि राजधानी के पास कई शहरों और गांवों से सेना की वापसी की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। इसके बजाय, उन्होंने कहा, सेना पूरी तरह से वापस जाने के बजाय क्षेत्रों के अंदर फिर से तैनात और फिर से संगठित हो रही है।

# सीरियाई विद्रोहियों का दावा : राष्ट्रपति असद देश छोड़ के भागे, राजधानी दमिश्क पर किया कब्जा

**एजेंसी**
**दमिश्क।** सीरिया के विद्रोही गुटों ने दावा किया है कि उन्होंने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया है। कई मीडिया आउटलेट्स ने विद्रोही ताकतों का हवाला देते हुए बताया कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर चले गए हैं।ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, सीरियाई विद्रोही गुटों ने कहा कि विद्रोही लड़ाके रविवार तड़के दमिश्क घुस आए।निगरानीकर्ता ने कहा कि सैकड़ों सरकारी सैनिकों को दमिश्क इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हटने का आदेश दिया गया है। कुछ सरकारी सैनिक अपनी सैन्य वर्दी उतारकर नागरिक कपड़े पहने हुए देखे गए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक दमिश्क की सड़कों पर गोलियों की तेज आवाजें सुनी गई और राजधानी से बाहर जाने वाली वाली

कारों के कारण यातायात काफी अधिक था। सीरियाई प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी जलाली ने विद्रोहियों द्वारा दमिश्क में प्रवेश करने के दावे के तुरंत बाद फेसबुक पर पब्लिश एक वीडियो में कहा कि वह लोगों द्वारा चुने गए किसी भी नेतृत्व के साथ 'सहयोग' करने के लिए तैयार हैं और उन्होंने नागरिकों से सार्वजनिक संपत्तियों में तोड़फोड़ न करने की अपील की। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक प्रमुख विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के कमांडर अबू मोहम्मद अल-जुलानी का कहना है कि सभी राज्य संस्थाएं अल-असद के प्रधानमंत्री की निगरानी में तब तक रहेंगी जब तक उन्हें आधिकारिक रूप से सौंप नहीं दिया जाता। 59 वर्षीय बशर अल-असद ने अपने पिता हाफ़िज़ अल-असद की मृत्यु के बाद 2000 में सत्ता संभाली। अल असद 1971 से देश का शासन संभाल रहे थे। साल 2011 उनके शासन काल के लिए सबसे अहम साल रहा जब जब लोकतंत्र की मांग को लेकर हजारों सीरियाई लोग सड़कों पर उतर आए थे, लेकिन उन्हें भारी सरकारी दमन का सामना करना पड़ा। हालांकि सरकार के विरोध में विभिन्न सशस्त्र विद्रोही समूहों का गठन हो गया और सरकार का विरोध 2012 के मध्य तक, विद्रोह एक पूर्ण गृह युद्ध में बदल गया।

**कौमी पत्रिका**
**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in
**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**
**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

# दो मंजिला इमारत में सिलेंडर ब्लास्ट, छह घायल

एजेंसी

**नई दिल्ली।** बाहरी उत्तरी जिले के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया थाना के अंतर्गत सेक्टर बी4 में सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट और उसके बाद छत गिरने से घायलों को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया। घायलों में तीन छोटे बच्चे भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, यह हादसा एक दो मंजिला इमारत में हुआ, जहां एक सिलेंडर के फटने के चलते छत गिर गई। दमकल विभाग के अनुसार सुबह करीब सात बजे सूचना मिली कि नरेला इलाके में एक मकान में सिलेंडर ब्लास्ट हो गया है। खबर मिलते ही चार दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे के समय घर में खाना बना रहा था। अचानक हुए धमाके के कारण छत गिरने से परिवार के सभी सदस्य घायल हो गए। घायलों की पहचान वर्षा (5), माही, (3), मोहिनी (15) राजू (40), राजेश्वरी (35) और राहुल (18) के रूप में हुई है। पुलिस जांच कर रही है।

# पॉश एक्स की वजह से कार्यस्थल पर महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाः राजीव रंजन

**नई दिल्ली।** जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि पॉश एक्स की वजह से कार्यस्थल पर महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। डॉ. राजीव रंजन प्रसाद ने पॉश एक्ट के क्रियान्वयन, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, जागरूकता बढ़ाने, सुरक्षित, स्वस्थ और खुशहाल कार्यस्थल बनाने के लिए ट्रेनिंग देने वाली अग्रणी संगठन पिंक एंड ब्लू के 5वें वार्षिक पॉश कॉन्क्लेव और पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। डॉ. प्रसाद ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय में आयोजित 5वें वार्षिक पॉश कॉन्क्लेव और पुरस्कार समारोह का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में सभी राजनीतिक दलों, केंद्र एवं राज्य सरकारों से अपील किया कि महिलाओं के लिए कार्यस्थल सुरक्षित बनाए जाने के लिए सभी निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में पॉश एक्ट को लागू करने की व्यवस्था की पहल करें। इस दौरान उन्होंने पॉश ट्रेनर्स को अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि और आईसीएसआई के पूर्व अध्यक्ष सीएस नेसार अहमद ने महिलाओं से बोलने का आग्रह करते हुए कहा, हमें ऐसी जगहें बनानी चाहिए जहां महिलाएं अपने अनुभव साझा करने के लिए सशक्त महसूस करें।

# सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद 90 हजार श्रमिकों को दिल्ली सरकार ने नहीं दी आर्थिक सहायताः विजेंद्र गुप्ता

नई **दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली में प्रदूषण के कारण ग्रैप-4 लागू किए जाने के दौरान बेरोजगार हुए 20 लाख श्रमिकों को तुरंत आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने की मांग की है। उन्होंने दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार पर 'मजदूर विरोधी'होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद अभी तक दिल्ली सरकार ने इन श्रमिकों की सुध नहीं ली है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होने के बावजूद इन श्रमिकों को सहायता क्यों नहीं दी जा रही, इसकी जांच होनी चाहिए। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों से भी इसका जवाब मांगा जाना चाहिए। गुप्ता ने बताया कि पिछले हफ्ते भी उन्होंने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर दिल्ली के 20 लाख श्रमिकों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने अभी तक इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की और एक भी श्रमिक को आर्थिक सहायता उपलब्ध नहीं करवाई है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने खुद पिछले दिनों दिल्ली बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड (डीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी) में पंजीकृत 90,759 श्रमिकों को 8000 रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता देने का वादा किया था लेकिन आज तक दिल्ली सरकार ने एक भी श्रमिक को आर्थिक मदद उपलब्ध नहीं करवाई है।

# खिलाड़ियों द्वारा सम्मान

ऑल इंडिया कांग्रेस खेल एवं सेल्फ डिफेन्स के पूर्व सयोजक ओमप्रकाश पहलवान में श्रीमति सोनिया गाँधी जी के जन्म दिवस पर उन्हें तिरंगी पगड़ी एवं शाल पहनाकर उन्हें सम्मानित किया उनके साथ

अंतराष्ट्रीय पहलवान सुनील नरेश हनीफ मेरठ परवीन गाजियाबाद मनोज रोहतक एवं काफी संख्या में पहलवानो ने हार फूल मालाओ से उनका स्वागत किया श्रीमति सोनिया जी ने अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित राजीव तोमर गुरु हनुमान को गोल्ड कप देकर पिछले दिनों अपने हाथों उन्हें सम्मानित किया अखाडा गुरु हनुमान भी काफी संख्या में उपस्थित रहा।

# राजनाथ की रूस यात्रा में उठेगा एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति में देरी का मुद्दा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** यूक्रेन से संघर्ष के चलते भारत को दो एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति में देरी का मुद्दा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तीन दिवसीय रूस यात्रा के दौरान उठेगा। इसके अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण हथियार प्लेटफार्मों के लिए पुर्जों की आपूर्ति को लेकर भी बातचीत होने की उम्मीद है। राजनाथ सिंह रूस में निर्मित दो गाइडेड-मिसाइल स्टील्थ फ्रिगेट में से पहले आईएनएस तुशील को नौसेना के बेड़े में शामिल करेंगे।रूस अब तक भारत को 3 एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति कर चुका है, जबकि दो सिस्टम अभी मिलने हैं। चौथी प्रणाली मार्च, 2026 में और पांचवीं प्रणाली 2026 के अंत तक मिलने की संभावना है। यह दो साल की देरी

यूक्रेन से संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला संबंधी समस्याओं के कारण हुई है। वायु सेना ने अब तक मिले 03 सिस्टम की क्षमताओं का ट्रायल शुरू कर दिया है। भारत ने दो एस-400 स्क्वाड्रन को पूर्वी और उत्तरी सीमा पर तैनात किया है। तीसरी स्क्वाड्रन को पंजाब में इस तरह से तैनात किया गया है, ताकि पाकिस्तान की सीमा के साथ-साथ उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों को भी कवर किया जा सके। यह सिस्टम 380 किलोमीटर की रेंज में दुश्मन के बमवर्षकों, जेट विमानों, जासूसी विमानों, मिसाइलों और ड्रोन का पता लगाकर उन्हें नष्ट कर सकते हैं। रक्षा मंत्री 8-10 दिसंबर तक तीन दिवसीय रूस की यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह 09 दिसंबर को कलिनिनग्राद में भारत को समुद्र का नया प्रहरी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तुशील' सौंपेंगे, जो ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों सहित सेंसर और हथियारों से लैस है। इसके अलावा रक्षा सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर भारत-रूस अंतर-सरकारी सैन्य-तकनीकी सहयोग आयोग (आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी) की बैठक के दौरान चर्चा की जाएगी, जिसकी सह अध्यक्षता सिंह और उनके समकक्ष एंड्री बेलौसोव 10 दिसंबर को मॉस्को में करेंगे।

# प्रधानमंत्री ने अष्टलक्ष्मी महोत्सव पर सिंधिया के लेख का किया जिक्र

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिखे एक लेख को साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अष्टलक्ष्मी महोत्सव के रूप में पूरा पूर्वोत्तर पर्यटन के अवसरों और पारंपरिक शिल्पकला का जश्न मनाता है।प्रधानमंत्री कार्यालय के हैंडल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया विस्तार से बताते हैं कि बेहतर कनेक्टिविटी, डिजिटल समावेशन और अवसंरचना में निवेश के जरिए पूर्वोत्तर भारत में उल्लेखनीय विकास हो रहा है। अष्टलक्ष्मी महोत्सव के रूप में पूर्वोत्तर के जीवंत वस्त्र क्षेत्र, पर्यटन के अवसरों और पारंपरिक शिल्पकला का जश्न दिल्ली में मनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अष्टलक्ष्मी महोत्सव पूर्वोत्तर के आठ राज्यों का तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव है,

जो पहली बार 6 से 8 दिसंबर तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में मनाया जा रहा है।

# ऑटो चालकों से मनीष सिसोदिया ने किया संवाद

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को बुराड़ी विधानसभा में ऑटो चालकों से बात की। मनीष सिसोदिया ने कहा कि ऑटो चालक सिर्फ सवारी नहीं ढोते, बल्कि लोगों के सपने, जरूरतें और जिम्मेदारियां अपनी गाड़ी में बिठाकर मंज़िल तक पहुंचाते हैं। सभी ऑटो वाले केजरीवाल को फिर मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने न सिर्फ वादे किए, बल्कि काम करके दिखाया है।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुझे याद है दिल्ली का वित्त मंत्री होने के नाते मेरे पास फाइलें आती थीं। सरकार में अगर किसी का एक रुपया भी माफ करना हो तो उस कागज पर साइन करने के लिए अधिकारियों के पसीने छूटते हैं। लेकिन अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लाख रुपये भी माफ करना पड़े तो किया जाएगा। बात फीस की नहीं है, बल्कि इसे जमा कराने के लिए ऑटो वालों को

खूब धक्के खाने पड़ते थे। वो सारी चीजें खत्म कर दी गई हैं।सिसोदिया ने कहा कि आपके बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं तो केजरीवाल उसके लिए काम कर रहे हैं। आपके माता-पिता तीर्थ यात्रा पर जाना चाहते हैं तो केजरीवाल जी उसके लिए काम कर रहे हैं। अंत में उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने आपके लिए इतना काम किया है आज उन्हें आपकी जरूरत है। उन्होंने आपके बच्चों, अस्पतालों, मोहल्ला क्लीनिक, बिजली, पानी और आपकी जिंदगी के लिए इतना काम किया है। हमें केजरीवाल को वापस लाना है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि आज दिल्ली में भाजपा वालों के घर भी बिजली के बिल जीरो आते हैं। ये लोग बड़े जोर-शोर से कहते थे कि हमें मुफ्त की रेवड़ी नहीं चाहिए। दो साल पहले अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जिसे- जिसे फ्री बिजली नहीं चाहिए वह अपना फॉर्म न भरे, उसके घर बिल आ जाएगा। लेकिन सारे भाजपा वालों ने सबसे पहले फ्री के फॉर्म भरे। इसलिए भाजपा वालों से भी कह देना चाहिए कि ये लोग कुछ भी कर लें लेकिन इनके घर के बिजली का बिल जीरो तो अरविंद केजरीवाल ही कराएंगे।

# दिल्ली में रोहिंग्या को लाने और बसाने की साजिश भाजपा ने खुद रचीः आआपा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आआपा) के कई बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया एक्स पर भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का 17 अगस्त 2022 के एक ट्वीट को रिट्वीट कर भाजपा पर हमला बोला। मुख्यमंत्री आतिशी सहित आआपा के नेताओं ने भाजपा को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत देते हुए कहा कि भाजपा नेता अपने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का ट्वीट पढ़ लें, ताकि उसे पता चल जाए कि दिल्ली के अंदर रोहिंग्या को किसने लाया और किसने बसाया है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा वालों को अरविंद केजरीवाल पर झूठे आरोप लगाने की इतनी जल्दी थी कि यह याद नहीं रहा कि रोहिंग्या को दिल्ली में कौन लाया, किसने बसाया, कहां बसाया, लेकिन सच्चाई की ख़ास बात है कि वो सामने आ ही जाती है और आज दिल्लीवालों के सामने सच्चाई हरदीप पूरी के इस ट्वीट से आ ही गई है।

आआपा पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स पर भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी पोस्ट कर कहा कि हरदीप पुरी का ट्वीट इस बात का सबूत है कि दिल्ली में रोहिंग्या को लाने और बसाने की साजिश भाजपा ने खुद रची। इन्हीं लोगों ने उन्हें ईडब्ल्यूएस फ्लैट, सुरक्षा और सभी सुविधाएं देकर यहां बसाया। सामने से नफरत फैलाओ और पीछे से रोहिंग्या को बसाओ। यही है भाजपा की गंदी और धोखेबाज़ राजनीति। इसी क्रम में सांसद संजय सिंह ने लिखा कि हरदीप पुरी का यह ट्वीट पढ़िए। आपको पता चल जाएगा कि दिल्ली में रोहिंग्या को कौन लाया, उनको किसने बसाया और कहां बसाया? आआपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) डॉ. संदीप पाठक ने ट्वीट कर कहा कि हरदीप पुरी का ये ट्वीट पढ़िए। आपको पता चल जाएगा कि दिल्ली में रोहिंग्या को कौन लाया, उनको किसने बसाया और कहां बसाया।आम आदमी पार्टी के युवा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के इस ट्वीट को पढ़कर साफ़ पता लगता है दिल्ली में रोहिंग्याओं को किसने बसाया।

कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का ये बयान पढ़िए। रोहिंग्या घुसपैठियों की सबसे ज़्यादा चिंता भाजपा सरकार को है। अब आपको पता चल गया होगा कि दिल्ली में रोहिंग्या को कौन लाया, उनको किसने बसाया और कहां बसाया।

# करोल बाग विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री ने की पदयात्रा

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को करोल बाग विधानसभा में पदयात्रा कर लोगों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों की उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए दिल्ली की बिगड़ी कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आपने दिल्ली की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी भाजपा को दी है और भाजपा ने बीते 10 साल में कानून व्यवस्था का इतना बुरा हाल कर दिया है कि आज हर आदमी दहशत की जिंदगी जी रहा है। भी शाहदरा में एक व्यापारी और गोविंदपुरी में एक युवक की हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि आपने मुझे बिजली, स्कूल, अस्पताल की जिम्मेदारी दी और मैने ठीक कर दिया। अगर पुलिस भी हमारे पास होती तो बिजली, स्कूल, अस्पताल की तरह कानून व्यवस्था को भी ठीक कर देते।

# बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर नोएडा में उमड़ा जनसैलाब, आक्रोशित सभा में व्यक्त किया आक्रोश

एजेंसी

**नोएडा।** बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध अत्याचार, अनाचार और संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ़्तारी के विरोध में रविवार को नोएडा सेक्टर 33ए के पार्क में हिन्दू समाज का सैलाब उमड़ पड़ा। आक्रोशित सभा मे वक्ताओं ने कहा कि बंग्लादेश में सुनियोजित तरीक़े से हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। सनातन धर्म रक्षा समिति की अगुवाई में अयोजित आक्रोशित सभा मे सनातन हिंदू समाज से हज़ारों की संख्या मे पूरे जिले से गांव- देहात, सोसाइटी और शहर से सनातन समाज के लोग बड़ी भारी संख्या में एकत्रित हुए जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठन, मातृशक्ति और हिंदू परिवार के लोग शामिल थे।इस अवसर पर बिग्रेडियर संजय अग्रवाल ने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रतीकों को नष्ट किया जा रहा है। बांग्लादेश को इस्लामीकरण की तरफ़ सुनियोजित तरीक़े से धकेला जा रहा है। बिग्रेडियर अग्रवाल ने कहा कि हमारे शास्त्र बताते हैं कि अपने धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाना उचित ही नहीं धर्म संगत भी है, हम तभी सुरक्षित हैं जब हमारा धर्म

सुरक्षित होगा। जागरूकता बढ़ायें परिवार में, समाज में प्रभावक के साथ साथ सकारात्मक रहें और धर्म के लिए जागृत रहें। नोएडा इस्कॉन मंदिर के प्रवक्ता बुद्धिमत्ता दास ने कहा हम यह आंदोलन बांग्लादेश में इस्कॉन संस्था के लिए नहीं अपितु पूरे जीव मर्म की सुरक्षा के लिए कर रहे हैं। अगर भारत चाह ले तो बांग्लादेश की कोई हैसियत नहीं है कि वह हिंदुओं के ऊपर अत्याचार कर सके। ब्रह्मकुमारी से बहन संध्या ने कहा कि आध्यात्मिक जागरूकता ही विश्व में शांति स्थापित कर सकती है। आज मानव मूल्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। आरएसएस के कृपाशंकर ने कहा कि आज भारत की नारी जाग चुकी है वह माँ सरस्वती माँ लक्ष्मी के साथ साथ माँ दुर्गा भी है। आज भारत खड़ा हो चुका है


**PUBLIC NOTICE**

This is to inform the general public that **Smt. Krishna Gupta** is the GPA Holder of Plot Bearing no. 2, land area measuring 125 Sq. Yds, out of Khasra no. 4/21/2, Situated at Abadi of Dwarkapuri, Village Palam, New Delhi. She is in possession through Notarized GPA, ATS & WILL dated 16.07.1986 executed by Sh. S.C Rohilla in favour of Smt. Krishna Gupta in respect of Said property. **Smt. Krishna Gupta** intends to transfer the ownership of aforementioned Property by way of Sale Deed to **Ms. Rati Ram Mathur & Ms. Pajnu Mathur. Subsequently, Ms. Rati Ram Mathur & Ms. Pajnu Mathur** are in the process of mortgaging the said property with **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

**Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;**
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

**PUBLIC NOTICE**

Public notice is hereby given that my client Mrs. Hemlata D/o Mr. Ramesh Chand Sharma & W/o Mr. Krishna Kumar, R/o 6, New Haradev Sahay, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201001, is owner of Residential House, area measuring 134 Square Yards i.e. 112.02 Square Meters, on Plot No. 102, out of Khasra No. 117, situated at Surya City, in the Village Chhapraula, Pargana and Tehsil and District Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh, vide Sale Deed Dated 09.09.2022, Document No. 32277, Book No. 1, Jild No. 21762, Page No. 165 to 184, registered on 09.09.2022, with SR Dadri, executed by Mrs. Shashi Sharma W/o Mr. Rishipal Sharma, in favour of our client. The prior original Sale Deed 07.12.2006, Document No. 16929, Book No. 1, Jild No. 378, Page No. 1 to 12, registered on 07.12.2006, with SR Dadri, in favour of Mrs. Geeta Kaushik W/o Mr. Surendra Kaushik and Original Sale Deed 17.03.2012, Document No. 4616, Book No. 1, Jild No. 4191, Page No. 127 to 150, registered on 17.03.2012, with SR Dadri, in favour of Mrs. Shashi Sharma W/o Mr. Rishipal Sharma, has been lost. For the same a Lost Report has been lodged online on 02.12.2024 vide L. A. R. No. 20240000945867. On date, being the absolute owner of the said property, my client Mrs. Hemlata, going to sell to Mrs. Geeta Devi W/o Mr. Shaitan Singh. The same is to be financed by Aadhar Housing Finance Ltd., branch Dadri, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh. If any person(s) has/have found or any objection regarding the above said property, then kindly may submit the same or submit his/her objection within 7 days from the date of this Notice in writing to undersigned or the said Bank/FI. The said objection may be kindly sent to the undersigned/bank by way of the Registered Post on the address given below and by E-mail. Failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.

**[RUPESH KUMAR ROUSHAN]**
Advocate
D-803, Nandgram,
Ghaziabad, Uttar Pradesh 201003
roushan.rupesh@gmail.com

**PUBLIC NOTICE**

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that S. Nirmal Singh is claiming to be owner of Property on Plot No.17 known as RZC/17-A, area measuring 30 sq. yds. out of total area 150 sq. yds., out of Khasra No. 11/10, situated at village Khayala, in the abadi of Vishnu Garden Extn., in Block-C, New Delhi-110018; vide registered Will dated 05.11.2020 executed by S. Bhagwan Singh. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to sell the property to a person who wants to obtain a loan from our client against the said property. If, anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 7 days of the present.

**Kumar & Associates**
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi - 15
legal@knalegal.com
PH: 011-41112527-28

**सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे मुवक्किल श्री ओम पुत्र श्री सुबे सिहं, एंव श्रीमती सोनू पत्नी श्री ओम, दोनों निवासी मकान न0-13, न्यू कॉलोनी पार्ट-2, टटेशर गाँव, नोर्थ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110081, ने अपने बेटे साहिल पुत्र श्री ओम निवासी मकान न0-13, न्यू कॉलोनी पार्ट-2, ततेशर गाँव, नोर्थ-वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110081 को उसके नियन्त्रण में ना होने, व उसके साथ अभद्र व्यवहार करने और लड़ाई-झगडा करने के कारण उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहे हैं और उससे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हैं। भविष्य में कोई व्यक्ति साहिल पुत्र श्री ओम के साथ किसी प्रकार का लेन-देन व व्यवहार रखता हैं तो उसका जिम्मेदार वह स्वंय होगा, मेरे मुवक्किल व उसके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

**J.P.SINGH ADVOCATES**
CH. NO.534 DWARKA COURT COMPLEX LAWYERS CHAMBERS BLOCK
SECTOR-10, DWARKA
NEW DELHI-110075.

**NAME CHANGE**

I, Madan lal S/o-Hardwari lal R/o House no-258, Mohalla Shankar colony , Mahendragarh Haryana - 123029 have changed my name from Madan lal to Madan lal Tayal for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, Pankaj S/o-Madan lal Tayal R/o House no-258, Mohalla Shankar colony , Mahendragarh Haryana - 123029 have changed my name from Pankaj to Pankaj Tayal for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, UDIT ROY Father of JC-762979M, Rank-SUB, Name-PREM KUMAR residing at VPO-FARIDPUR, DIST-PATNA, BIHAR-801113 have changed my name from UDIT ROY to UDIT GOP for all future purposes vide Affidavit dated 09/12/2024 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, Sukhwinder Singh S/o Late Sarwan Singh R/o Vill- Kular, Teh-Jagraon (Ludhiana) declare that in my army record my son name entered wrongly Arman Singh. But my son correct name is Armaan Singh. So amended my son from Arman Singh to Armaan Singh in my army record.

**NAME CHANGE**

I, NASEEMA KHATUN Mother of No. 16019511F Rank-HAV Name-MD LUQUEMAN Presently residing at VPO-DHAMSAIN, PS- ALINAGAR, TEH-ALINAGAR, DIST-DARBHANGA, BIHAR-847405 have changed my name from NASEEMA KHATUN to NASEEMA KHATOON for all future purposes vide Affidavit dated 09/12/2024 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as SAHIL alias AZIM S/o ASGAR R/o A-235, Metro Vihar, Holambi Kalan, North West Delhi, Delhi-110082, have changed my name and shall hereafter be known as AZIM, for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I Mohd Javed S/O Mohd Zahid, R/O H NO- E- 26, MADIPUR, JJ COLONY, MADIPUR, West Delhi, Delhi-110063,have changed the name of my minor son Jiyan aged 10 years and he shall hereafter be known as Mohd Zaarib.

**NAME CHANGE**

I, Bhagwati W/O-Arvind Kumar R/O Plot No- 18, Block R-3-A, Mohan Garden, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059, that I hereby declare that Bhagwati and Bhawna is the same and one person i.e. I, My Self. and have changed my name from Bhagwati to Bhagwati@Bhawna for all future purposes.

**PUBLIC NOTICE**

It is for general information that I, VEER SAIN S/O Rajveer Singh, R/o village sanvi, post office mahmoodpur, Hapur, PO Hapur, DIST: Hapur, Uttar Pradesh-245101, declare that name of mine has been wrongly written as KUWAR PAL. in my Aadhar Card. no. 411290954948. The actual name of mine is VEER SAIN, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**

JAI BHAGWAN S/O J.K. SHARMA R/O HOUSE NO 14B, SISA GOAM ROAD, MOHAN GARDEN PAHSE-1, UTTAM NAGAR, NEW DELHI – 110059, I have changed my name from JAI BHAGWAN SHARMA TO JAI BHAGWAN for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I DINESH KUMAR S/O BANWARI LAL R/O D-440, A-BLOCK MANGOL PURI NORTH WEST DELHI, DELHI-110083, have changed the name of my minor daughter name BHAWYA RAWAT aged 14 years and she shall hereafter be known as BHAVYA.

**NAME CHANGE**

It is for general information that I, PAWAN KUMAR S/O DHRAM PAL R/O 2170/167, Ganesh Pura-B, Tri Nagar, North West Delhi, Delhi-110035 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as PAWAN GARG and ANITA GARG in my minor daughter namely NAVYA GARG aged 13 years in her School Records. The actual name of mine and my wife are PAWAN KUMAR and ANITA respectively which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**

I, VANDANA Mother of No-16134449M, Rank-SPR, Name-KOSHTI SUSHANT SURESH residing at VPO-SOUNDATTI, TEHSIL-RAIBAG, DISTT-BELGAVI, KARNATAKA-591213 have changed my name from VANDANA to VANDANA SURESH KOSHTI for all future purposes vide Affidavit dated 09/12/2024 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, WASIM S/O MOHD NAFEES residing at C-185/9F, THIRD FLOOR, GALI NO-4, KH NO-148, CHAUHAN BANGER, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to MOHD WASEEM for all future purpose.

**NAME CHANGE**

I Md.Faraz Khan S/o Sohail Khan R/o A-605, 2nd Floor, GD Colony, Mayur Vihar, Phase-3, Delhi - 110096 have changed my name to Faraz Khan for all future purposes.

**PUBLIC NOTICE**

It is for general information that I Jakir Ali S/O Ali Hussain, R/O Permanent Address Sowa Mathia, Kushi Nagar, Uttar Pradesh-274304, Present adress Hno 24,Ground Floor Churiya Mohalla Tekhand Village New Delhi 110020 ,declare that name of mine and my father have been wrongly written as Kadir and Zakir in my 10th class educational document, The actual name of mine and my father are MOHD KADIR AND JAKIR ALI, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**

It is for general information that I, RAJESH S/o RAM DARSH, R/o T Huts No. C-79/50, Near Sarvodya Bal Vidyalya, Jhansi, Road Aram Bagh, Pahar Ganj, Central Delhi, Delhi-110055, declare that the name of mine has been wrongly written as RAJESH PRAJAPATI in my minor Son AARAV PRAJAPATI aged 15 years in his school record. That actual name of mine is RAJESH, which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**

"Be it known to all concerned that my client Sweetie Singh W/o Sh. Ravinder Singh R/o Flat No.509C, Arjun Apartment, Khattar CGHS Ltd. Plot No.8C, Sector 7, Dwarka, New Delhi want to cancel her Special Power of Attorney in respect of Flat No.74 First Floor, Galib Apartment, Memorial Co-Operative Housing Society, Pritampura, Delhi, membership No.171, in the name of Twinkle W/o M.L. Dawar R/o Flat No. 1044, Sanskriti Apartment, Sector 10, Dwarka, New Delhi-75 and the same duly signed and attested by Notary Public on dated 31.03.2014 and the said document of Special Power of Attorney is treated as cancelled and null and void.

**(PRABHA RANI) Advocate**
Lady Bar Room Dwarka Court,
New Delhi-75

**NAME CHANGE**

I, NIRMLA Mother of No. 16114450A Rank- NK Name-SARDAR VIDNYAKAR BHASKAR R/o VPO-GOREGAON (PM), TEHSIL-MURTIZAPUR, DIST-AKOLA, MAHARASHTRA-444102 have changed my name from NIRMLA to NIRMALA BHASKAR SARDAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly recorded as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1947 vide Affidavit dated 09/12/2024 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**

This is to inform all concerned parties that Smt. Manju have agreed to create a mortgage over the property described below, in favour of my client, Aadhar Housing Finance Limited (AHFL), Branch- Laxmi Nagar, Delhi, following the execution of a sale deed in her favour. The sellers, Sh. Amit Kumar, have agreed to sell the property described as "House No.-170, area measuring 50 Sq. Yds, Out of Khasra No.1015, Situated Block-M Master Park, Makanpur Colony Pargana Loni Tehsil and Distt. Ghaziabad Uttar Pradesh" Accordingly, any co-sharers, previous owners, or any other interested parties-including but not limited to banks, financial institutions, NBFCs, HFCs, government or semi- government authorities, and any other persons or entities —having any claims, interests, or rights in or against the above-mentioned property, whether by way of sale, exchange, mortgage (equitable or title deed deposit), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement, or any other legal or equitable right, are hereby requested to submit written notice of their claim, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 7 days from the date of this notice. Failure to respond within the stipulated time will result in such claims being deemed waived or abandoned. In such an event, my client, AHFL, will proceed with the disbursement of the loan and the creation of the mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 09-12-2024
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

**NAME CHANGE**

I, DANDUPATI DHILLESWARI Wife of JC-386453L Rank-SUB Name-APPARAO DANDUPATI Presently residing at VILL-PALATHALAGAM, PO-BORU BHADRA, TEH-SANTHABOMMALI, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532195 have changed my name from DANDUPATI DHILLESWARI to KOTA DHILLESWARI for all future purposes vide Affidavit dated 09/12/2024 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as PAWAN CHAUHAN S/o LATE OM PRAKASH residing at D-9, Block - D, Pratap Garden, VTC: Uttam Nagar, West Delhi, Delhi - 110059 have changed my name shall hereafter be PAWAN G CHAUHAN.

**NAME CHANGE**

I , Parveen W/o Rasheed Ahmed R/o 1446, Lambi Gali , Behind Novelty Cinema , Delhi-110006 have changed my name to Parveen Bano for all future purposes

**NAME CHANGE**

It is for general information that I, JALANDHAR RAUT S/o PASPAT RAUT R/o Khasra No. 1031, Gali No. 7, Block – A, Kadi Vihar, Kadipur, North West Delhi, Delhi - 110036, declare that name of mine and my minor Son has been wrongly written as JALANDHAR and ARYAN in my minor Son namely ARYAN RAUT aged 15 years in his School Record. The actual name of mine and my minor Son are JALANDHAR RAUT and ARYAN RAUT, Which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**

It is for General information that I, NITIN SINGH PANWAR S/o GABBAR SINGH residing at K-II-398, Sangam Vihar, New Delhi, Dist. South Delhi, Delhi - 110062 declare that the name of mine and my Father has been wrongly written as NITIN PAWAR and GABAR SINGH in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual names of mine and my Father are NITIN SINGH PANWAR and GABBAR SINGH respectively, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**

I, BHASKAR SARDAR Father of No. 16114450A Rank- NK Name-SARDAR VIDNYAKAR BHASKAR R/o VPO-GOREGAON (PM), TEHSIL-MURTIZAPUR, DIST-AKOLA, MAHARASHTRA-444102 have changed my name from BHASKAR SARDAR to BHASKAR BABAN SARDAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1952 instead of my correct date of birth as 01/01/1944 vide Affidavit dated 09/12/2024 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, GEETA KUMARI Wife of No-13628243Y Rank-HAV Name-NEERAJ SINGH Presently residing at VILL-NAGLA DHAM, PO-FONDER, TEH-MATHURA, DISTT-MATHURA, UTTAR PRADESH-281123 have changed my name from GEETA KUMARI to GEETA for all future purposes vide Affidavit dated 09/12/2024 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I Bijay Naithani S/O Dinesh Chandra Baithani R/O -H No-99/100, KhasraNO-160/2, Rajpur Khurd Extension, South Delhi-110068 have changed my name to Vijay Naithani S/O Dinesh Chandra Naithani for all future purposes

**NAME CHANGE**

It is for general information that I CHANDAN S/O CHAVI LAL R/O House No-1193, Near Hanuman Mandir, Patel Nagar, Sector-4, Ballabhgarh Faridabad Haryana-121004, declare that name of my father and mother have been wrongly written as CHHABILAL and RINKU in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father and mother are CHAVI LAL and RINKU DEVI respectively which may be amended accordingly.

## नशा तस्करों से करोड़ों की कीमत के नशीले पदार्थ बरामद, कार्रवाई जारी : शशांक सावन

**एजेंसी**

**हिसार**। जिला पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ अधिनियम के तहत आठ मामले दर्ज करके करोड़ों रुपए के मादक पदार्थ बरामद कर 11 आरोपियों को जेल भेजा है। पुलिस की नशा तस्करों पर यह कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने इस सफलता का श्रेय आमजन व उन पुलिस टीमों को दिया है जो लगातार नशा तस्करों की धरपकड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालो पर और अधिक सख्ती करेगी। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा हैं जिसके काफी सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। जिला पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ शिकंजा भी कस रही है और साथ साथ आमजन को नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूक करने के लिए लगातार पुलिस अधिकारी और कर्मचारी गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक भी कर युवाओं के बीच में जाकर उन्हें नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जिला पुलिस ने कई नशे से प्रभावित गांवों को चिन्हित भी किया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस ने नशील पदार्थों की तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है।

## महिलाओं ने हर क्षेत्र में बनाई अपनी अलग पहचान, राष्ट्र विकास में अहम योगदान : गीता बसरा

**रोहतक**। प्रसिद्ध अभिनेत्री गीता बसरा ने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नही है और महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के विकास में महिलाओं का अहम योगदान है। यह बात उन्होंने रोहतक में लाइमलाइट डायमंडस के पहले स्टोर का बतौर मुख्यअतिथि शुभारम्भ करते हुए कही। साथ ही उन्होंने डायमंडस स्टोर का अवलोकन भी किया। अभिनेत्री गीता बसरा ने कहा कि हरियाणा औद्योगिक क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है और इस तरक्की में महिलाओं की भी भागेदारी उतनी ही है, जितनी की पुरूषों की है। साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं में डायमंडस के आभूषणों को लेकर काफी उत्साह रहता है और यही कारण है कि आज डायमंडस क्षेत्र काफी तेजी से प्रगति कर रहा है। इस अवसर पर लाइमलाइट डायमंडस मैनेजमेंट कल्पन दलाल ने कहा कि एनसीआर क्षेत्र में होने के कारण रोहतक औद्योगिक एवं व्यापारी क्षेत्र में लगातार प्रगती कर रहा है।

## रोहतक- किसानों को दिल्ली जाने से रोकना प्रजातांत्रिक विरोधी कदमः भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

**रोहतक**। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि किसानों को दिल्ली जाने से रोकना बीजेपी का प्रजातंत्र विरोधी कदम है। किसान की आवाज दबाने की बजाय सरकार को बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को एमएसपी देने का अपना वायदा पूरा करे। पूर्व सीएम हुड्डा रविवार को रोहतक पहुंचे और विभिन्न कार्यक्रमों में शिरक्त की। बाद में डी-पार्क स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने सरकार पर निशाना साधा और कहा कि बीजेपी किसानों को बिजाई के समय डीएपी, सिंचाई के समय यूरिया और कटाई के समय एमएसपी देने में हमेशा नाकाम साबित हुई है। यही वजह है कि बार-बार अपनी मांगों को लेकर किसानों को आंदोलन करना पड़ता है, लेकिन सरकार किसानों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है। पिछली बार आंदोलन खत्म करवाते हुए सरकार ने एमएसपी के लिए बाकायदा एक कमेटी बनाने का ऐलान किया था, लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने के बाद भी किसानों के हाथ खाली हैं और वह सरकार को उसका वादा याद दिलाने के लिए दिल्ली जाना चाहते हैं।

## हिंदू संगठनों ने बांग्लादेशी हिंदुओं पर अत्यचार के खिलाफ किया प्रदर्शन

**नारनौल**। नारनौल में विभिन्न हिंदू संगठनों ने रविवार को शहर में प्रदर्शन किया और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। इससे पहले सैंकड़ों लोगों ने सुभाष पार्क में एक बैठक कर विरोध जताया। जिले के कई हिंदू संगठनों ने सुभाष पार्क में एकत्रित होकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ बैठक की। बैठक के बाद सभी ने मिलकर शहर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की शुरुआत सुभाष पार्क से हुई, जो शहर के सिंघाना रोड और महेंद्रगढ़ रोड से होते हुए उपायुक्त कार्यालय तक गया। यहां उन्होंने अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव, मानवाधिकार आयोग, बांग्लादेश दूतावास और हरियाणा के मुख्यमंत्री व राज्यपाल को ज्ञापन लिखा। जिसमें उन्होंने मांग की है कि 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में अलोकतांत्रिक तरीके से शेख हसीना सरकार को हटाकर कट्टरपंथियों का राज स्थापित हुआ, तब से वहां रहने वाले हिंदुओं के अलावा सिख, ईसाई, बौद्ध व अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर रोजाना अत्याचार हो रहे हैं। जिससे इन अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का जीना दूभर हो गया है। वहां का शासन प्रशासन भी कट्टरपंथियों को रोकने में असफल है। ऐसे में वहां के हिंदू व अन्य अल्पसंख्यक समुदाय खतरे में हैं।

# भाजपा सरकार में कार्यकर्ताओं की होगी पूरी सुनवाई : मोहनलाल बड़ौली

**एजेंसी**

**जींद**। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रदेश की नायब सैनी की सरकार में कार्यकर्ताओं की पूरी सुनवाई होगी और कार्यकर्ताओं के उचित काम किए जाएंगे। किसी भी कार्यकर्ता को नाराज नहीं होने दिया जाएगा। इसीलिए कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ जुलाना विधानसभा क्षेत्र में सदस्यता अभियान चलाकर 25 हजार लोगों को पार्टी के साथ जोडने़ का काम करें। यह बात

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली जुलाना में कार्यकर्ता द्वारा खोले गए कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कार्यकर्ताओं को कही। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि नौ दिसम्बर को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पानीपत में पहुंचकर बीमा सखी योजना का शुभारंभ करेंगे और इसके

तहत हजारों महिलाओं को रोजगार देने का काम करेंगे। इससे हजारों बेरोजगार महिलाओं को रोजगार मिलेगा और वे आर्थिक रूप से मजबूत होगी। मोहन लाल बडौली ने कहा कि इस योजनाओं में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को बीमा सखी योजना से जोड़ कर उन्हें रोजगार दिलाने का काम करे। उन्होंने यह भी कहा कि नगरपालिका चुनावों के लिए कार्यकर्ता मजबूती से काम करें। आने वाले नगर निकाय चुनावों में भाजपा के चुनावो चिन्ह पर चुनाव लडने़ का काम करेंगी और सभी नगर निकाय चुनावों में भाजपा जीत दर्ज करेगी।

बडौली ने जुलाना विधानसभा चुनावों को देखते हुए पार्टी के ओर अधिक मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर उनके साथ जिलाध्यक्ष तजेन्द्र ढुल, भाजपा नेत्री डा. पुष्पा तायल, भाजपा नेता सत्यवान खटकड़, ओपी पहल, रणसिंह गौतम, यशवंत करसोला, पूर्व सरपंच मोहित शर्मा, प्रदीप चहल, साधुराम आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति : उपराष्ट्रपति

**एजेंसी**

**चंडीगढ़**। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक जमीन से जुड़े हुए नेता हैं, जिनका चरित्र बेदाग है। उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री को लगनशील और ऊंची सोच का धनी व्यक्ति बताया।

उपराष्ट्रपति ने हरियाणा को असीम संभावनाओं का प्रदेश करार देते हुए कहा कि यह प्रदेश देश का सिरमौर है और हर क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा का टैलेंट और भी अधिक उभरकर सामने आएगा। जगदीप धनखड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी निश्चित रूप से कुछ नायाब काम करेंगे और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने हरियाणा को नायब सिंह सैनी के रूप में एक सक्षम साथी और सारथी मिलने पर संतोष व्यक्त किया।

# मेरे पास धन नहीं समाज का जनादेश है: रणबीर गंगवा

**एजेंसी**

**गुरुग्राम**। लोक निर्माण (बीएंडआर) एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा सरकार पिछड़ा वर्ग की भलाई के लिए हमेशा उनके साथ खड़ी है। भाजपा सरकार ने पंचायत व निकाय चुनाव के लिए पिछड़ा वर्ग का कोटा तय करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इससे अब प्रजापति समाज को उचित जनप्रतिनिधित्व मिल रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वह समाज हित में समय लगाकर सक्रिय राजनीति का उदाहरण पेश करें।

मंत्री रणबीर गंगवा स्थानीय नेकीराम फार्म हाउस में आयोजित सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा मानसिक रूप से मजबूत बनें। मौजूदा सरकार में हर वर्ग का स्थान है। वह यह ध्यान रखें कि बड़ा नाम और धन नहीं, बल्कि जनादेश ही व्यक्ति को नेता बनाता है। इसका उदाहरण वह स्वयं हैं। उनके पास धन नहीं, बल्कि समाज का जनादेश है। पिछड़ा वर्ग को पूर्व में मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल ने और उनके बाद अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचायत व निकाय चुनाव में आरक्षण देकर मुख्यधारा में शामिल करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं को मेरिट के आधार पर सरकारी

नौकरियां दी जा रही हैं। उन्होंने इस अवसर पर दक्ष प्रजापति महासभा को 11 लाख रुपये का अनुदान देने की भी घोषणा की। संस्था की मांग पर गुरुग्राम में जमीन दिलाने का भी उन्होंने आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि संस्था के लिए तय मानकों को पूरा करने के बाद गुरुग्राम में भूमि दिलवाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि प्रजापति समाज ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को भरपूर समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर समाज की सार्वजनिक मांगों को पूरा कराया जाएगा। बाढड़ा के विधायक उमेद पातुवास ने इस मौके पर कहा कि उन्हें प्रजापति समाज ने जो मान-सम्मान दिया है, उसका कर्ज वे अवश्य चुकाएंगे। हरियाणा माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर मालवाल ने लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश में उनकी अगुवाई में समाज की भलाई के लिए सराहनीय फैसले लिए जाएंगे।

## कुलदीप बिश्नोई ने छोड़ा अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा का संरक्षक पद

**एजेंसी**

**हिसार**। भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने रविवार को अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक पद से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने मुकाम पीठाधीश्वर स्वामी रामानंद को अपना त्यागपत्र भेजते हुए उन्हें ही संरक्षक नियुक्त किया है। यही नहीं, कुलदीप ने महासभा के आगामी चुनाव के लिए 29 सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो महासभा के चुनाव प्रक्रियाओं का संचालन करेगी।पिछले कुछ समय से अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक कुलदीप बिश्नोई व महासभा के अध्यक्ष रहे देवेन्द्र बुड़िया के बीच तनातनी चल रही थी। तनातनी के बाद पहले कुलदीप ने संरक्षक के तौर पर प्रधान को पद से हटाया तो अगले दिन प्रधान ने पत्र जारीकरके संरक्षक को पद से हटाने की घोषणा कर दी। इसके चलते समाज में दो गुट बन गए थे जिसकेचलते कुलदीप ने अब खुद ही यह पद छोड़ दिया है। महासभा संरक्षक पद से त्यागपत्र देते हुए कुलदीप ने इसकके पीछे निजीकारणों का हवाला दिया है। कुलदीप ने कहा कि ऐसे व्यक्ति को प्रधान बनाएं, जो नशा न करता हो। उन्हें पद का लालच नहीं, उन्होंने केंद्रीय मंत्री और डिप्टी सीएम का पद ठुकरायाहै और

समाज के पैसे से एक कप चाय तक नहीं पी।महासभा संरक्षक पद छोड़ने की घोषणा कुलदीप बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर एक के बाद एक पोस्ट करके दी। कुलदीप बिश्नोई ने सबसे पहले चुनाव करवाने की घोषणा कर समितिका गठन किया। इसके बाद वीडियो मैसेज भेजकर समाज के नाम संदेश दिया और संरक्षक पद सेइस्तीफा दे दिया।राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. भजनलाल के निधन के बाद कुलदीप बिश्नोई को अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा का संरक्षक बनाया गया था। लगभग 12 साल तक इस पद पर रहने के बाद कुलदीप बिश्नोई ने त्यागपत्र दे दिया। कुलदीप बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा का गौरवशाली इतिहास है और समाज कल्याण की दिशा में किए गए हमारे पूर्वजों की परंपरा को महासभा ने आगे बढ़ाया है। एक बार फिर बहुत ही हर्ष के साथ अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के चुनावों की प्रक्रिया का शुभारंभ कर रहा हूं।

# हरियाणा में जज के रीडर समेत परिवार के चार लोगों की हत्या

**एजेंसी**

**कैथल**। जिले के शाहाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत यारा गांव में रहने वाले कुरुक्षेत्र के जज के यहां रीडर, उनकी पत्नी, बेटा और बहू की घर में घुसे अज्ञात हमलावरों ने शनिवार रात हत्या कर दी, जबकि 13 वर्षीय पौत्र गंभीर रूप से घायल है। सभी के गले को तेज धारदार हथियार से काटा गया है। घटना की जानकारी उस वक्त हुई जब पड़ोसी गेट तोड़कर अंदर गए, जहां शवों को देख उनके होश उड़ गए। एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या की जांचमें पुलिस जुट गई है। शाहाबाद के यारा गांव में रहने वाले नैब सिंह कुरुक्षेत्र के जज के यहां रीडर थे और पत्नी, बेटा-बहू और पौत्र के साथ रहते थे। बीती रात उनके घर में घुसे अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने नैब सिंह, उनकी पत्नी

मृतक रीडर नैब सिंह और पत्नी इमरत कौर

इमरित कौर, शाहाबाद कोर्ट में कार्यरत बेटा दुष्यंत, बहू अमृत कौर और 13 वर्षीय पौत्र केशव पर वार कर दिया और रक्तरंजित हालत में छोड़ कर फरार हो गए। रोजना की तरह रविवार सुबह जब नैब सिंह के घर से कोई हलचल और बाहर ना निकलने पर पड़ोसियों ने गेट खटखटाया। कोई आहट ना मिलने पर इलाकाई लोग इकठ्ठा हुए और गेट तोड़कर अंदर गए, जहां नैब सिंह और उसकी पत्नी लहुलूहान अवस्था में मृत पड़े थे। जबकि पहली मंजिल में बेटा दुष्यंत और बहू अमृत कौर के साथ पौत्र केशव भी रक्तरंजित हालत में था। घटना देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में बेटा-बहू और पौत्र को अस्पताल पहुंचाया, जहां बेटे-बहू ने भी दम तोड़ दिया। जबकि पौत्र की हालत गंभीर बनी हुई है। एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या से इलाकाई लोग दहशत में है। पुलिस ने घटना की गहनता से जांच शुरू कर दी है। शाहबाद थाने के एसएचओ सतीश कुमार ने बताया कि एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या घर में घुसकर कर दी गई है।

## गीता महोत्सव पुलिस लाइन में आज से शुरू, जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां की पूरी

**एजेंसी**

**रोहतक**। जिला स्तरीय गीता महोत्सव पुलिस लाइन में नौ दिसंबर से शुरू होगा, जिसको लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। तीन दिवसीय गीता महोत्सव के प्रथम दिन पतंजलि द्वारा विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही महोत्सव में प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद विभिन्न 18 स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा गीता पर आधारित शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी।मथुरा मंडली द्वारा ब्रज होली, आर्ट ऑफ लिविंग तथा इस्कॉन द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। गीता महोत्सव को लेकर पुलिस लाइन में 67 विभिन्न प्रकार के स्टॉल भी लगाए गए है, जोकि आकर्षक का केन्द्र रहेगे। उपायुक्त धीरेन्द्र ने बताया कि जिला स्तरीय तीन दिवसीय गीता महोत्सव को यादगार बनाने के लिए सभी उचित प्रबंध किए गए है। उन्होंने बताया कि महोत्सव की शुरूआत प्रतिदिन हवन यज्ञ के साथ होगी और हरियाणा की संस्कृति की झलक दिखाने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। साथ ही लोगों को सरकार की अनेक योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने जिला वासियों का आह्वान किया कि तीन दिवसीय गीता महोत्सव में बढ़चढ़ कर भाग ले।

# भक्त नामदेव जी ने सभी के भले के लिए काम किया था: कुमारी सैलजा

**एजेंसी**

**कालांवाली**। भगत नामदेव जी की 754वीं जयंती के अवसर पर सुखचैन रोड, कालांवाली स्थित भगत नामदेव धर्मशाला में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खुले पंडाल में श्री अखंड पाठ साहिब का भोग डाला गया और कीर्तन दरबार सजाया गया। इस मौके पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें कई लोगों ने रक्तदान किया।

इस मौके पर विशेष रूप से पहुंचीं सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने भगत नामदेव धर्मशाला के निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की।कुमारी सैलजा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहले के समय संतों ने सेवा कर समाज को एकत्रित करने का काम किया था। भक्त नामदेव ने सभी के भले के लिए काम किया था और उन्हें एकत्रित करने की सेवा की थी। आज के समय लोग राजनीति में आकर जनता की सेवा करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके बुजुर्गों ने पहले इस क्षेत्र की सेवा कर क्षेत्र का विकास करवाने का काम किया और अब लोगों ने उनको सेवा करने का मौका दिया है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि जनता की समस्याओं का समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि सभा

द्वारा जो शहर के सभी वर्गों के मेधावी बच्चों को सम्मानित करने का जो कार्य किया जा रहा है वह सराहनीय है। इससे सभी समाज के लोग एकजूट होते हैं। इस मौके पर कालांवाली विधायक शीशपाल केहरवाला, गुरुद्वारा निर्मलसर साहिब तिलोकेवाला के मुख्य सेवादार बाबा गुरमीत सिंह, सोहन सिंह सरपंच थराज और क्षेत्र की कई राजनीतिक और धार्मिक हस्तियां शामिल हुईं। इस अवसर पर पढ़ाई और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और समाज में अच्छा कार्य करने वाली शख्सियतों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भगत नामदेव सभा के संरक्षक मास्टर सुखदर्शन सिंह, भोला सिंह, डॉ. दर्शन सिंह, जीपी रतन, एडवोकेट हरप्रीत सिंह औलख सहित सभा के पदाधिकारी व सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। सांसद कुमारी सैलजा व विधायक शीशपाल केहरवाला कालांवाली आगमन दौरान कांग्रेस नेता सहज राम का कुछ दिन पूर्व निधन होने पर उनके निवास पर शोक जताने पहुंचे।

## बीजेपी ने किसानों के लिए किया काम, कांग्रेस ने केवल भाषण दिए :अनिल विज

**एजेंसी**

**चंडीगढ़**। राहुल गांधी द्वारा किसानों के समर्थन में दिए गए बयान पर हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को बहुत देर बाद किसानों के मुद्दे की समझ आई है, लेकिन उनके राज में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। विज ने बताया कि बीजेपी की सरकार ने हरियाणा में सभी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया, जबकि कांग्रेस के शासनकाल में यह संभव नहीं हो पाया।अनिल विज ने कहा, कांग्रेस को समझने में बहुत देर हो गई, केवल भाषण देने से पेट नहीं भरता। इसके लिए ठोस कदम उठाने होते हैं, जो बीजेपी सरकार ने उठाए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा और दीपक बाबरिया पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यह वही लोग हैं, जो केवल बयानबाजी करते हैं, जबकि बीजेपी सरकार ने किसानों के लिए असल में काम किया है। विज ने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब किसानों के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए, लेकिन अब बीजेपी की सरकार किसानों के साथ खड़ी है और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं चला रही है।

## किसान धान अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर बिना डीएपी खाद डाले खेती कर रहे है: श्याम सिंह राणा

**एजेंसी**

**यमुनानगर**। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह में किसानों से एक बैठक की। उन्होंने बैठक के दौरान किसानों को प्रदीप काम्बोज द्वारा अपनाई गई बिना डीएपी खाद के खेती करने की विधि का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि प्रदीप कांबोज धान के अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर गेहूं की खेती कर रहे हैं, जिससे डीएपी खाद की आवश्यकता नहीं होती। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने यूरिया सहित रासायनिक उर्वरकों का उपयोग काफी कम कर दिया है, क्योंकि धान के अवशेष से मिट्टी को पर्याप्त पोषण मिलता है, और बिना डीएपी के भी अच्छी पैदावार हो जाती है।

अब वे महंगे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भर हुए बिना अच्छी फसल ले रहे है, जो लागत में बचत और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार का9 उदाहरण है।

उन्होंने किसान संघ के प्रतिनिधियों से बातचीत की। किसान संघ के प्रतिनिधियों ने कृषि मंत्री को अपनी दो समस्याओं से अवगत करवाया। किसान संघ के प्रतिनिधियों

ने किसानों की भूमि पर जो टावर लगे है व जमीन के ऊपर से बिजली की तारे गुजर रही है। उनके मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग की। इसके अलावा नेशनल हाईवे व दादूपुर नलवी पर जो जमीन एक्वायर की गई है उनकी सरकार द्वारा निर्धारित तय राशि शीघ्र दिलवाने की मांग की।

उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को इन मांगों से अवगत करवाकर शीघ्र ही इसका हल करेंगे। उन्होंने कहा कि वह 28 गांवों की सूची तैयार कर लें ताकि उन गांवों की सूची सरस्वती शुगर मिल में पर्ची के लिए दी जा सके ताकि गन्ने की फसल का शीघ्र उठान हो सकें। इस मौके पर किसान यूनियन के जिला प्रधान संजू गुंदियाना, महासचिव गुरबीर सहित अन्य किसान नेता उपस्थित रहे।

# सड़क से सदन तक नलवा की आवाज़ बनकर विकास करवाएंगे: रणधीर पनिहार

**एजेंसी**

**हिसार**। नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने कहा है कि 28 वर्षों के बाद क्षेत्र का स्वर्णिम दौर लौटा है, क्योंकि जब चौ. भजनलाल मुख्यमंत्री थे तो क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हुआ था और किसान सहित हर वर्ग में खुशहाली आई थी। लंबे संघर्ष के बाद उन्हें विधानसभा में पहुंचने का अवसर मिला तो इसके लिए वे पार्टी नेतृत्व, कुलदीप बिश्नोई एवं आम जनमानस का आभार व्यक्त करते हैं। रणधीर पनिहार रविवार को हलके के गांव चौधरीवास, पनिहार चक, भेरियां, कालवास, सिंघरान, डाया, मंगाली जाटान, मंगाली मोहब्बत, मंगाली सुरतिया, मंगाली झारा, मंगाली आकलान, गांधी नगर में सभाओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विभिन्न विभाग के अधिकारी भी उनके साथ थे। लोगों की समस्याओं का सुनकर विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से उन्हें दूर करने के निर्देश दिए। रणधीर पनिहार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 100 दिनों का रोडमैप तैयार किया है, जिसमें

विकास कार्यों को प्रमुखता से तरजीह दी जाएगी। नलवा हलके में विकास कार्यों की किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। सबसे पहले उन्होंने क्षेत्र की नहरों में दो सप्ताह पानी दिए जाने की आवाज विधानसभा में उठाई है और किसानों को पूरा पानी मिल सके इसके लिए वे विशेष प्रयास करेंगे। नलवा में विकास कार्य शुरू हो गए हैं और विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी गांव-गांव किया जा रहा है। जनता के आशीर्वाद से उन्हें विधानसभा में पहुंचने का जो अवसर मिला है, उसके लिए वे ताउम्र क्षेत्रवासियों के ऋणी रहेंगे। पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई के साथ मिलकर क्षेत्र की सभी समस्याओं को लेकर वे मुख्यमंत्री से मिलेंगे और जो मांगे गांव-गांव उन्हें मिल रही है, उनका निपटारा करने की प्राथमिकता रहेगी।

## विदेशी मुद्रा भंडार 1.5 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 658.1 अरब डॉलर पर

एजेंसी

**मुंबई ।** विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 29 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.5 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 658.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.3 अरब डॉलर कम होकर 556.6 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 29 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.1 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 568.9 अरब डॉलर पर पहुंच गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 59.5 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 66.9 अरब डॉलर पर आ गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 2.2 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 2.2 करोड़ डॉलर के इजाफे के साथ 4.3 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

## चना कांटा - तुअर में गिरावट, दालों में घट-बढ़

**इंदौर।** स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में सप्ताहांत चना कांटा तुअर में कामकाज नरमी लिए रहा। हालांकि मूंग, उड़द के भाव बने रहे। दालों के दामों में घट-बढ़ हुई। चावल में खरीदी सुधार से तेजी रही। सप्ताहांत चना कांटा 6700 से 6750 रुपये खुलने के बाद 6600 से 6650 रुपये होकर थमा। मूंग 7800 से 8300 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 7200 रुपये बिकी। सप्ताहांत भाव 7800 से 8300 रुपये बोले गए। कारोबार में तुअर 8000 से 10100 रुपये खुलकर 8000 से 10000 रुपये बिकी। उड़द 8300 से 8800 पर बनी रही। मसूर 5950 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर खुलने के बाद 5950 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल होकर थमी। दालों में भाव मांग से ऊपर नीचे हुए। सप्ताहांत चना दाल के साथ तुअर कभी ऊंची तो कभी नीची बिकी। रवा, मैदा, गेहूं का आटा में लिवाली रही। चना बेसन में लग्न सरा लिवाली रही।

## पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

**नयी दिल्ली।** अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.65 प्रतिशत लुढ़ककर 67.17 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71.05 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

## चीन, वियतनाम से आयातित सोलर ग्लास पैनल पर डंपिंग शुल्क प्रति वाट 29-63 पैसे के दायरे में

**नयी दिल्ली।** सोलर एंसिलरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसएएमए) की गणना के अनुसार चीन और वियतनाम से भारत में मंगाये जाने वाले विभिन्न प्रकार के सौर ग्लास माड्यूल पर डंपिंग-रोधी शुल्क, प्रति वाट पीक (डब्ल्यूपी) उत्पादन क्षमता के आधार पर 29 पैसे से 63 पैसे के बीच पड़ेगा। एसएएमए की एक विज्ञप्ति के अनुसार वित्त मंत्रालय की इसी सप्ताह जारी अधिसूचना के अनुसार बैक शीट वाले पारंपरिक मॉड्यूल पर 48 पैसे प्रति (डब्ल्यूपी)और दो मिमी ग्लास/ग्लास मॉड्यूल पर 63 पैसे प्रति (डब्ल्यूपी)की दर से डंपिंग रोधी शुल्क लगेगा। इसी तरह वियतनाम से आयात के मामले में बैक शीट वाले पारंपरिक मॉड्यूल के लिये 29 पैसे प्रति डब्ल्यूपी और दो मिमी ग्लास/ग्लास मॉड्यूल पर 41 पैसे प्रति डब्ल्यूपी की दर से डंपिंग रोधी शुल्क लगेगा। मलेशिया से आयात पर कोई एंटी-डंपिंग ड्यूटी नहीं लगाया गया है। वित्त मंत्रालय ने चार दिसंबर, 2024 को सीमा शुल्क अधिसूचना एफ. संख्या 26/2024-सीमा शुल्क (एडीडी) डीजीटीआर और इससे संबंधित एक शुद्धिपत्र जी.एस.आर. 751(ई) 5 दिसंबर 2024 को जारी किया, जिसमें चीन और वियतनाम से सौर ग्लास के आयात पर लगाये जाने वाले एंटी-डंपिंग शुल्क की सीमा की गणना के लिये उपयोग किये जाने वाले संदर्भ मूल्य की घोषणा की गयी है।

## इलेक्ट्रिक थर्मामीटर के लिए प्रस्ताव नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणी आमंत्रित

**नयी दिल्ली।** उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने मानव एवं पशुओं का ज्वर मापने के लिए बिजली के थर्मामीटरों के संबंध में रूप से जारी नियमों के मसौदे पर सार्वजनिक रूप से लोगों के सुझाव आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार ये सुझाव 30 दिसंबर , 2024 तक सरकार के पास भेजे जा सकते हैं। बयान में कहा गया,''केंद्र ने क्लिनिकल (नैदानिक) इलेक्ट्रिकल थर्मामीटर के प्रस्तावित नियमों पर 30 दिसंबर, 2024 तक सार्वजनिक टिप्पणी आमंत्रित की है।

# सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

**नयी दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,760 रुपये से लेकर 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये से लेकर 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी आज मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम

और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज भी 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## खाद्य तेलों में टिकाव; दालों में मिलाजुला रुख

एजेंसी

**नयी दिल्ली।** विदेशी बाजारों में तेजी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि दालों में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा सप्ताहांत पर 45 रिंगिट चढ़कर 5315 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.91 सेंट की बढ़त के साथ 42.75 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सप्ताहांत पर सरसों तेल 17215 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल

19047 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 15751 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15531 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13187 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

## स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की वापसी, पहले सप्ताह 24,454 करोड़ रुपये का किया निवेश

एजेंसी

**नई दिल्ली।** लगातार 2 महीने तक बिकवाली करने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) अब घरेलू शेयर बाजार में वापसी करते हुए नजर आने लगे हैं। दिसंबर के पहले सप्ताह में विदेशी निवेशकों ने 24,454 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की है?। इस लिवाली से इस बात की उम्मीद बनने लगी है कि 2 महीने की गिरावट के बाद अब घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर सरपट चाल में चलना शुरू कर सकता है। जानकारों का कहना है कि वैश्विक माहौल में आ रही स्थिरता और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना की वजह से अनिश्चितता का खतरा कम होने लगा है। इसी वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारत जैसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों के स्टॉक मार्केट में एक बार फिर लिवाली शुरू कर दी है।

इसके पहले वैश्विक अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल और जियो पॉलिटिकल टेंशन के कारण विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर और नवंबर के महीने में लगातार बिकवाली की थी?। नवंबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से 21,612 करोड़ रुपये की और अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये

की शुद्ध निकासी की थी। अक्टूबर के महीने में विदेशी निवेशकों द्वारा की गई निकासी घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में किसी एक महीने में विदेशी निवेशकों द्वारा की गई सबसे बड़ी निकासी थी। हालांकि अक्टूबर के पहले सितंबर के महीने में विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में पिछले 9 महीने में सबसे अधिक 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इस संबंध में रुंगटा फाइनेंशियल सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट जय वल्लभ रुंगटा का कहना है कि आने वाले समय में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीतियों, वैश्विक महंगाई दर, दुनिया के प्रमुख देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा लागू की जाने वाली ब्याज दर और जियो-पॉलिटिकल पोजीशन पर विदेशी निवेशकों का रुख निर्भर करेगा। भारत के संदर्भ में तीसरी तिमाही के दौरान कंपनियों की आय और उनके लाभ या हानि की स्थिति पर भी विदेशी निवेशकों की नजर रहने वाली है। इसके साथ ही आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर देश की प्रगति भी विदेशी निवेशकों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

## अगले सप्ताह 11 नए आईपीओ से प्राइमरी मार्केट में रहेगी हलचल, 3 शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

**नई दिल्ली।** शुरू हो रहे दिसंबर के दूसरे कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में लगातार हलचल मची रहने वाली है। इस सप्ताह विशाल मेगा मार्ट और मोबिक्विक समेत 11 नए आईपीओ खुलने जा रहे हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह खुले एक आईपीओ में भी सोमवार तक बोली लगाने का मौका है। नए आईपीओ की लॉन्चिंग के साथ ही अगले कारोबारी सप्ताह के दौरान तीन कंपनियों के शेयर भी स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए दस्तक देने वाले हैं। धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस का 23.80 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। ये आईपीओ 11 दिसंबर को क्लोज होगा। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 52 से 55 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 16 दिसंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यानी 10 दिसंबर को टॉस द कॉइन का 9.17 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ में 12 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के

लिए 172 से 182 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। कंपनी के शेयर 17 दिसंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। 10 दिसंबर को ही जंगल कैंप्स इंडिया का 29.42 करोड़ रुपये का आईपीओ ओपन होने वाला है। ये आईपीओ भी 12 दिसंबर को क्लोज होगा। आईपीओ के तहत 68 से 72 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है।? कंपनी के शेयरों की बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 17 दिसंबर को लिस्टिंग होगी। सप्ताह के तीसरे कारोबार दिन 11 दिसंबर को मोबिक्विक का 572 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इश्यू में 13 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 265 से 279 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 53 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की 18 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग होगी। 11 दिसंबर को ही सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट का 50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा।

## रामगढ़ एसपी ने वॉल्कन बजाज शोरूम में सीएनजी बाइक किया लॉन्च

एजेंसी

**रामगढ़।** विश्व की पहली सीएनजी बाइक बजाज कंपनी ने लॉन्च की है। रामगढ़ शहर के वॉल्कन बाजार शोरूम में एसपी अजय कुमार ने पल्सर एन-25 के नए मॉडल को लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी और शोरूम के कर्मियों को बधाई दी। एसपी ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण की वजह से हमारा समाज बीमार हो रहा है। सीएनजी बाइक इन सब प्रदूषण को तो दूर करेगी ही, साथ ही इसका बेहतरीन मॉडल और लुक ग्राहकों को भी पसंद आएगा। एसपी ने बताया कि पूरी दुनिया अब कृत्रिम चीजों से हटकर प्राकृतिक चीजों पर निर्भर हो रही है। पहले थ्री व्हीलर और फोर व्हीलर में सीएनजी का इस्तेमाल होता था। लेकिन अब टू व्हीलर भी सीएनजी के साथ सुरक्षित साबित होगा। उन्होंने बताया कि कंपनी का यह बेहतरीन फीचर लोगों को अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा कि सीएनजी टैंक किसी भी परिस्थिति में विस्फोट नहीं करेगा, चाहे दुर्घटना कितनी भी बड़ी

हो। कंपनी इस मानक पर अगर खरी उतरती है, तो सीएनजी बाइक की सड़कों पर एक नई पहचान बन सकती है। इस मौके पर शोरूम के मालिक दिनेश पोद्दार, वत्सल पोद्दार, विवेक पोद्दार, शोरूम मैनेजर अभिजीत कुमार सिंह, मोहित सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

## इलेक्ट्रिक थर्मामीटर के लिए प्रस्ताव नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणी आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने मानव एवं पशुओं का ज्वर मापने के लिए बिजली के थर्मामीटरों के संबंध में रूप से जारी नियमों के मसौदे पर सार्वजनिक रूप से लोगों के सुझाव आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार ये सुझाव 30 दिसंबर , 2024 तक सरकार के पास भेजे जा सकते हैं। बयान में कहा गया,''केंद्र ने क्लिनिकल (नैदानिक) इलेक्ट्रिकल थर्मामीटर के प्रस्तावित नियमों पर 30 दिसंबर, 2024 तक सार्वजनिक टिप्पणी आमंत्रित की है। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग ने ओआईएमएल की अनुशंसाओं के अनुसार कानूनी माप विज्ञान (सामान्य)

उपभोक्ता मामले विभाग DEPARTMENT OF CONSUMER AFFAIRS सत्यमेव जयते

नियम, 2011 के अंतर्गत क्लिनिकल थर्मामीटर संशोधन का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यंत्र का काम सटीकता और विश्वसनीय हो ताकि उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित रहें। मानव और पशु शरीर के तापमान को मापने के लिए बनाए गए क्लिनिकल इलेक्ट्रिकल थर्मामीटर के मानकीकरण और उनको अधिक सटीक परिणा देने वाला बनाने के लिए कुछ नए नियम प्रस्तावित किए गए हैं। इनके माध्यम से ऐसे उपकरणों के लिए मौजूदा नियमों को संशोधित करने का उद्देश्य है।थर्मामीटर उपकरण ज्वर और हाइपोथर्मिया जैसे रोगों के निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभाग की ओर से गठित एक समिति ने नए नियमों का मसौदा तैयार किए हैं। इन्हें सार्वजनिक परामर्श के लिए 29 नवंबर को विभाग की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया था। हितधारकों और जनता को 30 दिसंबर 2024 तक अपनी टिप्पणियाँ और सुझाव प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

# केंद्र ने क्लिनिकल इलेक्ट्रिकल थर्मामीटर के प्रस्तावित नियमों पर 30 दिसंबर तक मांगे सुझाव

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने क्लिनिकल इलेक्ट्रिकल थर्मामीटर के लिए प्रस्तावित नियमों पर 30 दिसंबर तक सुझाव मांगे हैं। इन नियमों का उद्देश्य बुखार और हाइपोथर्मिया जैसी स्थितियों के निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उपकरणों के लिए मौजूदा नियमों को संशोधित करना है। हितधारकों और जनता को 30 दिसंबर, 2024 तक अपनी टिप्पणियां और सुझाव देने हैं। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा गया है कि मानव और पशु शरीर के तापमान को मापने के लिए डिज़ाइन किए गए क्लिनिकल इलेक्ट्रिकल थर्मामीटर के मानकीकरण और सटीकता को बढ़ाने के लिए

मसौदा नियम प्रस्तावित किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि गठित समिति के तैयार किए गए मसौदा नियमों को 29 नवंबर को विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक परामर्श के लिए प्रकाशित किया गया था। प्रस्तावित मसौदा नियमों को निम्नलिखित लिंक पर ऑनलाइन देखा जा सकता है। त्रालय के मुताबिक सार्वजनिक और हितधारकों के फीडबैक की समीक्षा के बाद अंतिम रूप दिए जाने के बाद ये नियम क्लिनिकल इलेक्ट्रिकल थर्मामीटर की सटीकता और विश्वसनीयता को मानक बना देंगे। इन प्रावधानों में इन उपकरणों के सत्यापन और मुहर लगाने को अनिवार्य किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे निर्धारित मानकों के अनुरूप हैं, जिससे मनुष्यों और जानवरों के स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा हो सके। दरअसल, उपभोक्ता मामले विभाग के तहत विधिक माप विज्ञान विभाग, तौल और माप उपकरणों में सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है, जिससे उपभोक्ता हितों की रक्षा होती है।

# जनवरी से महंगी हो जायेगी कारें

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश की अधिकांश वाहन निर्माता कंपनियां एक ओर जहां वर्ष के अंत में वाहनों को निकालने के लिए जबदरस्त ऑफरों की पेशकश कर रही है वहीं दूसरी ओर सामग्री लागत में हो रही बढ़ोतरी, कमोडिटी मूल्य निर्धारण में उतार-चढ़ाव, खर्चों में वृद्धि और बढ़ती महंगाई का हवाला देते हुये जनवरी 2025 से अपने वाहनों की कीमतों में वृद्धि करने का ऐलान किया है। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने नए साल में कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। मारुति सुजुकी ने एक बयान जारी कर कहा कि उसके वाहनों की कीमतों में चार फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी। यात्री वाहन बनाने वाली दूसरी बड़ी कंपनी हुंडई मोटर ने भी अपने वाहनों की कीमत में वृद्धि की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि वह कीमतों में 25 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। हालांकि, कोरियाई कार निर्माता ने एक निश्चित राशि या प्रतिशत नहीं बताया है, जिसके द्वारा मूल्य निर्धारण में वृद्धि की जाएगी। हुंडई क्रेटा, एक्सटीरियर, वेन्यू, टक्सन और अल्काजर जैसी लोकप्रिय एसयूवी की कीमतें बढ़ेगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि उसके उत्पादों की कीमतें भी नए साल में तीन फीसदी तक बढ़ जाएंगी। थार, एक्सयूवी 700, स्कॉर्पियो, एक्सयूवी 3एक्सओ, एक्सयूवी 400 और नई-नवेली इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म कारों बीई 6 और एक्सईवी 9ई सहित अपनी एसयूवी के लिए प्रसिद्ध है। भारत में जेएसडब्ल्यू समूह के स्वामित्व वाली एमजी मोटर ने घोषणा की है कि वह नए साल में भी अपने उत्पादों की कीमतों में वृद्धि करेगी। कार निर्माता ने उल्लेख किया कि मॉडल के आधार पर मूल्य में तीन प्रतिशत से अधिक की वृद्धि नहीं होगी। कंपनी ने बढ़ती इनपुट लागत और अन्य बाहरी कारकों के कारण मूल्य निर्धारण में वृद्धि को महत्वपूर्ण बताया है। मर्सिडीज-बेंज और अन्य लक्जरी कार निर्माताओं ने भी घोषणा की है कि वे जनवरी 2025 से अपनी कारों को बढ़ी हुई कीमतों पर पेश करेंगी। मर्सिडीज बेंज ने घोषणा की है कि उसकी कारों की कीमत तीन प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। बीएमडब्ल्यू ने भी 2025 से तीन प्रतिशत तक की समान मूल्य वृद्धि की घोषणा की है। ऑडी इंडिया भी भारत में अपने पूरे पोर्टफोलियो के लिए तीन प्रतिशत तक की कीमत वृद्धि की घोषणा की है।

## भारत में आईपी फोन बनाने के लिए टडीरान टेलीकॉम सालाना एक करोड़ डॉलर निवेश करेगी

**नयी दिल्ली।** इजरायल स्थित एकीकृत संचार कंपनी टडीरान टेलीकॉम भारत में आईपी टेलीफोन बनाने के लिए सालाना एक करोड़ डॉलर (करीब 80 करोड़ रुपये) का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। आईपी टेलीफोन कई

संचार कार्यों का समर्थन करते हैं, जिसमें ऐप के माध्यम से कॉन्फ्रेंस कॉल शामिल हैं। आमतौर पर इनका इस्तेमाल व्यावसायिक संगठनों में किया जाता है। कंपनी ने आईपी फोन बनाने के लिए डीसीएम श्रीराम के साथ साझेदारी की है भारत में अपनी विनिर्माण योजना की घोषणा करते हुए टडीरान टेलीकॉम के सीईओ मोशे मिट्स ने एक कार्यक्रम में कहा कि कंपनी उत्पादन विस्तार के दूसरे चरण में हर साल निवेश बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी की योजना भारत में हर साल एक लाख आईपी टेलीफोन बनाने की है।

# टॉप 10 में शामिल 6 कंपनियों का मार्केट कैप 2.03 लाख करोड़ बढ़ा, टीसीएस को सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 2,03,116.81 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। टॉप 10 की 4 कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिला कर 28,084.38 करोड़ रुपये की कमी हो गई। टॉप 10 में शामिल कंपनियों के मार्केट कैप की ये स्थिति तब हुई, जब पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 1,906.33 अंक यानी 2.38 प्रतिशत और एनएसई का निफ्टी 546.70 अंक यानी 2.26 प्रतिशत मजबूत हो गया। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 62,574.82 करोड़ रुपये बढ़ कर 16,08,782.61 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 45,338.17 करोड़ रुपये बढ़ कर 14,19,270.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा इंफोसिस का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के दौरान 26,885.80 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,98,560.13 करोड़ रुपये के स्तर पर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 26,185.14 करोड़ रुपये बढ़ कर 17,75,176.68 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 22,311.55 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,71,087.17 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 19,821.33 करोड़ रुपये उछल कर 9,37,545.57 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 16,720.10 करोड़ रुपये घट कर 9,10,005.80 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया। इसी तरह आईटीसी का मार्केट कैप 7,256.27 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,89,572.01 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,843.01 करोड़ रुपये घट कर 5,83,673.71 करोड़ रुपये के स्तर पर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 1,265 करोड़ रुपये कम होकर 6,21,937.02 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,75,176.68 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 16,08,782.61 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,19,270.28 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,37,545.57 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,10,005.80 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 7,98,560.13 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,71,087.17 करोड़ रुपये), एलआईसी (कुल मार्केट कैप 6,21,937.02 करोड़ रुपये), आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,89,572.01 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,83,673.71 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

# सर्दियों में इन सफेद बीजों का करेंगे अधिक सेवन तो बढ़ जाएगा यूरिक एसिड लेवल, जानें रेगुलर सेवन के अन्य साइड एफेक्ट्स

**सर्दियों में तिल से बनी चीजों का सेवन लोग खूब करते हैं. हालांकि, तिल अधिक खाने से फायदे होने की बजाय कुछ नुकसान भी हो सकते हैं. खासकर, उन लोगों को सतर्क रहना चाहिए जिनके शरीर में यूरिक एसिड का लेवल हाई हो. जानिए, अधिक तिल के सेवन के क्या नुकसान हो सकते हैं.**

सर्दियां आते ही मार्केट में काले और सफेद तिल के लड्डू, पट्टी आदि खूब बिकने शुरू हो जाते हैं. लोग बहुत ही चाव से तिल के लड्डुओं का सेवन करते हैं. तिल में ढेरों पोषक तत्व होते हैं, जो सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं. इसमें कैलोरी, सोडियम, पोटैशियम, प्रोटीन, विटामिन सी, बी6, मैग्नीशियम, आयरन आदि भरपूर होते हैं. ये दिल के लिए हेल्दी हैं. तिल के सेवन से हड्डियों को लाभ होता है. जोड़ों का दर्द कम हो सकता है. हालांकि, कुछ लोगों को ये इतना अधिक पसंद होता है कि एक दिन में ही 10-12 तिल के लड्डू खा जाते हैं. यदि ऐसा आप भी करते हैं तो हो जाएं थोड़े सतर्क, क्योंकि अधिक तिल खाना भी नुकसान पहुंचा सकता है.

तिल के अधिक सेवन के नुकसान

-ठंड में जो लोग तिल से बनी चीजों का सेवन अधिक करते हैं, उन्हें एक बात जान लेनी चाहिए कि इसके अधिक सेवन से आपको फायदे की जगह कुछ नुकसान भी हो सकते हैं. खासकर, उन लोगों को ध्यान देना चाहिए, जिनका यूरिक एसिड लेवल बढ़ा हुआ हो. तिल अधिक खाने से यूरिक एसिड तेजी से बढ़ सकता है. यूरिक एसिड शरीर में मौजूद एक टॉक्सिक पदार्थ है. इसका अधिक होना किडनी के साथ संपूर्ण सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है. ऐसे में यह जितना कम रहे उतना बेहतर है.

शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने से क्या होता है

जब शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ जाता है, तो आपकी हड्डियों में दर्द रह सकता है. साथ ही अंगूठे और एड़ियों में दर्द हो सकता है. यहां तक कि पेशाब के रंग में बदलाव आ सकता है. जिन लोगों को हड्डियों की समस्या पहले से ही है, उन्हें ठंड के मौसम में अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है. ठंड के कारण बोन्स में दर्द के साथ ही अकड़न शुरू हो जाती है. ऐसे में यूरिक एसिड वाले मरीजों के लिए तकलीफ बढ़ सकती है.

आप यूरिक एसिड के मरीज हैं और सफेद तिल से बने गजक, पट्टी या अन्य खाद्य पदार्थ का सेवन करते हैं सावधान हो जाएं. इससे आपकी समस्या बढ़ सकती है.

-यूरिक एसिड का लेवल शरीर में बढ़ने से किडनी पर अधिक प्रेशर बनता है, जिससे इस अंग को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है. इस स्थिति में हाई प्रोटीन से भरपूर चीजों का सेवन किया जाता है तो शारीरिक दिक्कतें होना लाजिमी हैं. सफेद तिल भी हाई प्रोटीन युक्त होता है, जिसे यूरिक एसिड बढ़ने की समस्या से जूझ रहे लोगों को दिक्कत हो सकती है.

-विशेषज्ञों के अनुसार, अनहेल्दी डाइट, खानपान में लापरवाही बरतना, अनियमित लाइफस्टाइल आदि के कारण भी यूरिक एसिड का लेवल शरीर में बढ़ जाता है. ऐसे में दिनचर्या में बदलाव लाकर इस खतरे को कम कर सकते हैं.- आयुर्वेद के अनुसार, यदि आपका यूरिक एसिड लेवल हाई रहता है तो सर्दियों के दिनों में आंवला जरूर खाना चाहिए. आंवले में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है, जो हाई यूरिक एसिड को कम करता है. ज्वाइंट्स में होने वाले दर्द को कम करने में मदद करता है. आंवले का सेवन आप कई तरह से कर सकते हैं. इसका जूस पी सकते हैं. चटनी, मुरब्बा, कैंडी आदि खा सकते हैं. इसके साथ एक्सपर्ट की सलाह पर आप नीम की पत्ती, अश्वगंधा, त्रिफला जैसे आयुर्वेदिक चीजों का भी सेवन कर सकते हैं. ये सभी यूरिक एसिड की समस्याओं में राहत दिलाने में सहायक हो सकते हैं.

# लोकतंत्र बचाना है तो ईवीएम प्रणाली को हटाना होगा

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि मतदान के बदलते प्रतिशत ने चुनाव आयोग की छवि को धूमिल किया है और यह कि ईवीएम प्रणाली के तहत चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर संदेह और गहरा रहा है। यह भारत में लोकतांत्रिक प्रणालियों, प्रक्रियाओं एवं परंपराओं के लिए झटका है। यह भारत के लोकतंत्र की जगमगाती छवि को मंद करने वाला नजर आ रहा है।महाराष्ट्र में कुछ दिन पहले हुए विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर भारी असंतोष है। इन नतीजों के प्रति नाराजगी व्यक्त करने के लिए आंदोलन किया जा रहा है। दरअसल चुनाव को चुनौती देने के बनिस्बत उसके खिलाफ चल रहा आंदोलन ज्यादा महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी एनसीपी के गठबंधन में शामिल भाजपा को भारी बहुमत मिला है। यह सच है कि चुनावी आंकड़ों का खेल चलाना और मैदान में जनता का मूड पढ़ने वाले लोगों, मतलब दोनों के लिए चुनावी मिजाज को भांपना एक जटिल काम है, इसके बावजूद महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव इस बार एक विशेष चुनौती पेश करता है।ऐसा इसलिए क्योंकि इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि मतदाताओं का मूड हाल ही में संपन्न 2024 के विधानसभा चुनावों के आए परिणामों से बहुत अलग था और रहेगा। इस तर्क में दम है कि मतदाताओं का मूड उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लिए एक समझने योग्य और अपेक्षित सहानुभूति वोट के पक्ष में स्पष्ट, दृश्यमान और दृढ़ता से झुका हुआ था जिनकी सरकार को भाजपा को चुनौती देने, उससे अलग होने का साहस करने और कर दिखाने की चुनौती देने के बाद गिरा दिया गया था।नई दिल्ली की सल्तनत के खिलाफ इस लड़ाई में महाराष्ट्रीयन गौरव की कहानी के सभी पहलू थे जिससे तनाव पैदा हुआ और जिसके नतीजे सामान्य तौर पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेतृत्व वाले गठबंधन के पक्ष में जाते। ऐसा इसलिए है क्योंकि सत्ता के इस खेल में शिवसेना का शिंदे गुट पीठ में छुरा घोंपने वाला था। उधर भाजपा के साथ सत्ता में शामिल होने की चाह में एनसीपी के अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार को धोखा दिया था।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों के पास यह तर्क देने के लिए पर्याप्त सामग्री है कि जिस तरीके से ठाकरे सरकार को तोड़ा गया, विधायकों को भाजपा शासित राज्यों- गुजरात और असम में छिपाने के साथ जिस तरह से ठाकरे-शिवसेना के चुनाव चिन्ह को छीना गया और जिस ढंग से शरद पवार के व्यापक प्रभाव को कम करने की कोशिश की गई, वह सब लोगों को पसंद नहीं आया। उनकी राय में बड़े धन बल, बहुप्रचारित अभियान निष्पादन या आरएसएस के जमीनी समर्थन के बाद भी शिंदे-अजित सहित इनमें से किसी को, और विशेष रूप से भाजपा को आम तौर पर कोई वोट नहीं मिलेगा। वास्तव में भाजपा की ओर झुकाव रखने वालों को भी यह समझाने में मुश्किल हो रही है कि ठाकरे और पवार को तोड़ने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत सही थी या गलत। सहानुभूति रखने वालों के पास एक सीमित तर्क यह है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई की कथित धमकी के कारण शिंदे या अजित पवार को रैंक तोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय को अब व्यापक रूप से भाजपा के लिए काम करने वाले संगठन के रूप में देखा जाता है। भाजपा के लिए यह केवल नकारात्मकता बटोरता है।महाराष्ट्र में लोग यह अच्छी तरह से जानते हैं कि तख्तापलट का मास्टरमाइंड कौन था तथा अभियान की अगुवाई नई दिल्ली के शीर्ष भाजपा नेतृत्व द्वारा की गयी थी। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री के रूप में उद्धव ठाकरे के बीच अत्यधिक कड़वाहट थी क्योंकि ठाकरे ने भाजपा से अलग होने तथा कांग्रेस के साथ टीम बनाने का फैसला किया था। यह एक स्वीकृत तथ्य है कि भाजपा उन्हें सबक सिखाने के लिए संकल्पित थी। इस खटास में भाजपा नेतृत्व के गुजरात संबंधों को सीधे तौर पर देखा गया है इसलिए महाराष्ट्र-गुजरात विभाजन स्पष्ट था जो शिवसेना के अभियान के महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक बन गया।इसके अलावा शिवसेना के अभियान में गुजरात स्थित गौतम अडानी समूह का मुद्दा भी शामिल हो गया। अडानी समूह मुंबई में रियल एस्टेट परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है और उसने मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी के पुनर्विकास के लिए एक विवादास्पद मेगा-अनुबंध हासिल किया है। यह समूह मुंबई हवाईअड्डा भी चलाता है। यह कहानी एक गहन भावना से भरी है लेकिन विधानसभा के परिणाम इस भावना के विपरीत गए हैं- भाजपा-शिवसेना (शिंदे)-एनसीपी (अजित पवार) गठबंधन ने 288 सीटों में से कुल 230 सीटें जीतीं, जिनमें अकेले भाजपा की 132 सीटें हैं। जीत इतनी जबरदस्त है कि इस बार महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष का कोई नेता नहीं होगा। जून 2024 को हुए लोकसभा चुनावों में शिवसेना का वोट शेयर 16.72 प्रतिशत था जो अभी घटकर 9.96 फीसदी हो गया। यह भारी गिरावट है जिसके बारे में लोगों को समझाना बहुत आसान नहीं है।चुनावी नतीजों के विरोध में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता (95) बाबा आढाव द्वारा की गई भूख हड़ताल ईवीएम के दुरुपयोग के आरोपों को नया बल देती है। इसमें महाराष्ट्र चुनाव में धन बल के भारी उपयोग की बात तो शामिल भी नहीं की गई है। आढाव पुणे में महात्मा ज्योतिबा फुले के घर फुलेवाडा पर धरने पर बैठे। उनका धरना यह संकेत देता है कि यह आंदोलन बाहुबल-धन के खुल्लमखुल्ला इस्तेमाल के खिलाफ सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन है व इसमें जमीनी हकीकत के विपरीत परिणाम देने के लिए मशीन की अगुवाई में हेर-फेर का अतिरिक्त आरोप भी शामिल है। मतदान करने वाले लोगों की संख्या में भारी वृद्धि के बारे में उठाए गए सवालों पर चुनाव आयोग से कांग्रेस के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात भी की। आधिकारिक रिकॉर्ड में मतदान के दिन शाम 5 बजे तक मतदान का प्रतिशत 58.22 से बढ़कर उसी रात 11.30 बजे 65.02 फीसदी हो गया और मतगणना के दिन 66.05 प्रतिशत हो गया।इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि मतदान के बदलते प्रतिशत ने चुनाव आयोग की छवि को धूमिल किया है और यह कि ईवीएम प्रणाली के तहत चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर संदेह और गहरा रहा है। यह भारत में लोकतांत्रिक प्रणालियों, प्रक्रियाओं एवं परंपराओं के लिए झटका है। यह भारत के लोकतंत्र की जगमगाती छवि को मंद करने वाला नजर आ रहा है।यह दर्शाता है कि हमने पिछले 75 वर्षों में अपनी लोकतांत्रिक प्रणालियों को मजबूत नहीं बल्कि कमज़ोर किया है। हम एक ऐसे चरण में हैं कि ईवीएम के खतरों के कारण उससे होने वाले लाभ के दावे अप्रासंगिक हो गए हैं। यह समय मशीनों को त्यागने और पूरी तरह से भौतिक, बैलेट पेपर प्रणाली पर लौटने तथा मतपत्रों को डालने, उन्हें एक-एक करके गिनने की आजमाई और परखी हुई कागज व रबर स्टैंप वाली प्रक्रिया को अपनाने का है। मतदान की आसानी या परिणामों की गति यदि हमें तेजी से गलत जगह पर ले जाती है तो हमें इससे कुछ भी हासिल नहीं होता जैसा कि वास्तव में प्रतीत होता है। भारत को बचाने के लिए अब हमें ईवीएम प्रणाली को लाना होगा।

## संपादकीय

# फडणवीस सत्ताधीश

आखिरकार अनिश्चय व अटकलों पर विराम लगाते हुए गुरुवार को भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। सत्ता का खेल देखिए पिछली पारी में फडणवीस मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे, वहीं इस बार पिछली बार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बने हैं। सत्ता का आंकड़ा पक्ष में न होते हुए भी शिंदे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर विराम नहीं लगा पाए। तभी नवंबर में स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाले महायुति गठबंधन को दिसंबर में सरकार बनानी पड़ी। चुनाव में तय हुए राजनीतिक कद से इतर शिंदे ज्यादा हासिल करने के प्रयास में सिर्फ शपथ ग्रहण समारोह को आगे ही बढ़ा सके। लेकिन दीवार पर लिखी इबारत स्पष्ट थी कि महायुति की प्रचंड जीत में शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा की सीटों के मुकाबले आधी सीटें भी हासिल नहीं कर पाया। फिर भी उनके समर्थक आस लगा रहे थे कि बिहार की तर्ज पर भाजपा फैसला लेगी, जिसमें भाजपा द्वारा ज्यादा सीटें हासिल करने पर भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन कुछ इंतजार के बाद भाजपा ने एकनाथ शिंदे को बता दिया कि सरकार के नाथ फडणवीस ही होंगे। जाहिर है भाजपा ने राजनीतिक चतुराई से महाराष्ट्र की राजनीति को संचालित करने वाली शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन का लाभ उठाकर खुद को मजबूत स्थिति में ला दिया है। वहीं अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया है कि सत्ता की चाबी किसी एक के हाथ में न रह सके। निस्संदेह, आज देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी जमीन मजबूत कर ली है। बहरहाल, हकीकत यही है कि फडणवीस महाराष्ट्र में तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गए हैं। लेकिन इस बार उनके सामने पहले से ज्यादा चुनौतियां खड़ी हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल अच्छा माना जाता है। राज्य के लोग उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हैं।हालांकि, फडणवीस जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो उनके पास राज्य में प्रशासन चलाने का अनुभव नहीं था। लेकिन उन्होंने बखूबी सरकार चलायी। मगर पिछली बार भी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद उद्धव ठाकरे की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते वे मुख्यमंत्री बनने से वंचित रह गए। बल्कि कालांतर उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद संभालना पड़ा। लेकिन उन्होंने भाजपा आलाकमान के फैसले को सहजता से स्वीकार किया। जिसका लाभ उन्हें इस बार मिला, जब पार्टी नेतृत्व ने उन्हें प्राकृतिक रूप से मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना। उनकी सफलता के पीछे पहले कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्य भी रहे हैं। जिसमें किसानों के जल संकट को दूर करने वाली जलयुक्त शिविर योजना, मुंबई-नागपुर को जोड़ने वाली पचपन हजार करोड़ की एक्सप्रेस परियोजना व मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से भाजपा के जनाधार को बढ़ाने वाला बताया जाता है। लेकिन आज राज्य की आर्थिक स्थिति संतोषजनक नहीं रही। राजकोषीय घाटे को लेकर चिंताएं हैं। बेरोजगारी बड़ी समस्या है। पूंजीगत खर्चों में कमी आई है तो राजस्व भी घटा है। वहीं आने वाले दिनों में मराठा आरक्षण का जिन्न बोतल से बाहर आ सकता है। हालिया विधानसभा चुनाव में जमीन खिसकने से आहत मराठा क्षत्रप इस मुहिम को हवा दे सकते हैं। वहीं ओबीसी वर्ग को फिक्र है कि कहीं उनके हिस्से का आरक्षण मराठाओं को न दे दिया जाए। महायुति गठबंधन ने मराठा आंदोलनकारियों को राहत देने का आश्वासन दिया है। उम्मीद है कि फडणवीस सरकार में शामिल दो मराठा क्षत्रप शिंदे व पवार संकटमोचक की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे इस मुद्दे पर अदालत की भी बड़ी भूमिका होगी। फडणवीस सरकार के सामने चुनौती होगी कि हालिया विधानसभा चुनाव में गेमचेंजर बतायी जा रही 'लाडकी बहिना' योजना के तहत बढ़ाकर दी जाने वाली बड़ी धनराशि के लिये वित्तीय संसाधन सरकार कैसे जुटाती है। चुनावी वायदे के अनुसार लक्षित महिला समूह को अब पंद्रह सौ के बजाय 2100 रुपये की राशि दी जानी है। वह भी तब जब राज्य के वित्तीय संसाधन सिमटे हैं। वहीं कृषि उत्पादों के पर्याप्त दाम न मिलने से किसानों में खासा रोष व्याप्त है। इन चुनौतियों का मुकाबला फडणवीस सरकार की प्राथमिकता होगी।

# संविधान की दिवस की रस्मी अदायगी से नहीं बदलेगी हकीकत

**संविधान का दुरुपयोग केंद्र में हर दल की सरकार ने करने की भरसक कोशिश की है। इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए देश में आपात्तकाल लगा दिया। संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाने का ऐसा मंजर भारत में कभी देखने को नहीं मिला।**

26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान पारित किया गया और अपनाया गया। इस दिन को संविधान दिवस या राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में जाना जाता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि भारत का संविधान व्यावहारिक, लचीला, और मज़बूत है। संविधान में हर समस्या का समाधान है। संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। इसके बावजूद आजादी के बाद से केंद्र हो या राज्यों की सरकारें, सभी ने संविधान में मौजूद कानूनों को अपने राजनीतिक फायदों के लिए इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। राजनीतिक दलों की सत्ता लोलुपता के कारण संविधान काफी हद तक कानून का पुलंदा बन कर रह गया। राजनीतिक दलों की मनमानी का आलम ही है कि देश आज भी गरीबी, असमानता, अपराध, जनसंख्या बढ़ोतरी, पर्यावरणीय समस्या और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। संविधान का दुरुपयोग केंद्र में हर दल की सरकार ने करने की भरसक कोशिश की है। इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए देश में आपात्तकाल लगा दिया। संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाने का ऐसा मंजर भारत में कभी देखने को नहीं मिला। इसके बाद केंद्र में लंबे अर्से तक शासन में रही कांग्रेस की सरकार ने संविधान के दुरुपयोग में कोई कसर बाकी नहीं रखी। राज्यों की सरकारों को बर्खास्त करने के लिए आर्टिकल 356 का जमकर दुरुपयोग किया गया। इंदिरा गांधी ने आर्टिकल 356 का 50 बार दुरुपयोग किया। श्रीमती गांधी ने विपक्षी और क्षेत्रीय दलों की सरकारों को गिरा दिया। केरल में वामपंथी सरकार चुनी गई, जिसे नेहरू पसंद नहीं करते थे, उसे गिरा दिया गया। करुणानिधि जैसे दिग्गजों की सरकारें गिरा दी गईं। कुल 90 बार चुनी हुई सरकारों को गिराया गया। कांग्रेस सरकार ने डीएमके और वामपंथी सरकारों को गिराया। बदनियति से संविधान के कानूनों को अपनी सुविधा के हिसाब से बदलने और लागू करने का काम सिर्फ कांग्रेस ने ही नहीं किया, बल्कि केंद्र में शासन में आने के बाद भाजपा भी इसमें पीछे नहीं रही। सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में संविधान के 99वें संशोधन और राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम को असंवैधानिक करार देते हुए इसे निरस्त कर दिया और उच्च न्यायालयों तथा सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए पुरानी कॉलेजियम प्रणाली को बहाल कर दिया। देश के लोगों की सोशल मीडिया के जरिए अभिव्यक्ति और असहमति के अधिकार को केंद्र और राज्यों के कुचलने की कोशिश को सुप्रीम कोर्ट ने नाकाम कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आईटी एक्ट की धारा 66 ए को असंवैधानिक करार दिया। अदालत ने सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और गृह सचिवों को यह सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश जारी किए कि सभी लंबित मामलों से धारा 66 ए का संदर्भ हटा दिया जाए। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि प्रकाशित आईटी अधिनियम के बेयरएक्ट्स को पाठकों को पर्याप्त रूप से सूचित करना चाहिए कि धारा 66 ए को अमान्य कर दिया गया है। इस धारा में यह प्रावधान था कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, उत्तेजक या भावनाएं भड़काने वाली सामग्री डालने पर व्यक्ति को गिरफ्तारी किया जा सकता है, लेकिन शीर्ष अदालत ने इस कानून को संविधान के अनुच्छेद 19.1.ए के तहत बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के मौलिक अधिकार के खिलाफ बताकर निरस्त कर दिया था। आरक्षण को लेकर सभी राजनीतिक दल वोटों की राजनीतिक करते रहे हैं। आरक्षण के सही प्रावधानों को लागू करने में भी नेताओं को वोटों का डर सताता रहा है। यही वजह रही है कि आरक्षण के फायदे-नुकसान पर कोई दल किसी तरह की चर्चा तक करने को तैयार नहीं होता। आरक्षण को लेकर राजनीतिक दलों ने संविधान से छेड़छाड़ करने में कसर बाकी नहीं रखी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कोटे में कोटा दिए जाने को मंजूरी दी थी। उस दौरान कोर्ट ने कहा था कि एससी-एसटी कैटेगरी के भीतर नई सब कैटेगरी बना सकते हैं और इसके तहत अति पिछड़े तबके को अलग से रिजर्वेशन दे सकते हैं। इसको लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से संसद भवन में 100 दलित सांसद मिले। इसके बाद केंद्र ने इसकी घोषणा भी कर दी कि जरूरत पड़ी तो संसद में विधेयक लाया जाएगा, पर आरक्षण के मौजूदा प्रावधानों में कोई बदलाव मंजूर नहीं होगा। हालांकि तमिलनाडु और कर्नाटक ने सुप्रीम कोर्ट के कोटे में कोटा के निर्णय पर अमल का फैसला किया। इतना ही नहीं संविधान से इतर जाकर राज्यों की सरकारों ने भी वोटों की राजनीति के लिए आरक्षण को हथियार बनाने के प्रयासों में कसर बाकी नहीं रखी। हां, कुछ राज्यों ने निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण देने का कानून बनाने की कोशिश की है। हालांकि, इन कोशिशों को संवैधानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। साल 2008 में महाराष्ट्र सरकार ने भूमिपुत्रों को 80 प्रतिशत आरक्षण देने की कोशिश की थी। साल 2019 में आंध्र प्रदेश सरकार ने निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत स्थानीय आरक्षण अनिवार्य करने वाला कानून पारित किया था। साल 2020 में हरियाणा सरकार ने निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत स्थानीय आरक्षण देने का कानून बनाया था। हालांकि, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इसे असंवैधानिक माना था। इसी तरह साल 2023 में झारखंड ने निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य करने वाला कानून पेश किया था।

कर्नाटक सरकार ने भी निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण देने का विधेयक पेश किया था। हालांकि, उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। संविधान के अनुच्छेद 16(3) के मुताबिक, संसद ही किसी खास राज्य में नौकरियों के लिए निवास की ज़रूरत तय करने का कानून बना सकती है। संविधान दिवस मनाना महज एक रस्मी रिवायत रह गई है। केंद्र के साथ राज्यों के भी कानूनों से खिलवाड़ करने के ढेरों उदाहरण मौजूद हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश में अपराधी और माफिया का दबदबा इसके उदाहरण हैं। राजनीतिक दलों ने कानून को शर्मसार करते हुए अपराधियों को संरक्षण देने का काम किया है। संविधान के कानूनों का जब तक निष्पक्षता से पालन नहीं किया जाएगा तब तक संविधान दिवस जैसे प्रयास देश की मौजूदा समस्याओं के समक्ष मुंह चिढ़ाने जैसे ही रहेंगे।

# आया मौसम गाजर का

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपियन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

- **भूमि एवं तैयारी**– अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट-भुरभुरी मिट्‌टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्‌टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।
- **बीज एवं बुवाई / समय**– मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।
- **बीज दर** – बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।
- **किस्में**– पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस
- **बीजोपचार**– गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।
- **बुवाई विधि**– गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।
- **खाद एवं उर्वरक**– सामान्यतया 25-30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30-40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।
- **सिंचाई**– बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10-12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12-15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।
- **निंदाई-गुड़ाई**– गाजर की फसल में पहली निंदाई-गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई-गुड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।
- **खुदाई**– जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।
- **पैदावार**–
  अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150-200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

# सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे

हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि

इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

- **जलवायु** – इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त** – इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया**– ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।
- **बुआई**– बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका हैं जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।
- **इसके** अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता हैं तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक- दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।
- **खाद**– ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्यूमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।
- **सिंचाई** – ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।
- **कटाई**– जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।

# पालक

**जलवायु**– यह प्रमुख रूप से सर्दी (रबी) के मौसम की फसल है। अन्य सब्जियों की अपेक्षा पालक में पाला सहने की क्षमता अधिक होती है तथा यह प्रतिकूल परिस्थितियां अधिक सहन कर सकता है। गर्मी एवं खरीफ के मौसम में भी इसकी खेती की जा सकती है परंतु अधिक गर्मी रहने पर बीज डण्ठल शीघ्र आ जाते हैं तथा सिर्फ एक ही बार पत्तियों की कटाई हो पाती है। उन क्षेत्रों में जहां अधिक गर्मी नहीं पड़ती है वहां इसे सालभर लगा सकते हैं।

**भूमि एवं खेत की तैयारी**– पालक की अच्छी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है। वैसे इसकी खेती चिकनी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है।

पालक की खेती लवणीय भूमि में भी होती है। हल्की क्षारीय मिट्टी को भी सहन कर लेती है। इसके लिए खेत की कई बार जुताई करके तथा पाटा चलाकर अच्छी तरह भुरभुरा बना लें। बुवाई पूर्व खेत में क्यारियां तथा सिंचाई की नालियां बना लें।

## उन्नत किस्में

पूसा भारती, पूसा हरित, आल ग्रीन, पूसा ज्योति, जोबनेर ग्रीन।

**खाद एवं उर्वरक**– बुवाई से 15 से 20 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 गाड़ी अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद डालकर खेत में अच्छी तरह मिला दें। बुवाई से पूर्व किलो नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस एवं 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें। नत्रजन की इतनी ही मात्रा खड़ी फसल में बराबर भागों में बांटकर पहली एवं दूसरी कटाई के बाद या आें

**बुवाई एवं बीज की मात्रा**– एक हेक्टेयर खेत की बुवाई के लिए लगभग 25 से 30 किलो बीज की आवश्यकता होती है। प्रायः बीजों को खेत में छिटकवां विधि से बोते हैं। परंतु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद होता है। इस विधि में पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौध की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर रखते हैं। बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते हैं। बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अगर नमी कम हो तो बुवाई के कुछ दिन बाद हल्की सिंचाई कर दें ताकि बीजों का जमाव ठीक प्रकार से हो सके। बीज 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।

रबी की फसल के लिए बुवाई सितम्बर मध्य से दिसम्बर मध्य तक की जा सकती है। पालक की बुवाई गर्मी तथा खरीफ के मौसम में भी की जा सकती है लेकिन इन दोनों मौसमों में बुवाई के बाद केवल एक कटाई ही लें तथा फिर दुबारा बुवाई करें। इस प्रकार इन मौसमों में बार-बार बुवाई कर इसकी खेती की जा सकती है।

**सिंचाई एवं निराई-गुड़ाई**– बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। पत्तियों की अधिक लगातार वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी हो। अतः थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। पालक की फसल में काफी सिंचाई की आवश्यकता होती है अतः मौसम, मिट्टी एवं फसल की आवश्यकतानुसार 6 से 10 दिन के अंतर पर हल्की सिंचाई करते रहें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2 से 3 निराई-गुड़ाई करना जरुरी होता है।

**कटाई एवं उपज**– पालक बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। पत्तियों को पूर्ण आकार की हो जाने के बाद जब वे पूरी तरह हरी, कोमल तथा रसीली अवस्था में हों तो जमीन की सतह से 5 से 7.5 सेंटीमीटर ऊपर से ही काट लेते हैं। इसके बाद 15 से 20 दिन के अंतर पर कटाई करते हैं। किस्म के अनुसार 6 से 8 कटाई हो जाती है। औसत उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

# ककोड़ा

ककोड़ा एक रुचिकारक गर्म, वात, कफ और पित्तनाशक सब्जी है। इसका फल कफ, खांसी, अरुचि, वात, और ह्रदयशूल को दूर करता है। उन्नत किस्में– इसकी दो प्रचलित किस्में हैं– छोटा ककोड़ा व बड़ा ककोड़ा। छोटा ककोड़ा किस्म के फल आकार में गोल व छोटे होते हैं तथा दोनों सिरे नुकीले तथा लम्बे होते हैं। बड़ा ककोड़ा किस्म के फल आकार के बड़े, कम बीज वाले व गोल होते हैं। छोटा ककोड़ा की मांग बाजार में ज्यादा रहती है। बड़ा ककोड़ा किस्म में पैदावार अधिक मिलती है।

जलवायु– इसके लिए आर्द्र तथा गरम जलवायु उपयुक्त रहती है। वृद्धि एवं उपज 32 से 40 डिग्री तापमान पर अच्छी होती है।

भूमि एवं खेत की तैयारी– साधारणतया इसके पौधे ऐसी भूमि में उगाए जा सकते हैं जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो। वैसे बलुई दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम पाई गई है। सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। हल चलाकर खेत अच्छी तरह तैयार कर ले।

लगाने की विधि– बीजों से लगाने पर फल भी 1–2 वर्ष बाद आते हैं। अत : ककोड़ा को वानस्पतिक विधि से ही उगाया जाना चाहिए। इस विधि से 2–3 माह बाद ही बेलें फल देने लगती हैं।

वानस्पतिक प्रसारण विधि– प्रथम विधि– दो वर्ष की बेल की जड़ें कन्द जैसी हो जाती हैं। जिन पर कई कंद पाये जाते हैं। कंद को अलग–अलग करने का समय फरवरी–मार्च व जून–जुलाई होता है। कंद केवल मादा पौधा ही लेने चाहिए।

द्वितीय विधि– इस विधि में मादा पौधों से 2–3 माह पुरानी बेल से 30–40 सेंटीमीटर लम्बी कतारें बनाकर किसी छायादार स्थान पर लगा दे। इन कलमों में 60–80 दिनों में जड़ें फूट जाती हैं तथा इस अवस्था में इन्हें खेत में लगा दें। इसके बाद उन्हें मिट्‌टी के साथ उठाकर खेत में प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

खाद–उर्वरक एवं रोपाई– प्रत्येक क्यारी में 30–40 किलो गोबर खाद खेत की तैयारी करते समय मिलायें। बाद में मार्च–अप्रैल में 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दें। 3×2 वर्गमीटर की दूरी पर क्यारियों, दीवारों या बाड़ के पास थाला बना ले। इनमें पौधों का कंदों को लगाएं। 4–5 मादा पौधों के साथ एक नर पौधा भी लगाना आवश्यक है। फल बनते समय पुन : 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दिया जाना चाहिए। ककोड़ा का फल नई फुटान तथा बढ़वार पर ही लगता है। अत : इनमें प्रति थांवला, प्रति वर्ष फूल आने के समय 3–4 किलो गोबर खाद तथा 20–30 ग्राम नाइट्रोजन डालकर पानी दे।

सिंचाई– ग्रीष्मकाल में साधारणतया 6–10 दिन के अंतर पर सिंचाई की जाती है। बरसात में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। वर्षाकाल में अधिक जल को फसल से निकालना आवश्यक होता है।

# बीमार हैं तो न लें अपने बच्चों की पप्पियां

डॉक्टरों ने उन लोगों को अपने बच्चों को किस यानी की पप्पी करने के लिए मना किया है, जो खुद को अस्वस्थ महसूस करते हैं। डॉक्टरों ने ये चेतावनी इसलिए दी है ताकि संभावित रूप से खतरनाक संक्रमण को रोका जा सके। यूटी हेल्थ ईस्ट टेक्सास की बाल (रोग) चिकित्सक टिफनी हिल का कहना है कि छह महीने से कम उम्र के शिशु विशेष रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं, जिसे रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस कहते हैं। खासकर ये संक्रमण बच्चों में अक्टूबर से मार्च के बीच में होते हैं।

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेनशन(सीडीसी) के मुताबिक, कुछ लोग को नाक बहना, छींकना खासी जैसी दिक्कतें रहती हैं। इन तरह की संक्रमणों गंभीर भी हो सकते हैं। इससे सांस लेने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, जिसे जल्द ठीक करना चाहिए नहीं तो यह आपके शरीर में और भी रोग पैदा कर सकता है। सीडीसी के मुताबिक, दो साल तक के ज्यादातर बच्चे रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस के शिकार हो सकते हैं। इसके साथ ही एक साल या एक साल से कम उम्र के बच्चे अगर रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस की चपेट में आते हैं तो उनके लिए यह एक गंभीर बीमारी भी बन सकती है। बच्चों में निमोनिया का खतरा भी बढ़ जाता है। बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी इसकी चपेट में आने का खतरा हो सकता है।

पीडियाट्रिशियन हिल ने बताया की जैसा कि आप जानते है की वायरस का कोई तोड़ नहीं। इसलिए बच्चे के माता-पिता को बच्चे पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए, साथ ही बच्चे को भांप दें जिससे की बच्चे को सांस लेने में कुछ हद तक आराम मिल सके और वह अपने आप को थोड़ा अच्छा महसूस करे।

सीडीसी के मुताबिक, अगर कोई रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस की चपेट में आ गया है तो उसे अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है। अगर किसी 6 महीने के बच्चे को इसका शिकार होना पड़ता है और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही है तो उसे भी अस्पताल जाने की जरूरत नहीं है। हिल ने बताया की कुछ मामले ऐसे भी आते हैं, जिनमें बच्चे ब्रिथिंग ट्यूब के साथ ठीक रहते हैं।

अगर किसी को रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस है तो यह किसी और को भी हो सकता है। यह वायरस काफी आसानी से फैल सकता है। पीड़ित के बार-बार नाक बहना, छींकना और खासी जैसी चीजों से यह किसी भी दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। यह कई बार एक-दूसरे को छुने से भी फैल जाता है। अगर किसी को रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस है तो वह बच्चों को किस न करें। ऐसा करने से बच्चों में यह वायरस जा सकता है। इसलिए सीडीसी ने चेतावनी दी है की कोई भी बच्चों को खासी, छींक या फिर नाक के बहते समय किस न करें। इसके साथ ही बच्चों को बार-बार छुने से या उनके साथ खेलने से भी बच्चों में वायरस फैल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है की जिन लोगों को खासी, छींक या फिर नाक बहने जैसी चीजें हो तो आप किसी से भी हाथ मिलाने से बचें, बच्चों से दूर रहें। जिसे वायरस है वह हाथ से नाक न साफ करें। वो या तो रूमाल का प्रयोग कर सकते हैं। साथ ही वह हाथ को भी साबून से धोएं।

बच्चे के माता-पिता को इस बात का ध्यान देना चाहिए कि अगर कोई आपके बच्चे के ज्यादा नजदीक जा रहा है तो क्या वह खासी या नाक बहना जैसी चीजों से पीड़ित तो नहीं। अगर ऐसा है तो आप अपने बच्चे को उनसे दूर रख कर अपने बच्चे को इसका शिकार होने से बच्चा सकते हैं। यह आपके बच्चे के लिए और उसके स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा।

## चिल्का रोटी

### सामग्री

- चावल: 1 1/2 कप
- चना दाल: 3/4 कप
- नमक: स्वाद के अनुसार

### विधि

रोटी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में चावल और चने की दाल को रातभर भिगोकर रख दें। सुबह पानी निकालकर छान लें। सुबह इसे ग्राइंडर जार में डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब एक बर्तन में पेस्ट डालें और इसमें नमक मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करने के लिए रख दें। अब हल्का-सा तेल लगाकर तवे को चिकना कर लें। अब पेस्ट का एक चम्मच तवे पर फैला दें और हल्का ब्राउन होने तक सिंकने दें। इसी तरह से दूसरी तरफ भी हल्का तेल लगाकर सेंक लें। इसी तरह सारी रोटियां सेंक लें। तैयार है चिल्का रोटी। इसे चटनी के साथ सर्व करें।

## एंटी पॉल्यूशन सूप

### सामग्री

- 4 आंवला
- 1 ब्रोकली
- 1 शिमला मिर्च
- 1 गाजर
- मूली: 1/2 कप
- 1 टमाटर
- कच्ची हल्दी: 2 टेबलस्पून / हल्दी पाउडर: 1/2 टीस्पून (ऑप्शनल)
- अलसी पाउडर: 2 टेबलस्पून
- काला नमक: 2 टेबलस्पून
- काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून

### विधि

Anti Pollution Soup बनाने के लिए सबसे पहले सब्जियों को अच्छी तरह धो लें। इसके बाद सब्जियों को काटकर रख लें। मीडियम आंच पर प्रेशर कुकर में सारी सब्जियां, हल्दी पाउडर, अलसी पाउडर, काली मिर्च पाउडर, काला नमक, ऑलिव ऑयल और 4 कप पानी डालकर 2 सीटी आने तक पका लें। अब कुकर खोलकर छलनी से सूप को छान लें। सूप को कटोरी में डालकर सर्व करें। उबली हरी सब्जियों से मनपसंद सब्जी बना लें या फिर पराठे भी बना सकते हैं। आप चाहें तो पुलाव में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। हरी सब्जियों को वेजिटेबल सलाद के तौर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी क्षुब्धता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मक्षुब्धतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

## काकुरो पहेली - 2672

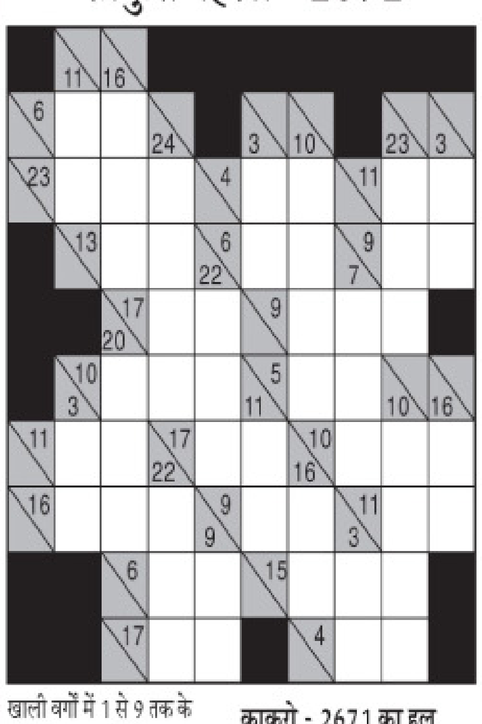

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

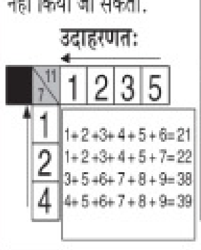

### काकुरो - 2671 का हल

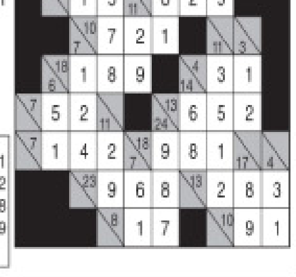

## हंसी के फूव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

□ □ □

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है,कुंवारी बोली.

□ □ □

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा-मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

□ □ □

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

□ □ □

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 2672

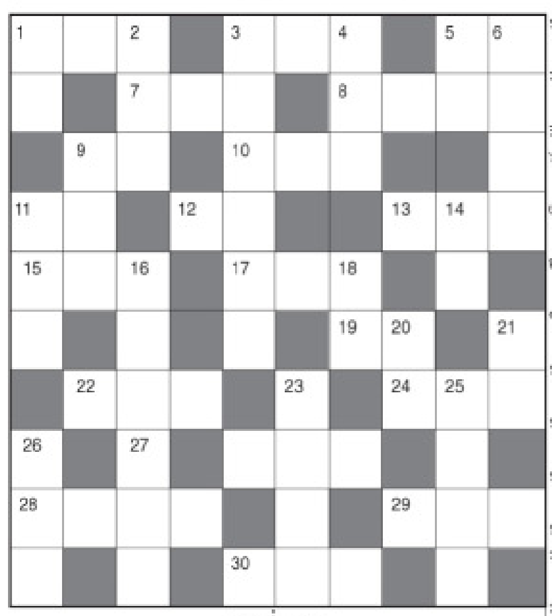

### बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निराली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

### ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुम्रा तुम्रा तक तक तुम्रा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली- 2671

## सूडोकु -2672

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | | | 6 | | | | |
| | | | | | 5 | | | |
| | | 9 | | | | 7 | | 3 |
| | 1 | | | 8 | | | | 2 |
| | | | 7 | | 4 | | | |
| 6 | | | | 3 | | | 8 | |
| 5 | | 7 | | | | 4 | | |
| | | | 8 | | | | | |
| | | | | 1 | | | 6 | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2671 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 4 | 5 | 3 | 1 | 8 | 7 | 6 | 2 |
| 1 | 8 | 6 | 7 | 2 | 5 | 4 | 9 | 3 |
| 2 | 7 | 3 | 9 | 4 | 6 | 8 | 1 | 5 |
| 6 | 3 | 9 | 1 | 7 | 4 | 2 | 5 | 8 |
| 5 | 2 | 4 | 8 | 9 | 3 | 6 | 7 | 1 |
| 7 | 1 | 8 | 6 | 5 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 4 | 6 | 7 | 5 | 8 | 1 | 3 | 2 | 9 |
| 8 | 9 | 1 | 2 | 3 | 7 | 5 | 4 | 6 |
| 3 | 5 | 2 | 4 | 6 | 9 | 1 | 8 | 7 |

## शब्द पहेली -2672

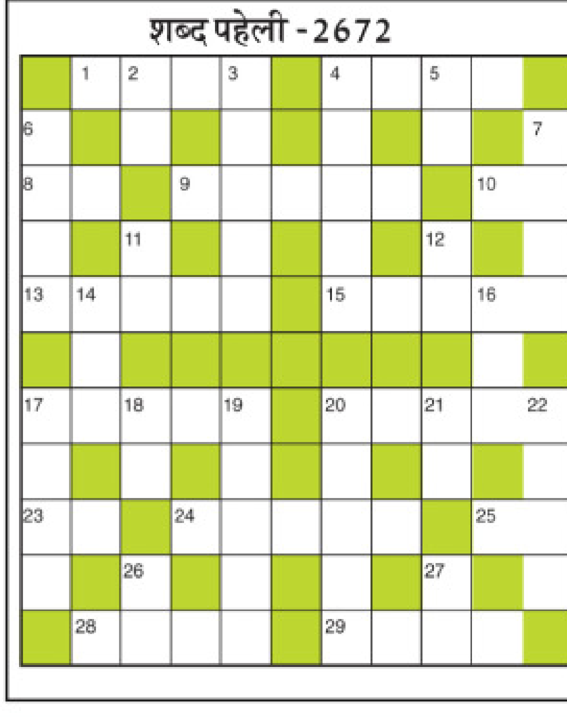

### बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

### ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

### शब्द पहेली -2671 का हल

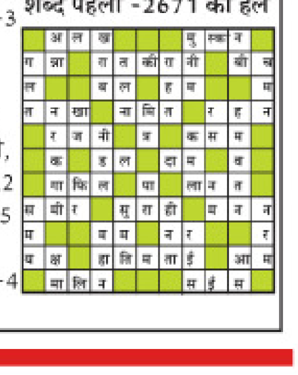

## सीबीआई ने छत्तीसगढ़ पीएससी की पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक को किया गिरफ्तार

एजेंसी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ पीएससी में गड़बड़ी की जांच कर रही सीबीआई ने पूछताछ के बाद तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक रहीं आरती वासनिक को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई दो दिनों से आरती वासनिक से पूछताछ कर रही थी। सीबीआई ने दो दिन पहले आरती वासनिक के राजनांदगांव स्थित आवास पर छापे मारे थे, जिसमें कुछ अहम सबूत मिले हैं। इसी आधार पर सीबीआई ने आरती वासनिक को आज गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने अपनी जांच में पीएससी के तत्कालीन चेयरमैन आईएएस टामन सोनवानी और व्यवसायी श्रवण गोयल को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है जो अभी न्यायिक हिरासत में जेल में है।

## कोर्ट ने सुखबीर के हमलावर को तीन दिन के लिए फिर रिमांड पर दिया, हथियार बरामदगी को लखीमपुर ले जाएगी पुलिस

**चंडीगढ़।** पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हमला करने वाले नारायण सिंह चौड़ा को अमृतसर की कोर्ट ने फिर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर दिया है। पुलिस आरोपित चौड़ा के कुछ हथियार की बरामदगी के लिए उसे उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी ले जाएगी। दरअसल, 4 दिसंबर को दरबार साहिब के गेट पर सेवादार का चोला पहनकर बैठे सुखबीर सिंह बादल पर नारायण सिंह चौड़ा ने फायरिंग कर दी थी। इसके बाद आरोपित को गिरफ्तार कर लिया था। प्रथम रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद नारायण सिंह चौड़ा को रविवार को अमृतसर की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में पुलिस ने आरोपित को 10 दिन के रिमांड की मांगी। पुलिस ने कोर्ट में बताया कि चौड़ा की तरफ से माना गया है कि कुछ हथियार उन्होंने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में रखे हैं। जिन्हें रिकवर करवाने की जरूरत है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपित को फिर तीन दिन का रिमांड दिया। इस मामले में पुलिस नारायण सिंह चौड़ा के दोनों बेटों जगजीत सिंह बाजवा और बलजिंदर सिंह बाजवा से भी घंटों पूछताछ कर चुकी है।नारायण सिंह चौड़ा के दोनों ही बेटे पेशे से वकील हैं और दोनों उनकी पैरवी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि एक मामले में अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने 2 दिसंबर को सुखवीर सिंह और अन्य कई लोगों को धार्मिक सजा सुनाई थी। इस पर 4 दिसंबर को धार्मिक सजा के अनुसार सुखबीर बादल जब दरबार साहिब के बाहर सेवादार का चोला पहनकर बैठे थे तभी नारायण सिंह चौड़ा ने उन पर गोली चला दी थी।

## बॉर्डर पर खड़े बीएसएफ जवानों पर किसी को सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं : शाह

**जोधपुर।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नेबीएसएफ के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि सीमा सुरक्षा बल 'फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस' के नाम से जानी जाती है। इन्हीं के भरोसे अजेय भारत का विश्वास 140 करोड़ भारतवासियों के दिलों में पैदा हुआ है। इसका पूरा श्रेय सीमा पर खड़े हुए बीएसएफ जवानों को जाता है और किसी को इन पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि सीमा से जब भी कोई अप्रिय घटना की सूचना आती है तो गृह मंत्री को जरा भी चिंता नहीं होती। यही भरोसा रहता है कि हमारे बीएसएफ के जवान निपट लेंगे।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस (राइजिंग डे) परेड में शामिल हुए। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। गृह मंत्री को सुबह बीएसएफ की जीप में एसटीसी स्थित परेड ग्राउंड के मुख्य मंच तक लाया गया। गृह मंत्री ने कहा कि जवान अपने जीवन का स्वर्णकाल माइनस 43 डिग्री के तापमान से लेकर प्लस 43 डिग्री टेम्प्रेचर तक के वातावरण में बिताता है।

## राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट : मंत्रियों ने कहा -राजस्थान के लिए यह सुनहरा पल

**जयपुर।** राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का उद्घाटन कुछ ही समय बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। प्रधानमंत्री इन्वेस्टमेंट समिट के मुख्य अतिथि हैं और उद्घाटन के बाद वो कार्यक्रम में मौजूद लोगों को सम्बोधित भी करेंगे।राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा, यहां संभावनाएं बहुत है। सभी निवेशकों में उत्साह है...राजस्थान के लिए यह सुनहरा पल है...पर्यटन में बहुत सारा निवेश आएगा...हर प्रकार का पर्यटन राजस्थान में बढ़ने वाला है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट पर राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की जो सोच और विजन है, उसको आगे बढ़ाते हुए हमारी राजस्थान सरकार ने जो पहले ही साल में इन्वेस्टमेंट का कदम उठाया, इसे निश्चित रूप से हम धरातल पर उतार पाएंगे और राजस्थान में अपार संभावनाओं को देखते हुए बहुत सारे निवेशक यहां आ रहे हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट पर राजस्थान सरकार के मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा, ÷आज राजस्थान के लिए एक बड़े बदलाव की शुरुआत है। प्रधानमंत्री मोदी के आशीर्वाद से देश से ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया से बिजनेस लीडर्स, जो आज तक दूसरे राज्यों में बिजनेस करते थे, दूसरे देशों में जाते थे, आज राजस्थान ने अपने दरवाजे खोले हैं लालफीताशाही को हटाकर रेड कार्पेट बिछाया हैं। हमें विश्वास है कि हमारा संकल्प है कि राजस्थान का हर युवा किसान और हर महिला के हाथ में काम आएगा, बिजनेस बढ़ेगा और आर्थिक मजबूती बढ़ेगी।

# भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएँ और आदर्श समूचे समाज के प्रेरणास्त्रोतः मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण विराट व्यक्तित्व के धनी थे। भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म से लेकर मृत्यु तक अपनी लीलाओं और आदर्शों के माध्यम से समूचे समाज को प्रेरणा दी है। संसार का एकमात्र सत्ता परिवर्तन ऐसा हुआ जब सत्ताधीश कंस को मारने के बाद श्रीकृष्ण सत्ताधीश बनाने के बजाय उज्जैन आकर शिक्षा ग्रहण कर शिक्षा की महत्ता सिखाते हैं। वृंदावन छोड़ने के बाद भी उन्होंने गांव की संस्कृति के महत्व को दर्शाते हुए मोर मुकुट लगाना नहीं छोड़ा। पांच हजार वर्षों बाद भी कल्पनाशीलता के आधार पर जनमानस को प्रभु की लीलाओं का साक्षी बनाने का कार्य राजाधिराज लव.लाइफ.लीला नाटक का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रविवार देर शाम दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में धनराज नाथवानी कृत राजाधिराज लव- लाइफ- लीला के म्यूजिकल एल्बम विमोचन कार्यक्रम को संबोधित का रहे थे। उन्होंने इस मौके पर राजाधिराज लव-लाइफ- लीला के म्यूजिकल एल्बम का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धनराज और भूमि नाथवानी सहित पूरी टीम को इस संगीतमय प्रस्तुति की लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। राजाधिराज लव-लाइफ-लीला भगवान श्रीकृष्ण के जीवनलीलाओं का चित्रण करता एक सुपरहिट मेगा म्यूजिकल नाटक है। इस नाट्य के गीतकार प्रसून जोशी, संगीतकार सचिन-जिगर, निर्माता भूमि नाथवानी और निर्देशक श्रुति शर्मा हैं।

नाट्य में भारतीय शास्त्रीय और पश्चिमी सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा का सम्मोहक मिश्रण है, जिसमें मंच अभिनेताओं द्वारा लाइव गायन किया गया है। हवेली संगीत, राजस्थानी और गुजराती लोक, सपकरा, रास गरबा और हिंदुस्तानी अर्ध-शास्त्रीय संगीत जैसी कई शैलियों पर आधारित संगीत और कत्थक, रास गरबा, भरतनाट्यम, छऊ और कलारी जैसी नृत्यकलाओं को इस नाट्य में सम्मिलित किया गया है।

## डॉ उदय जोशी बने सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी

**अमृतसर।** सहकार भारती के आठवें राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन के अंतिम सत्र में निर्वाचन की प्रक्रिया के माध्यम से सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री के पद का चुनाव हुआ जिसमें डॉ उदय जोशी जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा दीपक चौरसिया को राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया। चुनाव अधिकारी के नाते सहकार भारती के संरक्षक श्री रमेश वैद्य ने सत्र का कार्यभार संभाला। परिचर्चा सत्र में सहकार भारती द्वारा महादेव हरि अन्ना साहब गोडबोले स्मृति प्रथम पुरस्कार मुल्कनूर कोआपरेटिव सोसाइटी को प्रदान किया गया जिसे चेयरमैन प्रवीण रेड्डी ने इफको के एमडी उदयशंकर अवस्थी से ग्रहण किया। इस सत्र में इफको के मार्केटिंग डायरेक्टर योगेन्द्र कुमार ने नैनो उर्वरक के प्रयोग पर विस्तार पूर्वक चर्चा की साथ ही उदयशंकर अवस्थी ने सहकारिता के माध्यम से रोजग़ार सृजन पर विचार रखा। नैकोफ के श्रीराम इकबाल ने भी सहकार भारती के कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए अधिक से अधिक समितियों के निर्माण करनेपर बल दिया। कार्यकर्ता निर्माण,कार्य पद्धति एवं कार्यकर्ता विकास इस विषय पर प्रकाश पाठक द्वारा सहकार भारती के कार्यकर्ताओं को पाथेय प्रदान किया गया। प्रस्ताव सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री डॉ.उदय जोशी ने 26 सूत्रीय चार प्रस्ताव प्रस्तुत किए जो सर्वसम्मति से पारित हुए। प्रथम प्रस्ताव सहकारी क्षेत्र में कानूनों का आधुनिकरण तथा सहकारी समितियों को आर्थिक उद्यम के रूप में स्वतंत्रापूर्वक कार्य करने में सक्षम बनाने पर केन्द्रित था। दूसरा प्रस्ताव सहकारी आंदोलन के विकास के लिए प्रशिक्षण, शिक्षा और जागरूकता पर रहा।

# बीएसएफ ने देश की 'फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस' को मज़बूत किया : शाह

एजेंसी

**जोधपुर।** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सुरक्षा परिदृश्य में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है और इसमें हमारे सीमा सुरक्षा बल के जवानों का योगदान स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जाएगा। छह दशकों से साहस, शौर्य और बलिदान के बल पर ही सीमा सुरक्षा बल ने देश की 'फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस' को मज़बूत करने का काम किया है। बीएसएफ ने सीमा पर आने वाली सभी चुनौतियों का मुकाबला कर देश की सुरक्षा की प्रथम पंक्ति को सशक्त किया है।केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। शाह परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। गृह मंत्री ने कहा कि आठ दिसंबर 1965 से लेकर आज तक निरंतर देश की पूर्वी और पश्चिमी सीमा को सुरक्षित रखने का बीएसएफ का रिकॉर्ड शानदार रहा है। बीएसएफ के 1992 जवानों ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया है, जिसके लिए देश की जनता सदैव उनकी ऋणी रहेगी। छह दशकों से सीमा सुरक्षा बल ने हमारी सुरक्षा को चाक-

चौबंद रखा है। देश की बढ़ती सुरक्षा ज़रूरतों को बीएसएफ के बिना पूरा करना असंभव है इसीलिए 25 बटालियन से शुरू हुआ ये बल आज 193 बटालियन तक पहुंच गया है। शाह ने कहा कि दो लाख 70 हज़ार जवानों की संख्या वाला ये विश्व का सबसे बड़ा सीमारक्षक बल है। बीएसएफ ने 2024 में भी जाली मुद्रा, नारकोटिक्स, घुसपैठ और वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ने का अपना रिकॉर्ड अनेक अभियानों के माध्यम से बरकरार रखा है। देश की प्रथम रक्षा पंक्ति के रूप में 1992 सीमा प्रहरियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है और अब तक उनमें से 1330 जवानों को पदक दिए गए हैं। इनमें एक महावीर चक्र, छह कीर्ति चक्र, 13 वीर चक्र, 13 शौर्य चक्र, 56 सेना मैडल और 1241 पुलिस पदक शामिल हैं। अमित शाह ने कहा कि कई साल तक सीमा सुरक्षा की हमारी नीति धुंधली सी थी। उन्होंने कहा कि अटलजी के कार्यकाल में सीमा प्रबंधन पर इंटीग्रेटेड अप्रोच के साथ एक सीमा एक बल की नीति को नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद और ज़्यादा स्पष्ट किया गया है।

# हिमाचल में बदला मौसम, पहाड़ी इलाकों में ताजा बर्फबारी

एजेंसी

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम का मिजाज बदल गया है। राज्य के उच्च पर्वतीय व पहाड़ी क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू, शिमला, सिरमौर और चम्बा जिलों के ऊंचे क्षेत्रों में बर्फ गिर रही है। अटल टनल रोहतांग में भी बर्फबारी जारी है। कुल्लू जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए सैलानियों व लोगों से मौसम के दौरान ऊंचे स्थानों का रुख न करने की अपील की है। शिमला जिला के चौपाल में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। इससे बागवानों व पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिल गए हैं। यहां लोगों को लंबे समय से बर्फबारी का इंतजार था। इसी तरह शिमला से सटे ठियोग और नारकंडा में भी हल्की बर्फबारी हो रही है। वहीं शिमला शहर में सर्द हवाएं चल रही हैं, जिससे लोग ठिठुर रहे हैं। सिरमौर जिला के चूड़धार में भी बर्फबारी हो रही है। देर रात राज्य के ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी होने का अनुमान है। इस बर्फबारी से पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय निवासियों में भी खुशी की लहर दौड़ गई है। यह बर्फबारी

पर्यटन के लिहाज से अहम मानी जा रही है। इससे पहाड़ी इलाकों में सर्दी का असर भी बढ़ गया है। हालांकि राज्य के मैदानी इलाकों में मौसम सामान्य बना हुआ है और यहां बारिश की कोई संभावना नहीं है। हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, ऊना और मंडी जिलों में मौसम शुष्क बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे यानी नौ दिसम्बर को पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी इलाकों में वर्षा होने की संभावना है। 10 दिसम्बर को मैदानी इलाकों में मौसम साफ रहेगा, जबकि उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। 11 से 14 दिसम्बर तक मौसम के पूरी तरह साफ रहने की उम्मीद है। राज्य के मैदानी व मध्यवर्ती भागों में मौसम की बेरुखी ने किसानों-बागवानों को परेशानी में डाल दिया है। सवा दो माह से बारिश न होने से फसलों व फलों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। किसानों को गेहूं की फसल के सूखने का डर सता रहा है। कई जगह तो किसान बारिश के इंतजार में गेहूं की बिजाई भी नहीं कर पाए है। बादलों के न बरसने से पेयजल परियोजनाओं में जलस्तर घट रहा है। जलविद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन भी प्रभावित हो रहा है।

# महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चलेंगी तीन हजार ट्रेनें: रेल मंत्री

एजेंसी

**प्रयागराज।** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महाकुंभ को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए रेलवे ढाई वर्ष से कार्य कर रहा है। इसके लिए अब तक लगभग पांच हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके है। श्रद्धालुओं को आने एवं जाने में कोई समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

इसके लिए 523 टिकट काउंटर बनाए गए है। सात से अधिक नए प्लेटफार्म का निर्माण कराया गया है। महाकुंभ के दौरान तीन हजार ट्रेनों का चलाया जाएगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रविवार को यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। रेल मंत्री वैष्णव झूंसी रेलवे स्टेशन और नए रेलवे पुल का निरीक्षण करने प्रयागराज पहुंचे हैं। रेल मंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं को सकुशल लाने एवं ले जाने के लिए तीन हजार स्पेशल ट्रेनों का

संचालन किया जाएगा। टिकट काउंटरों की संख्या में वृद्धि की गई है, ताकि भीड़ का दबाव न बढ़ने पाए। उन्होंने कहा कि रेलवे लगभग दो करोड़ श्रद्धालुओं को यात्रा कराएगा। यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। यात्रियों को किसी प्रकार से असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए नए प्लेटफार्म भी बनाए गए हैं।उन्होंने कहा कि प्रयागराज में पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे के कार्यों में किसी प्रकार की कोई समस्या न हो इसके लिए समन्वय की व्यवस्था की गई है।

इसके साथ ही तीनों रेलवे जोन का बेहतर समन्वय बना रहे इसका पूरा ध्यान दिया गया है। यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर 7 से अधिक प्लेटफार्म नए बनाए गए हैं। इसके साथ ही 23 से अधिक होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, स्टेशन के दोनों तरफ यात्रियों के रुकने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि रिंग सर्किट का निर्माण किया गया है। प्रयागराज क्षेत्र में 21 रेलवे फ्लाईओवर और रेल अंडर पास बनाए गए हैं।

## बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उप संचालक वर्मा को मिला टीओएफटी अवार्ड

एजेंसी

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित प्रसिद्ध बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा को जलवायु संरक्षण थीम के अंतर्गत प्रतिष्ठित टीओएफटी अवार्ड प्राप्त हुआ है। टीओएफ टाइगर्स ट्रेवल अवार्ड संस्था ने रविवार को नई दिल्ली में उन्हें उप विजेता के रूप में सम्मानित किया। वर्मा ने इस अवार्ड को टाइगर रिजर्व के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में उप संचालक के पद पर पदस्थ वर्मा को अखिल भारतीय स्तर पर वन्य-जीवन संरक्षण से जुड़ी संस्था टीएफटी द्वारा ऑफ द ईयर-2024 अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्मा 2014 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं। इन्हें यह सम्मान कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पदस्थापना के दौरान चीता प्रोजेक्ट की सफलता के साथ जैव विविधता संरक्षण, प्रजातियों के परिचय और प्रभावी वन अग्नि प्रबंधन, शांतिपूर्ण व्यवस्थापन, वन्य-जीव संरक्षण के कार्य में कम्युनिटी को जोड़ने में अग्रणी कार्यों

के लिये प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि टीएफओटी एक स्वयंसेवी संस्था है, जिसका गठन वर्ष 2004 में वन्य-जीव संरक्षण, पर्यटन, प्लास्टिक मुक्त जंगल, बाघों के संरक्षण में योगदान जैसे उद्देश्यों को लेकर किया गया है। संस्था अखिल भारतीय स्तर पर कार्यरत है। टाइगर रिजर्व में संसाधन मुहैया कराने के साथ यह संस्था वन्य-जीव संरक्षण से जुड़े लोगों को हर वर्ष सम्मानित भी करती है।

# अगर कोई विवाद होता तो प्रधानमंत्री दस साल ख्वाजा साहब की दरगाह पर चादर नहीं भेजते : जमाल सिद्दीकी

एजेंसी

**अजमेर।** भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि अजमेर दरगाह में हमारे हिन्दू भाइयों का इतना सम्मान होता है कि वहां लंगर में कभी नॉनवेज नहीं बनता है। ख्वाजा साहब ने हिंदुत्व के रंग को अपनाया है। उनका झंडा भगवा है। देश विरोधी ताकतें भारत की एकता और अखंडता देख नहीं सकतीं। सूफी साहब का दर सबके लिए खुला है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी रविवार को अजमेर दरगाह में जियारत करने आए थे। इस दौरान उन्होंने अजमेर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जो लोग अभी तक मुसलमानों

को वोट बैंक समझते आए, इस्तेमाल करते आए, दंगा करवाकर, उनको डरा कर हमेशा उनको पीछे रखते थे। भाजपा ने 10 सालों में उनके विचारों को बदल दिया है। महाराष्ट्र में चुनाव हुआ। इनमें 38 सीटें ऐसी हैं, जहां पर मुसलमान ज्यादा हैं लेकिन भाजपा जीती है। सिद्दीकी ने कोर्ट में वाद दायर करने वाले विष्णु गुप्ता को लेकर कहा कि क्या विष्णु गुप्ता 800 साल के बाद भारत में पहला ऐसा विद्वान पैदा हुआ है, जिसमें इतना ज्ञान आ गया है कि वहां (अजमेर दरगाह) मंदिर था? क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंटेलीजेंस फेल रही, जो पता नहीं कर पाई। इससे पहले हिन्दू भाई शासक रहे, क्या वो समझ नहीं पाए। यह जो देश को तोड़ने की साजिश कर रहा है, यह दिख रहा है कि किसी के हाथों में खेल रहा है। विदेशी ताकतों व विपक्ष से मिलकर देश को कमजोर कर रहा है। इसका कहीं न कहीं नुकसान उसको (विष्णु गुप्ता) होगा। सिद्दीकी ने कहा कि यूपी के उपचुनाव में रामवीर एक लाख से ज्यादा वोट से जीते। ये जो हिन्दू मुस्लिम की एकता हो रही है और प्रधानमंत्री से लोग उम्मीद कर रहे हैं। आज विश्व जिस प्रकार जल रहा है, वहां अमन व शांति कायम कर सकता है तो वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। जो मोदी को कमजोर करने की कोशिश कर रहे है, वे मुंह की खाएंगे। सिद्दीकी ने कहा कि अगर कोई विवाद होता तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दस साल यहां अकीदत के फूल और चादर नहीं भेजते। यह उनकी आस्था थी, कोई तुष्टिकरण नहीं। प्रधानमंत्री किसी दबाव या खुश करने के लिए काम नहीं करते। पीएम वो ही काम करते हैं जो देश के लिए अच्छा हो। कुछ लोग भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। भारत ही नहीं बल्कि विश्व के लोग भी प्रधानमंत्री से अमन चैन की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

## गांवों व किसानों को समृद्ध करना जरूरी : गडकरी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश की तरक्की के लिए गांवों के किसान-मजदूरों को समृद्ध करना जरूरी है। हमारे देश की उन्नति में 12 से 14 प्रतिशत उन्नति खेतीबाड़ी व सहयोगी इंडस्ट्री से आती है। नितिन गडकरी पंजाब के अमृतसर में सहकार भारती के राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि देशभर से आए हुए प्रतिनिधियों को रविवार संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 22 से 24 फीसदी ग्रोथ मैन्युफैक्चर और 52 से 54 प्रतिशत ग्रोथ सर्विस सेक्टर से आती थी। स्वाधीनता आंदोलन की शुरूआत में 90 फीसदी आबादी गांवों में रहती थी, लेकिन अब गांवों में लोग नहीं रह रहे हैं। 30 फीसदी आबादी गांवों से निकल कर बड़े शहरों में चली गई है। अमृतसर में सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर और राष्ट्रीय महामंत्री

डॉ.उदय जोशी की अध्यक्षता में आयोजित अधिवेशन में नितिन गडकरी ने कहा कि बड़े शहरों में लोग झोपड़-पट्टी में रह रहे हैं। वह मजबूरी में शहरों में गए, क्योंकि वहां अच्छे घर व सुविधाएं नहीं थी। हमारे किसान व मजदूरों की हालत अच्छी नहीं है। अगर आज हमें आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है तो गांव, गरीब, किसान, मजदूर और को ग्रामीण व कृषि एवं जंगल के क्षेत्र को समृद्ध करना होगा। गडकरी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में नई तकनीक आ रही हैं। अगर गांवों का उद्धार करना है तो सहकार क्षेत्र की प्रथमिकता में किसानों को रखें। यह कठिन है, लेकिन असंभव नहीं है। हमारा किसान अब अन्नदाता नहीं है, वह ऊर्जा दाता हो गया है, ईंधन दाता है। ग्रीन ऊर्जा आधारित तकनीक को बढ़ावा देने की वकालत करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब सीएनजी में बसें आ रही हैं ।

## बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में बिजनौर में हुई महासभा, संतों ने की कार्रवाई की मांग

एजेंसी

**बिजनौर।** बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न और हमलों के विरोध में उत्तर प्रदेश के बिजनौर में महासभा हुई। खोखरा ग्राउण्ड में हुई महासभा में उमड़े जनसैलाब को सम्बोधित करते हुए जूना अखाड़े की महामण्डलेश्वर यति योगेश्वरी ने बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं परलगातार हो रहे अत्याचार और हमलों की कड़ी निंदा की। साथ ही बांग्लादेश को अराजकता व आतंकियों, कट्टरपंथियों के हवाले करने वाले वहां के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस का नोबल पुरष्कार वापस लेने और यूएनओ को हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के बारे में संज्ञान लेते हुए बांग्लादेश के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर ज्ञानी सुखचैन ग्रंथि ने कहा कि हिंदू धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर सहित सभी गुरुओं ने बलिदान दिए हैं। आज भी आवश्यकता पड़ने पर सभी सिख हिंदुओं के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि बाग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार नाबर्दास्त काबिल हैं। सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। नजीबाबाद गुरुकुल से आई युवा संन्यासी रिया कुमारी ने कहा कि आतंकी या कट्टरपंथी चीज और भाषा में समझ सकते हैं। उन्हें भाषा में उन्हें समझाने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने तेजस्वी उद्बोधन में कहा कि जिनके जीवन में युद्ध नहीं वह बहुत अभागे होंगे या तो उन्होंने प्रण छोड़ा होगा, या वो रण से भागे होंगे। राजयोगी ब्रह्मकुमारी साधना ने सभी से दृढ़ संकल्प के साथ जागृत रहने की अपील की। महाराज नरेन्द्रानन्द जी ने देश के लिए जीयेगें मरेंगे के वचन का पालन करने के लिए अपील की। इसमें सभी धर्मों के धर्माचार्य बड़ी संख्या में पहुंचे । महासभा की अध्यक्षता महामण्डलेश्वर यति योगेश्वरी और संचालन काव्य शैली के अन्तरराष्ट्रीय कथावाचक नरेन्द्रानन्द जी महाराज ने किया।इसके बाद जूना अखाड़े की महामण्डलेश्वर यति योगेश्वरी ने नेतृत्व में जनसमूह बाजार के मुख्य मार्ग से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचा और जिलाधिकारी अंकित अग्रवाल को ज्ञापन दिया।

## हरिद्वार में अनूठे मंदिर का शिलान्यास, यहां होंगे 51 शक्तिपीठ और द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन

एजेंसी

**हरिद्वार।** धर्मनगरी हरिद्वार जल्द ही विश्व की सबसे भव्य और अनूठी आध्यात्मिक धरोहर का केंद्र बनने जा रही है। यहां 51 शक्तिपीठ और द्वादश ज्योतिर्लिंग एक ही स्थान पर स्थापित की योजना है, जो दुनियाभर के श्रद्धालुओं के लिए आस्था और भक्ति का अभूतपूर्व संगम होगा। लगभग 35 करोड़ की लागत से बनने वाला यह मंदिर भारतीय संस्कृति और धार्मिक एकता का ऐसा प्रतीक होगा, जो संपूर्ण विश्व में अपनी मिसाल कायम करेगा।हरिद्वार के श्यामपुर और कांगड़ी क्षेत्र में संत ललितानंद गिरि महाराज व समाजसेवी देवराज पवार ने भूमि पूजन कर इस अद्वितीय मंदिर की आधारशिला रखी। भूमि पूजन के अवसर पर शक्त अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पीठाधीश्वर श्यामा नंद महाराज भी उपस्थित रहे। इस परियोजना की कुल लागत 35 करोड़ आंकी गई है, जिसे जनसहयोग और श्रद्धालुओं के दान से पूरा किया जाएगा।इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि देवी सती के 51 अंगों से जुड़े शक्तिपीठ, जो भारत और अन्य देशों में स्थित हैं, यहां एक ही स्थान पर स्थापित होंगे। इस मंदिर में भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन भी इसी मंदिर में हो सकेंगी।पूरी दुनिया में ऐसा कोई स्थान नहीं है, जहां देवी के सभी शक्तिपीठ और भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंग एक साथ स्थापित हों। समर्पण और सहयोग की अपीलआचार्य ललितानंद ने इस मंदिर निर्माण को जनसहयोग पर आधारित बताया और देशवासियों से इसे साकार करने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह मंदिर न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक होगा, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का वैश्विक मंच बनेगा। आध्यात्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावायह परियोजना हरिद्वार को धार्मिक पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। शक्तिपीठ और ज्योतिर्लिंगों का एक स्थान पर होना तीर्थयात्रियों को अत्यधिक आकर्षित करेगा।

# दुनिया के सबसे रोमांचक एडवेंचर सीडार प्वाइंट

**अमेरिका में ओहियो राज्य के सेंडस्की स्थित लेक ऐली प्रायद्वीप में सीडार प्वॉइंट 364 एकड़ में बना विशाल अम्यू जमेंट पार्क है। तरह-तरह की मनोरंजक विशेषताएं लिए यह पार्क वर्ष 1870 में खुला था। यह दुनिया का दूसरा सबसे पुराना अम्यूजमेंट पार्क है। इससे पहला पार्क लेक कंपाउंस है। इसका निर्माण सीडार फेयर इंटरटेनमेंट कंपनी द्वारा किया गया जो इसका संचालन करती है। यही कंपनी इसकी मालिक भी है।**

सीडार प्वाइंट को अमेरिका का रोलर कोस्ट भी कहा जाता है क्योंकि यहीं दुनिया के सबसे ज्यादा रोलर कोस्टर और झूले (राइड्स) हैं। इनकी संख्या 72 है जो कि एक विश्व कीर्तिमान है। इसमें 17 रोलर कोस्टर्स भी शामिल हैं जो इसे दुनिया का सबसे ज्यादा रोलर कोस्टर्स वाला तीसरा पार्क बनाता है। चार रोलर कोस्टर्स की ऊंचाई 200 फुट से भी ज्यादा है।

मुख्य सीडार प्वाइंट को देखने के लिए एक पूरा दिन चाहिए। यदि यहां मौजूद सभी आकर्षणों को देखना हो तो कम से कम दो दिन जरूरी हैं। हर साल सीडार पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या करोड़ से भी ऊपर है।

सीडार प्वाइंट में दुनिया के कई सबसे ऊंचे और तेज झूले भी हैं जैसे कि टॉप थ्रिल ड्रैगस्टर और मिलेनियम फोर्स। इनके बारे में कहा जाता है कि इनसे मिलने वाला अनुभव और कहीं नहीं मिलता। जो लोग रोमांच और एडवेंचर की तलाश में रहते हैं, उनके लिए सीडार प्वाइंट से बेहतर जगह और कोई नहीं।

सीडार प्वाइंट को अकसर दुनिया का सबसे बड़ा अम्यूजमेंट पार्क भी कहा जाता है। वर्ष 2008 में इसे लगातार 11वें वर्ष भी दुनिया का सर्वश्रेष्ठ अम्यूजमेंट पार्क का खिताब दिया गया। हालांकि सीडार प्वाइंट का मुख्य आकर्षण यहां मौजूद रोलर कोस्टर्स का विशाल संकलन है। बावजूद इसके, यहां झूले और अन्य आकर्षण भी कम नहीं है जैसे कि किड्डी राइड्स, वाटर राइड, म्यूजिकल शोज, आइस स्केटिंग शो आदि। इस पार्क का एक विशेष आकर्षण ऐरी झील का 1.6 किलोमीटर लंबा शानदार तट है जो यहां शुरू से ही पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है।

# खून का प्यासा पिस्सू

पिस्सू बिना पंखवाले छोटे कीट हैं जिनकी औसत लंबाई 2 मिलीमीटर होती है। पिस्सू गरम खूनवाले जीवों में परजीवी के रूप में रहकर उनका खून चूसते हैं। मनुष्यों के अलावा वे चूहों, पक्षियों, सूअरों, कुत्तों तथा अन्य जानवरों पर अपनी कृपा दृष्टि बरसाते हैं। उनके शरीर की रचना इस भूमिका के लिए खास उपयुक्त होती है। मेजबान जीव की खाल अथवा परों के बीच से आने-जाने में सहूलियत के लिए उनका शरीर दोनों बग़लों से चपटा होता है, यानी लंबाई और ऊंचाई की तुलना में उनकी चौड़ाई बहुत ही कम होती है। बहादुर से बहादुर आदमी भी मामूली-सा पिस्सू देखकर पसीना-पसीना हो जाएगा क्योंकि प्लेग महामारी इसी तुच्छ कीट की सवारी पर चढ़कर मनुष्यों में तांडव मचाती है। पिस्सू की सैंकड़ों जातियां ज्ञात हैं। ये बिना पंखवाले छोटे कीट हैं जिनकी औसत लंबाई 2 मिलीमीटर होती है। पिस्सू गरम खूनवाले जीवों में परजीवी के रूप में रहकर उनका खून चूसते हैं। मनुष्यों के अलावा वे चूहों, पक्षियों, सूअरों, कुत्तों तथा अन्य जानवरों पर अपनी कृपा दृष्टि बरसाते हैं। उनके शरीर की रचना इस भूमिका के लिए खास उपयुक्त होती है। मेजबान जीव की खाल अथवा परों के बीच से आने-जाने में सहूलियत के लिए उनका शरीर दोनों बग़लों से चपटा होता है, यानी लंबाई और ऊंचाई की तुलना में उनकी चौड़ाई बहुत ही कम होती है। इस कारण वे दो बालों के बीच के कम फासले में से भी आसानी से गुजर सकते हैं। उनके शरीर पर बहुत से कांटे होते हैं जो बालों अथवा परों में उलझकर पिस्सू को मेजबान जीव के शरीर से गिरने नही देते। उनका चपटा शरीर अत्यंत कठोर होता है जो उन्हें मेजबान जीव द्वारा काटे या खुजलाए जाने से बचाता है। उनका मुंह त्वचा को भेदने और खून चूसने के लिए बना होता है। पिस्सुओं का जीवन-चक्र काफी रोचक होता है। मादा पिस्सू मेजबान जीव के मल-मूत्र या उसकी मांद में इकट्ठी गंदगी में अंडे देती है। ये अंडे दो-चार दिनों में फूट जाते हैं। उनसे निकले डिंभक अंधे होते हैं। वे मल-मूत्र और गंदगी खाकर बढ़ते हैं। मौका मिलने पर अन्य छोटे कीटों का भी ये शिकार कर लेते हैं। समय आने पर ये डिंभक रेशम जैसे धागे से एक कोष बुनकर उसमें प्रविष्ठ हो जाते हैं। इस निष्क्रिय अवस्था में उनका आगे का विकास होता है। वयस्क कीट कोष से बाहर तभी निकलते हैं जब उन्हें कोई जीवित प्राणी का संकेत मिले। यह संकेत है उस प्राणी के चलने-फिरने से होनेवाले कंपन। इसे सुनते ही पिस्सू झट से कोष से निकल आते हैं और उस अभागे प्राणी का खून चूसने लगते हैं। इसी कारण से बहुत दिनों से खाली पड़े मकान में घुसने पर एकाएक पिस्सू निकल आते हैं। आप सोचते होंगे कि खाली मकान में पिस्सू कहां से आए। वास्तव में पिस्सू अपने कोषों में आपके ही इंतजार में बैठे थे!

पिस्सुओं की सबसे अधिक वीभत्स पहलू प्लेग जैसी भयंकर महामारियां फैलाने में उनकी भूमिका है। प्लेग महामारी से मनुष्य बड़ी तादाद में मरे हैं। चौदहवीं सदी में यूरोप में प्लेग ने ढाई करोड़ लोगों की जान ली थी। परंतु प्लेग मनुष्य पर आश्रित पिस्सुओं के कारण नहीं फैलता। प्लेग के लिए जिम्मेदार हैं चूहों के पिस्सू। प्लेग बीमारी सबसे पहले चूहों में फैलती है। इस बीमारी से जब चूहे बड़ी संख्या में मर जाते हैं, तब उनके पिस्सुओं को मजबूरन अन्य प्राणियों का खून चूसना पड़ता है। इन अन्य प्राणियों में मनुष्य भी होता है, क्योंकि मनुष्यों के मकानों में चूहे अनिवार्यत: पाए जाते हैं। पिस्सुओं की एक खासियत है कूदने की उनकी अद्भुत क्षमता। दो मिलीमीटर लंबा पिस्सू 35 सेंटीमीटर लंबी और 20 सेंटीमीटर ऊंची कूद लगा सकता है, यानी अपनी लंबाई से 125 गुना दूर अथवा 100 गुना ऊंचा कूद सकता है। इसीलिए प्लेग के समय लोगों को दो फुट ऊंचे पलंग पर सोने की सलाह दी जाती है, ताकि पिस्सू उन तक न पहुंच पाएं। अपनी लंबी-लंबी टांगों और नदारद पंखों की मांसपेशियों की सहायता से पिस्सू यह आश्चर्यजनक कलाबाजी करता है। अधिकांश विकसित देशों में पिस्सुओं का सफाया कम-से-कम घरों में से लगभग पूर्णत: हो गया है।

# पी-50 खिलौने जैसी कार

पील पी50, पुराने जमाने के डिजाइन वाली कार है। इसमें छोटे-छोटे पहिए हैं, एक हेडलाइट, एक दरवाजा और यहां तक कि इसमें खिड़की के शीशे को साफ करने वाला एक वाइपर भी है। यह महज 54 इंच लंबी है। यह पहली सबसे छोटी कार है, जो सड़कों पर दौड़ी। पी50 कार इतनी छोटी है कि अगर इसे पीछे ले जाना हो तो दरवाजा खोलकर बाहर आना पड़ता है और इसे हाथ से खींचकर पीछे कर सकते हैं। इसे कोवेंट्री यूनिवर्सिटी के छात्रों ने मिलकर बनाया। पील पी50 कार और पील ट्राइडेंट कार, बिल्कुल बच्चों के खिलौने की तरह दिखती है। यह भरोसा करना मुश्किल होता है कि यह सडम्क पर भी चलती है। ब्रिटेन और अमेरिका में इसे सड़क पर देखा जा सकता है। जब पी50 को पहली बार 1960 के दशक में पेश किया गया था तो तब किसी ने यह नही सोचा था कि कभी यह लोगों के आकर्षण का केंद्र होगी। पी50 कार को दुनिया की कुछ अनोखी कारों में शामिल किया गया है। इसे बनाने वाली पील इंजीनियरिंग लिमिटेड नामक कंपनी ने फाइबर ग्लास की नाव (बोट) और मोटरसाइकिल भी बनाई हैं। कंपनी ने वर्ष 1962 में पहली पील पी50 कार पेश की थी। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि एक आदमी खरीदारी बैग को लेकर कहीं भी आसानी से आ-जा सके।

# बर्फ में बर्फ-सा खरगोश

बच्चों, जब हम आर्कटिक की बात करते हैं तो हमारे के जेहन में दूर-दूर तक फैला बर्फ और पेंगुइन, ध्रुवीय भालू और डॉलफिन जैसे पानी और समतल दोनों पर रहनेवाले जीवों के नाम याद आते हैं, पर क्या आपने कभी सोचा है कि माइनस 40 डिग्री की ठंड में कोई प्यारा-सा, छोटा खरगोश भी रह सकता है। चौंक गये न कि बर्फ में खरगोश! आओ, हम तुम्हें बताते हैं खरगोश की ऐसी ही प्रजाति के बारे में, जो आर्कटिक के ध्रुवीय प्रदेश में रहता है। यह ध्रुवीय खरगोश देखने में तो अन्य खरगोशों की तरह ही दिखता है, पर शरीर की बनावट और इसका रहन-सहन इसे विपरीत परिस्थितियों में भी आसानी से जीवित रखता है। ध्रुवीय खरगोश के बाल काफी मोटे और घने होते हैं, जो इसके लिए कंबल का काम करते हैं।

## साथ रहने की कला

ध्रुवीय खरगोश बर्फ के अंदर गड्ढा खोद कर रहते हैं। सर्दी से बचने के लिए, ये एक-दूसरे से सटकर रहते हैं, जिससे इनका शरीर एक दूसरे को ताप दे सके। इनके कान अन्य खरगोशों की अपेक्षा छोटे होने के कारण बर्फीली हवाओं से ये बच जाते हैं। ऐसे तो ये आपको अकेले मिल जाएंगे, पर आप इन्हें दर्जन या सैकड़ों के झुंड में देख सकते हैं। इनका झुंड कुछ आपके स्कूल की सुबह के प्रार्थना के जैसा ही होता है। एक नर खरगोश एक से अधिक मादाओं के साथ रहता है। मादा खरगोश साल में एक बार लगभग 6-8 बच्चों को जन्म देती है। वसंत ऋतु या गर्मी के शुरुआती दिनों में ये बच्चे देती हैं। सितंबर के महीने तक 2-8 बच्चे बड़े होकर फिर से अगले नस्ल को तैयार करने लायक हो जाते हैं।

## क्या खाते हैं ध्रुवीय खरगोश

ध्रुवीय खरगोश ज्यादातर कोंपल, पेड़ों के पत्ते, काई और बेर खाते हैं। सर्दियों में जब खाने की कमी होती है, तो ये समुद्री शैवाल, पेड़ की मुलायम छाल और जड़ भी खा जाते हैं। बच्चों यह बड़े अफसोस की बात है कि बहुत ही कम संख्या में पाए जाने वाले इस प्यारे से जीव का शिकार इंसान इसके गोश्त के लिए करते हैं। अगर इनका शिकार इसी तरह जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब यह प्यारा जीव विलुप्त हो जाएगा।

# एंटीक सोवियत वाहनों का विशाल संग्रह

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में सोवियत दौर में बने पुराने वक्त के वाहनों का अनोखा संग्रह मौजूद है जिन्हें अब एंटीक कारों तथा अन्य प्रकार के वाहनों का दर्जा मिल चुका है। वहां ब्रनर परिवार के पास ऐसे वाहनों का सबसे बड़ा संग्रह है जो चाहता है कि उनके संग्रह को किसी विशिष्ट संग्रहालय में स्थान मिले। उनके संग्रह में छोटी कारों से लेकर सोवियत सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बड़े ट्रक भी शामिल हैं। इसमें 75 कारें तथा 90 मोटरसाइकिल भी शामिल हैं। खास बात है कि उनके पास मौजूद सभी एंटीक वाहन चालू हालत में हैं। फिलहाल इन्हें एक पूर्व सोवियत बंकर के प्रांगण में रखा गया है। इस संग्रह की शुरूआत लोथर ब्रनर ने की थी। 1990 में पश्चिम तथा पूर्व जर्मनी के एकीकरण तथा सोवियत संघ के खात्मे के बाद वह इन्हें खरीदने लगे। उनकी मौत के बाद अब उनका परिवार उनके संग्रह की देखभाल कर रहा है। वे चाहते हैं कि इन वाहनों के लिए एक खास संग्रहालय तैयार करवाया जाए जहां लोग इन्हें देख सकें तथा इनका संरक्षण भी सम्भव हो सके।

## सब जूनियर स्टेट कराटे चैंपियनशिपः आर.बी. अकादमी के खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण सहित जीते 6 पदक

**एजेंसी**

**वाराणसी**। लखनऊ के चौक स्टेडियम में 7 और 8 दिसंबर 2024 को आयोजित सब जूनियर स्टेट कराटे चैंपियनशिप में कानीनजुकु आर.बी.मार्शल आर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों 6 पदक जीते, जिनमें 1 स्वर्ण और पांच रजत पदक शामिल हैं। चैंपियनशिप में वाराणसी कराटे टीम की ओर से अकादमी के 8 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। चैंपियनशिप में आरुष देव वर्मा ने कुमिते में स्वर्ण जीता, जबकि वेदान्त मिश्रा ने काता में, आरुषि वर्मा, अदिति अहरवार,आयुष मौर्य और देवेन्द्र राय ने कुमिते में रजत पदक जीता। अकादमी के कोच अरविन्द कुमार यादव ने बताया कि आरुष देव वर्मा का चयन उत्तर प्रदेश सब जूनियर कराटे टीम हुआ है और वे राष्ट्रस्तरीय प्रतियोगिता खेलने दिल्ली जायेंगे। अरविन्द ने यह भी बताया कि 6 दिसंबर को रैफरी, ज़ज और कोच के लिए सेमिनार और परीक्षा का आयोजन भी कराटे एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें एकेडमी के सीनियर ने भी हिस्सा लिया। जिसमें सेंसेई निमेष सिंह ने रैफरी बी., सेंसेई अभिषेक चौरसिया और सेंसेई विमलेश यादव ने जज बी. और सेंसेई आदर्श सोनकर ने कोच की परीक्षा उत्तीर्ण की।

## भारतीय सेना ने पुंछ में हरिबुद्ध फुटबॉल लीग का किया आयोजन

**पुंछ**। उत्साही जयकारों के बीच सेरी ख्वाजा फुटबॉल ग्राउंड में हरिबुद्ध फुटबॉल लीग की शुरुआत हुई। स्थानीय युवाओं के लिए हरिबुद्ध गांव में भारतीय सेना द्वारा फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में स्थानीय गांवों की 6 टीमें भाग लेंगी जो चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। फुटबॉल लीग का आयोजन 07 और 08 दिसंबर 2024 को किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन आस-पास के गांवों के बुजुर्गों और प्रमुख हस्तियों द्वारा किया गया। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य खेल के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और उन्हें अपराध और ड्रग्स जैसी कुप्रथाओं में शामिल होने से रोकना है। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं को भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। मैचों में क्षेत्र की कई प्रभावशाली हस्तियों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों और गणमान्य लोगों ने इस आयोजन के आयोजन और क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए भारतीय सेना के प्रयासों की बहुत सराहना की।

## विश्व शतरंज चैम्पियनशिप 2024: गुकेश ने सफेद मोहरों के साथ डिंग को हराया, 6-5 की ली बढ़त

**नई दिल्ली**। भारतीय ग्रैंड मास्टर के डी गुकेश ने सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ 2024 विश्व शतरंज चैंपियनशिप फाइनल में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। 11 वें दौर के बाद गुकेश ने 1 अंक की बढ़त ले ली है, उनके 6 अंक हो गये हैं, जबकि लिरेन के 5 अंक हैं। जो भी खिलाड़ी पहले साढ़े सात अंक बनाएगा वो चैंपियनशिप जीतेगा। सफेद मोहरों के साथ जीत दर्ज कर चैंपियनशिप फाइनल में पहली बार गुकेश ने बढ़त बना लिया। भारतीय ग्रैंड मास्टर को सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व चैंपियन बनने के लिए शेष तीन राउंड ड्रा करने की जरूरत है। चैंपियन डिंग ने अपने 28वें चाल में गलती की और गुकेश की जीत पक्की हो गई। उन्होंने अपनी रानी को सी8 में खींच लिया और प्रभावी रूप से खेल को अपने प्रतिद्वंद्वी के नाम कर दिया। 11 वें राउंड की शुरुआत दोनों ने एक रेटी ओपनिंग सिस्टम खेलने के साथ शुरू किया। गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के गेम 11 में अपने 11 वें कदम पर एक घंटा बिताया। एक समय गुकेश नो सिर्फ आठ चालों के बाद एक घंटे और सात मिनट के समय का लाभ उठाया था। इसका कारण यह है कि डिंग लिरेन ने सिर्फ पांच चालों पर अपना पहला घंटे इस्तेमाल किया।

## गवर्नर-इलेवन ने सद्भावना क्रिकेट कप जीता, मुख्यमंत्री ने बांटे पुरस्कार

**शिमला**। हिम स्पोर्टस एण्ड कल्चरल एसोशिएसन द्वारा बीसीएस शिमला में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित सद्भावना क्रिकेट कप में गवर्नर-इलेवन की टीम ने जीत दर्ज की। विवेक भाटिया और आबिद हुसैन सादिक को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। फाइनल मैच में गवर्नर-इलेवन टीम ने चीफ जस्टिस-इलेवन की टीम को 32 रनों से हराया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज के मैन ऑफ द मैच विवेक भाटिया तथा पिछले कल गवर्नर एवं प्रेस के बीच खेले गए मैच के मैन ऑफ द मैच आबिद हुसैन सादिक तथा चीफ जस्टिस-इलेवन एवं सीएम-इलेवन के बीच खेले गए मैन ऑफ द मैच विकास भारद्वाज को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सद्भावना क्रिकेट कप के माध्यम से नशे के विरूद्ध जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रतिबद्धता से नशे की बुराई पर अंकुश लगाने के लिए कार्य कर रही है। इस दिशा में खेलों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को विभिन्न अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। गवर्नर-इलेवन ने 20 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 232 रन बनाए। विवेक भाटिया ने 99 रन बनाकर नाबाद रहते हुए शानदार पारी खेली, जबकि आबिद हुसैन ने 82 रनों का योगदान दिया। चीफ जस्टिस-इलेवन की ओर से सुभाष रतन और विकास भारद्वाज ने एक-एक विकेट लिए।

# महिला एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा : नेहा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली**। महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में ओडिशा वॉरियर्स की कप्तानी कर रहीं नेहा ने अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए उद्घाटन एचआईएल को एक बड़ा मंच करार दिया। हाल ही में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के साथ जीत हासिल करने के बाद, नेहा अब भारतीय हॉकी में इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए नई ऊर्जा और फोकस के साथ कप्तानी की भूमिका में कदम रख रही हैं।नेहा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हम वर्षों से इस तरह के मंच की प्रतीक्षा कर रहे थे, और अब जब यह अंततः यहाँ है, तो यह अवास्तविक लगता है। यह युवा लड़कियों के लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर है। यह लीग उन लोगों को भी प्रेरित करेगी जो इस सीज़न में आगे नहीं बढ़ पाए और उन्हें कड़ी मेहनत करने और अगले संस्करण के लिए लक्ष्य बनाने की प्रेरणा मिलेगी।

मुझे विश्वास है कि एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, एक कप्तान के रूप में यह मेरा पहला बड़ा टूर्नामेंट है, और दबाव की भावना होने के बावजूद, मैं चुनौती को लेकर उत्साहित हूं। मैं कुछ समय तक भारतीय सेटअप का हिस्सा रही हूं, इसलिए मुझे पता है कि जरूरत पड़ने पर कैसे आगे बढ़ना है। मैंने हमेशा नेतृत्व की भूमिकाएँ स्वीकार की हैं, चाहे वह अपने साथियों का मार्गदर्शन करना हो या मैदान पर महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो। हमारी टीम अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से भरी है, इसलिए मुझे उन्हें ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेरा लक्ष्य उदाहरण के साथ नेतृत्व करना और अपनी टीम में सर्वश्रेष्ठ लाना है। अपनी शादी सहित हालिया व्यक्तिगत मील के पत्थर के बावजूद, नेहा अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, मैं अपने जीवन के दोनों पहलुओं का प्रबंधन वर्षों से करती आ रही हूँ। मेरी शादी से खेल के प्रति मेरा दृष्टिकोण नहीं बदलेगा। मेरे पति अविश्वसनीय रूप से सहायक हैं और समझते हैं कि हॉकी मेरे लिए कितना मायने रखती है। इसलिए, अभी मेरा एकमात्र ध्यान एचआईएल पर है, और मैं इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। एचआईएल नीलामी में, नेहा को 10 लाख रुपये में खरीदा गया, जो खेल में उनके बहुमूल्य योगदान का प्रमाण है। हालाँकि उन्होंने यह तय नहीं किया है कि पैसे का उपयोग कैसे किया जाए, वह युवा एथलीटों के विकास में योगदान देने की उम्मीद करती हैं।

## आसियान चैम्पियनशिप 2024 : कंबोडिया और मलेशिया के बीच पहला मैच 2-2 से ड्रा

**एजेंसी**

**नोम पेन्ह**। कंबोडिया ने नोम पेन्ह के ओलंपिक स्टेडियम में 2024 आसियान चैम्पियनशिप ग्रुप ए के उद्घाटन फुटबॉल मैच में मलेशिया के साथ 2-2 से ड्रा खेला। मलेशिया ने 35वें मिनट में मिडफील्डर स्टुअर्ट विल्किन के गोल से बढ़त हासिल की, लेकिन कंबोडिया ने दूसरे हाफ में अब्देल कादर कूलिबली के गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद टाई सा ने कंबोडिया को एक घंटे के अंदर दूसरा गोल कर बढ़त दिला दी।हालांकि, 74वें मिनट में फर्गस टियरनी ने बराबरी का गोल करके मलेशिया को हार से बचाया।

फीफा रैंकिंग में कंबोडिया 180वें स्थान पर है, जबकि मलेशिया 132वें स्थान पर है। 2024 आसियान चैंपियनशिप 5 जनवरी, 2025 तक चलेगी। कंबोडिया को मलेशिया, सिंगापुर, ईस्ट तिमोर और थाईलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

# बोटाफोगो ने तीसरी बार जीता ब्राजीलियन सेरी ए खिताब

**एजेंसी**

**रियो डी जेनेरियो**। ग्रेगोर के अंतिम क्षणों में किये गये गोल की मदद से बोटाफोगो ने साओ पाउलो को 2-1 से हराकर तीसरी बार ब्राजीलियन सेरी ए खिताब जीतकर 29 साल का इंतजार खत्म किया। बोटाफोगो के लिए मैच के 37वें मिनट में जेफर्सन सावारिनो ने पहला गोल किया, इसके बाद विलियम गोम्स ने 63वें मिनट में साओ पाउलो को लिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।ग्रेगोर ने 92वें मिनट में एक गलत डिफेंसिव पास का फायदा उठाते हुए गोल किया।

रियो डी जेनेरियो के ओलंपिक स्टेडियम में हुए इस परिणाम का मतलब था कि बोटाफोगो ने 79 अंकों के साथ सीजन का समापन किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद पाल्मेरास से छह अंक आगे था। यह आठ दिनों में बोटाफोगो के लिए दूसरी बड़ी ट्रॉफी थी, इससे पहले रियो की टीम ने ब्यूनस आयर्स में कोपा लिबर्टाडोरेस फाइनल में एटलेटिको मिनेरो को 3-1 से हराया था। बोटाफोगो के मैनेजर आर्टुर जॉर्ज ने कहा कि पिछले सीजन में मिली निराशा के बाद यह खिताब जीतना शानदार है। पिछली बार टीम ने

पाल्मेरास से सीरी ए खिताब हारने के लिए 13 अंकों की बढ़त गंवा दी थी।

पुर्तगाल के ब्रागा से अप्रैल में क्लब में शामिल हुए जॉर्ज ने स्पोर्टव से कहा, मैं बहुत खुश हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि हमने इस सीजन में अपने लक्ष्य हासिल किए हैं, बल्कि इसलिए भी कि खिलाड़ियों ने पिछले साल बहुत कुछ झेला। हमारा सीजन असाधारण रहा और प्रशंसक किसी से भी ज्यादा इसके हकदार हैं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें बहुत कुछ सहना पड़ा है। बोटाफोगो, जिसने पिछले शीर्ष-स्तरीय खिताब 1968 और 1995 में जीते थे, एक ही साल में ब्राजीलियन सीरी ए और कोपा लिबर्टाडोरेस खिताब हासिल करने वाला केवल तीसरा क्लब है। यह उपलब्धि पेले के सैंटोस ने 1962 और 1963 में और फ्लेमेंगो ने 2019 में भी हासिल की थी। बोटाफोगो की टीम अब अपना ध्यान कतर में होने वाले फीफा इंटरकांटिनेंटल कप के उद्घाटन संस्करण पर लगाएगी, जहां बुधवार को क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मैक्सिको के पचुका से होगा।

# बीबीएलः मेलबर्न स्टार्स ने एडम मिल्ने के साथ किया करार

**एजेंसी**

**मेलबर्न**। मेलबर्न स्टार्स ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को क्रिसमस से पहले बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने के लिए अनुबंधित किया है। वे पाकिस्तान के लेग स्पिनर उसामा मीर की जगह लेंगे, जो इस सीजन के पहले तीन मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

पिछले सीजन के अंत में ग्लेन मैक्सवेल के कप्तान बनने के बाद स्टार्स इस सप्ताह नए कप्तान की घोषणा करने वाले हैं। मैक्सवेल के 15 दिसंबर को पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ होने वाले पहले मैच के लिए फिट होने की संभावना नहीं है, क्योंकि वे अपनी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं और यह देखना बाकी है कि वे क्रिसमस से पहले होने वाले पहले तीन मैचों में से किसी में भी खेल पाएंगे या नहीं। मीर स्कॉर्चर्स, ब्रिसबेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ पहले तीन मैचों के लिए भी उपलब्ध नहीं हैं, जो पांच दिनों के अंतराल में तीन शहरों में खेले जाएंगे। स्टार्स ने उन तीन मैचों के लिए मिल्ने को टीम में शामिल किया है। वह इससे पहले 2020-21 में सिडनी थंडर के लिए बीबीएल में

खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 12 मैचों में 7.56 की इकॉनमी रेट से सिर्फ पांच विकेट लिए थे। मेलबर्न स्टार्स के महाप्रबंधक ब्लेयर क्राउच ने कहा, एडम जैसी प्रतिभा और अनुभव वाले किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल करना पहले तीन मैचों के लिए टीम के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। एडम ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानता है, हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह क्या कर सकता है। मिल्ने टेस्ट ड्यूटी पर मौजूद स्कॉट बोलैंड की अनुपस्थिति को भी कवर करेंगे। स्टार्स को कम से कम पर्थ में शुरुआती गेम के लिए ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर की कमी खल सकती है, क्योंकि वह 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे मैच के लिए टेस्ट टीम में बने रहने के लिए तैयार हैं।

# न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के कोच बेन सॉयर का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा

**एजेंसी**

**वेलिंगटन**। बेन सॉयर ने न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में दो साल के विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। नए सौदे के तहत सॉयर दिसंबर 2026 तक टीम के प्रभारी होंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने सोमवार को उक्त पुष्टि की।सॉयर को पहली बार जून 2022 में नियुक्त किया गया था और उनके नेतृत्व में टीम ने इस साल अक्टूबर में पहली बार टी20 विश्व कप जीता। अब उनके पास 2026 में इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बरकरार रखने का मौका होगा। सॉयर तब भी टीम की कमान संभालेंगे जब न्यूजीलैंड अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने का प्रयास करेगा। एनजेडसी की महिला

हाई परफॉरमेंस हेड लिज़ ग्रीन ने कहा, बेन के अगले दो साल के लिए टीम में शामिल होने से हम बहुत खुश हैं। उन्होंने इस समूह में बहुत अधिक विश्वास और भरोसा जगाया है और उन्हें अभी टीम में बनाए रखना बहुत बड़ी बात है, मौजूदा टीम और व्हाइट फ़र्न्स की दीर्घकालिक योजना दोनों के लिए। हमारे कई युवा खिलाड़ी जिन्होंने दो साल पहले बेन के पहले दौरे पर अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, वे अब बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जैसा कि हमने हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में देखा। उस टूर्नामेंट के दौरान बहुत अधिक विकास हुआ, जो पिछले दो वर्षों में बेन और कोचों द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम है।न्यूजीलैंड की अगली श्रृंखला इस महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली जाएगी, जिसमें 19, 21 और 23 तारीख को तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे।

## टेनिस चैंपियनशिप : सेमीफाइनल में प्रयागराज के सजल ने लखनऊ के ओम यादव को हराया

**एजेंसी**

**लखनऊ** । उप्र स्टेट टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल राउंड में खिलाड़ियों ने खूब उत्साह दिखाया। बढ़त बनाने के लिए ठंड में पसीने बहाते रहे। इसमें लखनऊ के खिलाड़ियों ने अपना जलवा कायम रखा और उनकी बढ़त बनी रहीं। प्रयागराज के सजल केसरवानी ने लखनऊ के ओम यादव को 8-4 से मात देकर अपना जलवा बनाये रखा।उप्र टेनिस एसोसिएशन द्वारा मिनी स्टेडिमयम विजयंतखंड में आयोजित प्रतियोगिता में पुरुष सिंगल्स सेमी फाइनल राउंड में प्रयागराज के सजल ने लखनऊ के ओम यादव को 8-4 से हराया। वहीं दूसरा मुकाबला लखनऊ यश यादव का लखनऊ के ही वरूण सिंह ने हुआ, जिसमें यश ने कड़ी टक्कर में वरुण को 8-7 से मात दे दी। वहीं पुरुष अंडर-18 सेमी फाइनल राउंड में प्रयागराज के ऋषि यादव ने लखनऊ के रोहिन को 8-0 से मात दे दी। महिला वर्ग में सानिध्य ने वरुण को 8-5 से हराया।पुरुष वर्ग के अंडर-16 सिंगल्स मुकाबले में प्रयागराज के ऋषि यादव ने लखनऊ के कौस्तुभ सिंह को 8-3 से मात दी। वहीं महिला वर्ग में लखनऊ की सानिध्या ने लखनऊ की राहिन राज को 8-3 से मात दी। महिला वर्ग में सेमीफाइनल राउंड में आशि ने आदित्री को 8-4 से, लखनऊ की ही ऐराह ने ताशी को 8-5 से हरा दिया। वहीं महिला सिंगल सेमी फाइनल राउंड में लखनऊ की सासा कटियार ने गौरी जायसवाल को 7-0 से मात दे दी।

# सीनियर नेशनल रेसलिंग चैम्पियनशिप : हरियाणा की महिलाओं ने तीसरे दिन जीते 7 स्वर्ण

**एजेंसी**

**बेंगलुरु**। हरियाणा ने यहां कोरामंगला इनडोर स्टेडियम में चल रहे सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप 2024 के अंतिम दिन महिलाओं की श्रेणी में सात स्वर्ण पदक जीते। पहले पुरुषों के फ्रीस्टाइल डिवीजन पर हावी होने के बाद, हरियाणा ने महिला वर्ग में 10 स्वर्ण पदकों में से आठ जीतकर कुल 235 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। हरियाणा के कई स्वर्ण पदक विजेताओं के बीच मुख्य आकर्षण का केंद्र राधिका (68 किग्रा) थीं, जिन्होंने इस साल अप्रैल में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में रजत जीता था। शुरुआती दौर में बाई मिलने के बाद, उन्होंने मध्य प्रदेश के अंजलि करोस के खिलाफ श्रेष्ठता (वीएसयू) द्वारा एक जोरदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, इसके बाद क्वार्टरफाइनल में हिमाचल प्रदेश की सोनिका कुमार को शिकस्त दी। 23 वर्षीय राधिका, जिन्होंने एशियाई खेल 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व किया, ने सेमीफाइनल में कर्नाटक के लीना

एंथोनी को हराया और फिर 68 किग्रा श्रेणी के फाइनल में दिल्ली की सृष्टि को हराकर स्वर्ण जीता। राधिका ने डब्ल्यूएफआई रिलीज के हवाले से कहा, मैं इस प्रतियोगिता के लिए आने से पहले आश्वस्त महसूस कर रहा थी और मैं स्वर्ण जीतने पर खुश हूं। अंतिम बाउट सबसे चुनौतीपूर्ण था, लेकिन प्रतियोगिता का स्तर ही यही है।राधिका का अगला लक्ष्य अब आगामी एशियाई खेल 2026 है। उन्होंने कहा, मैं एशियाई खेलों में अपने मैचअप से पहले बीमार हो गया थी और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी, लेकिन मुझे यह भी एहसास हुआ कि मुझे उस स्तर पर सफल होने के लिए सुधार करना चाहिए। मैं 2026 एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं और भारत के लिए एक स्वर्ण पदक वापस लाना चाहती हूं। अन्य पहलवानों में ज्योति ने राजस्थान के कविटा एम को हराकर 53 किग्रा के फाइनल में जीत हासिल की, जबकि मीनाक्षी ने 55 किग्रा के फाइनल में एसएससीबी की ज्योति को हराया। तपस्या (57 किग्रा) और अंजलि (59 किग्रा) ने हरियाणा के लिए दो और स्वर्ण जीते, दोनों ने क्रमशःमहाराष्ट्र की आशलेश और पंजाब की तनु को हराया। टीम हरियाणा के लिए स्वर्ण बारिश जारी रही जब मनीषा ने राजस्थान की मोनिका को 65 किग्रा वर्ग में और प्रिया (76 किग्रा) ने एसएससीबी की रीतिका को खिताबी मुकाबले में हराया।

# एडिलेड में मिली हार के बाद रोहित ने की बुमराह की तारीफ, कहा-अन्य को भी जिम्मेदारी लेने की आवश्यकता

**एजेंसी**

**एडिलेड**। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुलाबी गेंद टेस्ट मैच में 10 विकेट से मिली करारी हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ की, साथ ही कहा कि अन्य गेंदबाजों को भी आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाने की आश्यकता है।

ट्रैविस हेड के शतक के बाद मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर डब्ल्यूटीसी 2025 तालिका में फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में रोहित ने कहा, बुमराह को कई बार विकेट नहीं मिलेंगे, और अन्य लोगों को आगे बढ़कर जिम्मेजारी उठाने की आवश्यकता होती है। यह सिर्फ एक व्यक्ति या दो के बारे में नहीं है; यदि आप एक श्रृंखला जीतना चाहते हैं, तो सभी को जिम्मेदारी साझा करनी

है, अपना हाथ ऊपर रखना है, और काम करना है। बुमराह और सिराज ने पहली पारी में चार-चार विकेट लिए, जबकि सिर्फ अपना दूसरा टेस्ट खेल रहे राणा और रेड्डी ने मिलकर 22 ओवर फेंके और 1 सफलता हासिल की। रोहित ने इन युवाओं में आत्मविश्वास पैदा करने में अपनी भूमिका पर जोर दिया, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर नए हैं, उन्होंने कहा, उन्हें आत्मविश्वास की आवश्यकता है, और इसे प्रदान करना मेरा काम है। जब वे एक मैच खेलते हैं, तो उन्हें आश्वस्त महसूस करना चाहिए। बुमराह ने एडिलेड में पहली पारी में 23 ओवर फेंके और 61 रन देकर 4 विकेट लिया। रोहित ने पूरे पांच-मैच श्रृंखला के लिए बुमराह को ताजा रखने के लिए रणनीतिक योजना की आवश्यकता पर जोर दिया। रोहित ने कहा, मैं बुमराह से बात करता रहता हूं, यह पूछता हूं कि उसका शरीर कैसे पकड़ रहा है। यह पांच मैचों की श्रृंखला है, और हम चाहते हैं कि बुमराह ताजा हो और सभी पांच मैच खेलें। इन चीजों का विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है; कार्यभार प्रबंधन महत्वपूर्ण है। योजना हमेशा होती है। आप बुमराह से उम्मीद नहीं कर सकते कि सुबह से शाम तक दोनों छोरों से गेंदबाजी की जाएगी। गेंदबाजों का प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है। हम उनसे बात करते हैं और फिर निर्णय लेते हैं। रोहित ने कहा, वह [सिराज] लड़ाई में उतरना पसंद करता है। यह उसे सफलता देता है। कप्तान के रूप में, उस आक्रामकता को वापस करना मेरा काम है। जाहिर है, वहाँ एक अच्छी लाइन है-हम उस सीमा को पार नहीं करना चाहते हैं, जिससे खेल का अनादर होता है। अतीत में, हमने कई क्रिकेटरों को इस तरह की लड़ाइयों में पनपते हुए देखा है, और सिराज निश्चित रूप से उनमें से एक है।पांच मैचों की यह श्रृंखला अब 1-1 से बराबर है और दोनों पक्ष अब तीसरे टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन जाएंगे, जो 14 दिसंबर से शुरू होगा।

# हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने यश मुंबई ईगल्स को हराकर तीसरी बार जीता टेनिस प्रीमियर लीग का खिताब

**एजेंसी**

**मुंबई**। छह दिनों तक चले मनोरंजक और बिना रुके टेनिस एक्शन के बाद, हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने रविवार शाम यश मुंबई ईगल्स को 51-44 से हराकर तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। चार श्रेणियों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने के बाद, हैरियट डार्ट, बेंजामिन लॉक और विष्णु प्रधान ने हैदराबाद के लिए खिताबी जीत सुनिश्चित की। फाइनल में यश मुंबई ईगल्स और हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत लगाई। हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने मैच की शुरुआत दमदार तरीके से की, क्योंकि हैरियट डार्ट ने यश मुंबई ईगल्स की ज़ेनेप सोनमेज़ के खिलाफ महिला एकल गेम में 14-11 के स्कोर से जीत हासिल की। ??पुरुष एकल में करण सिंह ने हैदराबाद स्ट्राइकर्स के बेंजामिन लॉक को 14-11 से हराकर यश मुंबई ईगल्स को बराबरी दिला दी। हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने महत्वपूर्ण मिक्स्ड डबल्स गेम में अपना दबदबा बनाया, हैरियट डार्ट और विष्णु वर्धन की जोड़ी ने यश मुंबई ईगल्स के ज़ेनेप सोनमेज़ और जीवन नेदुनचेझियान को 16-9 से हराकर अपनी टीम को आरामदायक स्थिति में पहुंचा दिया। पुरुषों के युगल वर्ग में, करण सिंह और जीवन नेदुनचेझियान व हैदराबाद

स्ट्राइकर्स के विष्णु वर्धन और बेंजामिन लॉक के बीच मैच 10-10 बराबरी पर समाप्त हुआ और हैदराबाद ने 51-44 से खिताब अपने नाम कर लिया।

**सेमीफाइनल मुकाबले:**

दिन की शुरुआत पहले सेमीफाइनल से हुई, जहां लीग लीडर यश मुंबई ईगल्स का सामना सुमित नागल की गुजरात पैंथर्स से हुआ। यश मुंबई ईगल्स की ज़ेनेप सोनमेज़ ने अपनी टीम को मज़बूत शुरुआत दी और महिला एकल मैच में गुजरात पैंथर्स की एकातेरिना काज़ियोनोवा को 14-11 से हराया। सुमित नागल ने पुरुष एकल में अपनी टीम के लिए वापसी की और यश मुंबई ईगल्स के करण सिंह को 14-11 के स्कोर से हराया। मिश्रित युगल वर्ग के दौरान मैच का रुख़ बदल गया, जब यश मुंबई ईगल्स के ज़ेनेप सोनमेज़ और जीवन नेदुनचेझियान ने एकातेरिना काज़ियोनोवा और विजय सुंदर प्रशांत पर 16-9 से शानदार जीत हासिल की। पुरुष युगल वर्ग में, यश मुंबई ईगल्स के करण सिंह और जीवन नेदुनचेझियान ने गुजरात पैंथर्स के सुमित नागल और विजय सुंदर प्रशांत को 10-9 के स्कोर से हराकर मैच जीत लिया। अंततः, यश मुम्बई ईगल्स ने पहले सेमीफाइनल में 51-43 से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया।

# तमन्ना भाटिया

## और नोरा फतेही के परफॉर्मेंस को लेकर गायकों का विरोध, आयोजकों ने मानी अपनी गलती

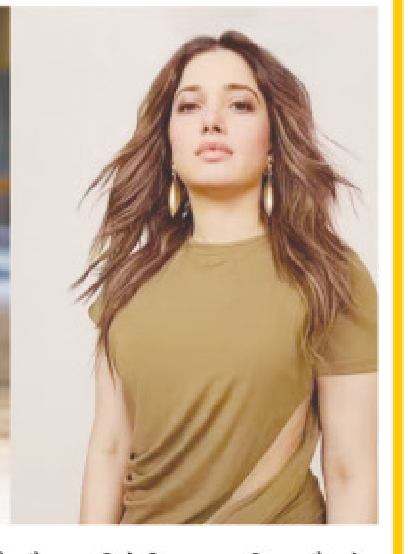

हाल ही में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और नोरा फतेही के स्टेज परफॉर्मेंस को लेकर एक विवाद उठ गया है। इस विवाद की शुरुआत भारत के तीन प्रसिद्ध गायकों के विरोध से हुई है, जिन्होंने इन दोनों एक्ट्रेसेस की परफॉर्मेंस पर असहमति जताई।

**गायकों का विरोध**

भारत के मशहूर सिंगर्स अनूप जलोटा, शंकर महादेवन, और हरिहरन ने एक संगीत कार्यक्रम, जिसे 'त्रिवेणी' नाम दिया गया है, में तमन्ना और नोरा की परफॉर्मेंस को लेकर विरोध किया है। आयोजकों ने इन दोनों सितारों को इवेंट के आकर्षण के रूप में आमंत्रित किया था, ताकि कार्यक्रम और भी दिलचस्प बने, लेकिन इन गायकों ने इस पर नाराजगी जताई।

**कार्यक्रम का आयोजन**

यह संगीत कार्यक्रम नए साल की पूर्व संध्या पर अहमदाबाद, दिल्ली और इंदौर में आयोजित किया जाना है। इसमें इन दिग्गज गायकों की गायकी से ऑडियंस का दिल जीतने की योजना है। लेकिन जब आयोजकों ने इन गायकों को बताया कि तमन्ना और नोरा भी इस कार्यक्रम का हिस्सा होंगी, तो इन तीनों गायकों ने इसका विरोध किया।

**आयोजकों ने मानी अपनी गलती**

इस पूरे मामले में कार्यक्रम के आयोजकों ने अपनी गलती स्वीकार की है। उनका कहना है कि उन्होंने पहले तमन्ना और नोरा से संपर्क किया था, लेकिन अब गायकों के विरोध के बाद यह मामला और भी दिलचस्प बन गया है।

## विफलता से जिंदगी खत्म नहीं होती..करियर में उतार-चढ़ाव को लेकर बोले अर्जुन कपूर-नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहिए

एक्टर अर्जुन कपूर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके डैंजर लंका के किरदार को खूब पसंद किया जा रहा है। इसी बीच हाल ही में यह एक्टर सिरीफोर्ट ऑडिटोरियम में चल रहे जागरण फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे, जहां उन्होंने अपने करियर की सफलता और विफलता के बारे में बात की।अर्जुन कपूर ने कहा, आप किसी भी इंडस्ट्री में जाओ कभी न कभी विफलता का सामना करना ही पड़ता है, इसलिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि आप उससे कैसे उबरते हैं। कुछ साल पहले मेरे जीवन में भी बहुत उतार-चढ़ाव आए। यह सभी के जीवन में आते हैं। ध्यान रहे, विफलता से जिंदगी खत्म नहीं होती। जिंदगी में जब आप हारते हैं, तो उससे सीखकर नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहिए।एक्टर ने कहा कि मैंने अपने 12 साल के करियर में सफलता-विफलता दोनों का स्वाद चखा है। 12वीं फेल फिल्म इसलिए भी लोगों के दिलों को छू गई, क्योंकि ये जिंदगी के उसूल बताती है। फिल्म सिंघम अगेन में अपने किरदार के लिए सराहना बटोर रहे अर्जुन ने बताया कि उन्होंने अभी तक यह फिल्म नहीं देखी है। उन्होंने कहा, मेरे करियर में पहली बार ऐसा हो रहा है कि फैंस मुझे मेरे किरदार डैंजर लंका के नाम से बुला रहे हैं। इनमें बच्चे तक शामिल हैं। इस फिल्म को जनता से इतना प्यार मिला है, जिसे कभी नहीं बुलाया जा सकता। फिल्म की रिलीज के अगले दिन मेरे परिचित विभिन्न होटल मैनेजर से लेकर रिश्तेदारों व अन्य लोगों ने मैसेज और वीडियो भेजकर किरदार की सराहना की। यदि भविष्य में उनके पास अच्छे नेगेटिव रोल आए तो मैं जरूर करूंगा, लेकिन एक जैसी भूमिका दोबारा नहीं करूंगा।

आगे अर्जुन ने कहा, ऑडिशन देने के बाद ही मुझे इश्कजादे मिली थी। कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा ने फेसबुक आइडी पर मेरी फोटो देखकर मुझे संपर्क किया था। उस समय मेरा वजन बहुत ज्यादा था। इस फिल्म को करने के लिए मैंने वजन कम किया। यदि मैं इस फिल्म का ऑडिशन नहीं देता, तो आज पता नहीं कहां होता, लेकिन ये भी सही है कि मुझे सिर्फ सिनेमा में ही करियर बनाना था।एक्टर ने कहा, मैं अपने परिवार के किसी भी सदस्य से अपनी तुलना नहीं करता हूं। बहनें व चाचू अनिल कपूर सहित अन्य सदस्य बेहतर काम कर रहे हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि ऐसे परिवार का हिस्सा हूं, जिसके सदस्य सिनेमा से जुड़े हुए हैं।

## मेरी बचपन की क्रश हैं...अर्जुन कपूर से हुआ ब्रेकअप, सिंगर ने स्टेज पर बुलाकर मलाइका से कही ये बात

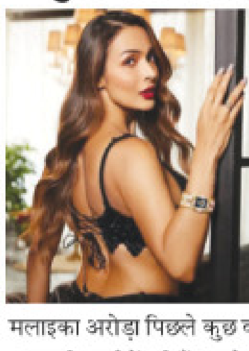

मलाइका अरोड़ा पिछले कुछ वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रही हैं. पहले वो अपने पिता के निधन की खबरों के चलते सुर्खियों में रहीं और अब पिछले कुछ वक्त से अर्जुन कपूर से ब्रेकअप को लेकर वो चर्चा में हैं. अर्जुन ने खुद एक दिवाली पार्टी के दौरान कह दिया था कि वो सिंगल हैं. इसके बाद से मलाइका और अर्जुन के ब्रेकअप की खबरों पर मुहर लग गई थी. अब मलाइका का एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट का एक वीडियो वायरल

हो रहा है.इंडो-कनैडियन रैपर एपी ढिल्लों ने शनिवार की रात को मुंबई में एक धमाकेदार कॉन्सर्ट किया. इस कॉन्सर्ट में कई मशहूर हस्तियां पहुंची थीं, जिनमें मलाइका अरोड़ा भी शामिल थीं. एपी ने कॉन्सर्ट के दौरान मलाइका को स्टेज पर बुलाया और उनके लिए एक गाना भी डेडिकेट किया. इस दौरान एपी ढिल्लों ने बताया कि मलाइका अरोड़ा उनके बचपन की क्रश रही हैं.

**मलाइका के लिए गाया गाना**

एपी ढिल्लों ने मलाइका अरोड़ा को स्टेज पर बुलाकर उन्हें 'विद यू' गाना डेडिकेट किया. इस दौरान मलाइका बेहद ग्लैमरस अंदाज़ में नज़र आईं. काले रंग की ड्रेस में कॉनर्स्ट में पहुंची मलाइका एपी के गानों पर स्टेज पर झूमती दिखाई दीं. वीडियो में दिख रहा है कि दोनों एक दूसरे को गले भी लगाते हैं.

मलाइका और एपी के इस वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं. एक ने लिखा, हर लड़की इस हग की हकदार है. जबकि एक ने लिखा, हानिया कि कॉपी करने लग गई हैं सारी. कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने अपने कई हिट गानों को परफॉर्म किया. इनमें एक्सूज, ब्राउन मुंडे, विद यू और दिल नू शामिल रहे.

**अर्जुन मलाइका हुए अलग**

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के ब्रेकअप की खबरें काफी वक्त से आ रही थीं. हालांकि दिवाली के मौके पर अर्जुन ने इस बात को कंफर्म किया. मलाइका और अर्जुन ने साल 2018 में एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था. हालांकि ये रिश्ता बहुत लंबा नहीं चल सका.

# प्रीति जिंटा

## के 3 साल के बेटे ने नानी के साथ मिलकर बनाई रोटियां, खाकर बेहद खुश हुईं एक्ट्रेस, बोलीं-जिंदगी में अच्छी चीजें फ्री हैं

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने साल 2021 में सरोगेसी के जरिए दो जुड़वा

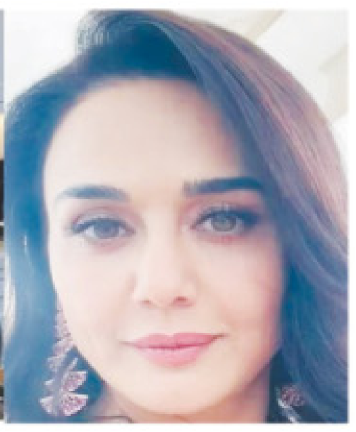

बच्चों (बेटी और बेटा) का स्वागत किया था, जिसकी तस्वीरें और वीडियोज अक्सर वो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। हालांकि, अभी तक प्रीति ने अपने बच्चों का चेहरा दुनिया के सामने रिवील नहीं किया है, लेकिन हाल ही में एक्टर ने अपने बेटे की कुछ बेहद क्यूट फोटोज शेयर की हैं, जिनमें उनका 3 साल का बेटा जय रोटियां बनाते हुए दिखाई दे रहा है।

प्रीति द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि जय ने हाथ में बेलन पकड़ा हुआ है और रोटियां बना रहा है। प्रीति ने इन तस्वीरों के साथ बताया कि उन्होंने जय और उसकी नानी के हाथ से बनाई रोटियां खाई। पोस्ट के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, जिंदगी में सबसे अच्छी चीजें फ्री हैं। जैसे नानी मां और हमारे सबसे छोटे शेफ जय के हाथ से बनाई इस रोटी को खाने का सुख। हैप्पी संडे सभी को। इन तस्वीरों पर प्रीति के फैंस ने खूब प्यार लुटाते दिख रहे हैं और उनकी इस प्यारी पोस्ट की तारीफ भी कर रहे हैं।

काम की बात करें तो प्रीति जिंटा अब जल्द ही यानी अगले साल 2025 में लाहौर 1947 फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग अभी चल रही है और इसमें सनी देओल लीड रोल में हैं।